सूर्योदय 6.15 सूर्यास्त 6:06

आज का तापमान

शिमला	15.5 न्यू	25.0 अधि
धर्मशाला	17.0 न्यू	28.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	71,909.70
निफ्टी	22,421.95

सोना 1,48,138 चांदी 2,20,829

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 2 अक्तूबर 2026 | 16 अश्विन, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 158, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

उत्तराखंड आंदोलन की यादों में आज भी जीवंत है संघर्ष और संकल्प



विकास बलोनी, भारतेन्दु संवाददाता, उत्तराखंड। उत्तराखंड आंदोलन का वह दौर आज भी मेरी स्मृतियों में उसी तरह जीवंत है। वह केवल एक आंदोलन नहीं था, बल्कि हमारे अस्तित्व, हमारी पहचान और अपने पहाड़ के भविष्य के लिए लड़ी जा रही एक ऐतिहासिक लड़ाई थी।

उस दिन देहरादून के घंटाघर स्थित पंचायती मंदिर से हम हजारों की संख्या में अपने साथियों के साथ बसों में सवार होकर दिल्ली के लिए कूच कर रहे थे। हमारे चेहरों पर उत्साह था, दिलों में जोश था और मन में एक ही संकल्प उत्तराखंड राज्य लेकर रहेंगे। कूच से पहले हम सबको तिलक लगाया गया। ऐसा लग रहा था मानो हम किसी यात्रा पर नहीं, बल्कि इतिहास रचने निकल रहे हों। बसों में गीत गूंज रहे थे, नारे लग रहे थे और हर तरफ उत्तराखंड के लिए जुनून दिखाई दे रहा था। रास्ते में कुछ जगह हमारे युवा साथियों ने सरकारी इमारतों में तोड़फोड़ करने की कोशिश की। हमने उन्हें समझाया कि हमारा संघर्ष अपने अधिकारों के लिए है, किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं। हमारी बात उन्होंने मानी और हमारा काफिला आगे बढ़ता रहा, लेकिन कुछ दूर जाने के बाद हमारी बसें रोक दी गईं। बताया गया कि आगे बैरिकेडिंग हैं। समय बीतता गया धीरे-धीरे लोगों का धैर्य जवाब देने लगा। फिर पता चला कि पुलिस ने आगे से बसों को रोक रखा है। अधिकारियों से बातचीत शुरू हुई, लेकिन कोई स्पष्ट समाधान नहीं निकल रहा था।

समय गुजर रहा था और हमारे पास खाने-पीने का कोई इंतजाम नहीं था। सामने खेतों में गन्ने खड़े थे। भूख ऐसी थी कि हम लोगों ने खेतों से गन्ने तोड़े और वहीं बैठकर खाने लगे। हमें उम्मीद थी कि कुछ देर बाद रास्ता खुल जाएगा और हम दिल्ली की ओर आगे बढ़ जाएंगे, लेकिन रास्ता नहीं खुला। इंतजार लंबा होता गया और आक्रोश भी बढ़ता गया। थके हुए लोग बसों की छतों पर आराम करने लगे। तभी अचानक आसपास से आवाजें आने लगीं किसी ने कहा कि पुलिस ने रबर की गोलियां चलाई हैं। हम नीचे उतरे तो स्थिति बदल चुकी थी। गोलियां चल चुकी थीं। आंसू गैस छोड़ी जा रही थी।

चारों तरफ भगदड़ और चीख-पुकार थी। हम लोग इधर-उधर भागने लगे। कई घायल आंदोलनकारियों को हमने उठाया और एंबुलेंस तक पहुंचाया। कई लोगों को गोलियां लगी थीं। हमारे हाथ और कपड़े खून से लाल हो चुके थे। उस समय यह समझना मुश्किल था कि कौन अपना है, कौन घायल है और किसे पहले मदद की जरूरत है।

2 सितंबर 1994 — मसूरी गोलीकांड के शहीदों को नमन



उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को शत-शत नमन। उनका बलिदान और संघर्ष सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेगा। अमर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

- रामपुर तिराहा गोलीकांड, 2 अक्तूबर 1994: उत्तराखंड आंदोलन में मेरा एक सफरनामा
- बसें रोकने के बाद बढ़ा आक्रोश, खेतों से गन्ना खाकर मिटाई भूख
- अलग राज्य की मांग के लिए निकला काफिला बना संघर्ष की दर्दनाक कहानी
- घंटाघर से हजारों आंदोलनकारियों ने दिल्ली के लिए किया कूच



संघर्ष, दर्द व संकल्प की गवाह है रामपुर तिराहा की स्मृति

आज वर्षों बाद जब उस सफर को याद करता हूं, तो आंखों के सामने वही दृश्य घूमने लगते हैं घंटाघर से निकलता जनसैलाब, बसों में गूंजते गीत व नारे, खेतों में भूख से खाया गया गन्ना, आंसू गैस का धुआं, गोलियों से घायल साथी, खून से लाल कपड़े, गांव वालों की दाल-चावल की थाली, रास्ते में लोगों का प्यार और वह लंबी रात... यह सब मेरे जीवन की ऐसी स्मृतियां हैं, जिन्हें समय कभी मिटा नहीं सकता। रामपुर तिराहा हमारे लिए केवल एक स्थान नहीं है, वह हमारे संघर्ष, हमारे दर्द और हमारे संकल्प की स्मृति है। उत्तराखंड आंदोलन के सभी ज्ञात-अज्ञात आंदोलनकारियों और शहीदों को शत-शत नमन। उन माताओं को नमन, जिन्होंने अपने बेटों को इस आंदोलन के लिए भेजा। उन बहनों और बेटियों को नमन, जिन्होंने संघर्ष में अपनी भूमिका निभाई। उन युवाओं को नमन, जिन्होंने अपने भविष्य से पहले अपनी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए आवाज उठाई और उस पहाड़ की मिट्टी को नमन, जिसने हमें अपनी पहचान के लिए लड़ना सिखाया।



सादे भोजन में दिखा पहाड़ के लोगों का आंदोलनकारियों के प्रति अपनापन

आंदोलन में शामिल महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया है। यह सुनकर लोगों का आक्रोश और भड़क उठा, जिस आंदोलन में हजारों लोग अपने अधिकार और अपने भविष्य के लिए निकले थे, वहां ऐसा दृश्य देखकर हर किसी के भीतर गुस्सा भर गया। इसी अफरातफरी के बीच मैं भी अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। शायद आंसू गैस का असर था। कुछ समय बाद जब आंख खुली, तो मैं खेतों के बीच से गुजरने वाली एक नहर के पास पड़ा था। मैं उठा और अपने साथियों के साथ खेतों की ओर चला गया, वहां आसपास के गांव के कुछ लोगों ने आंदोलनकारियों के लिए खाने की व्यवस्था की थी। बड़े सादे तरीके से चावल और पीली दाल बनाई गई थी। भूख इतनी थी कि वह साधारण-सा भोजन भी उस समय किसी दावत से कम नहीं लग रहा था। हमने खेतों से कुछ पत्ते तोड़े, उन्हीं पत्तों में खाना रखा और भूख मिटाई। उस दृश्य को आज भी याद करता हूं तो लगता है कि वह केवल दाल-चावल नहीं था, वह पहाड़ के लोगों का अपने आंदोलनकारियों के प्रति अपनापन था। गांव के लोगों के पास शायद देने के लिए बहुत कुछ नहीं था, लेकिन जो था, वह उन्होंने दिल खोलकर दे दिया। कुछ समय बाद हमें वापस लौटने के लिए कहा गया। सभी लोग फिर बसों में सवार हुए और देहरादून की ओर लौटने लगे।

रातभर थकान और दर्द के बीच जिंदा रहा उत्तराखंड आंदोलन का संकल्प

रात बहुत लंबी लग रही थी। बसों में थकान थी, दर्द था, खामोशी थी, लेकिन संकल्प अभी भी जिंदा था। रास्ते में जगह-जगह लोग हमारा स्वागत करने के लिए खड़े थे। किसी ने तालियां बजाईं, किसी ने नारे लगाए। लोगों ने हमें पानी, रस, बिस्कुट, बंद जूस और खाने-पीने की कई चीजें दीं। हर कोई अपने तरीके से हमारा हौसला बढ़ा रहा था। रुड़की में तो लोगों ने बसें रुकवाकर नारे लगाए। ऐसा लग रहा था कि पूरा उत्तराखंड उस संघर्ष में हमारे साथ खड़ा है, जब हम देहरादून पहुंचे तो शरीर थक चुका था, लेकिन मन के भीतर एक अजीब-सा आक्रोश और दर्द था। अगले दिन मेरी मां ने मेरी काली जींस धोने के लिए पानी में डाली और पानी लाल हो गया। वह लाल पानी केवल खून का रंग नहीं था। उसमें उस संघर्ष की पीड़ा थी, उन लोगों का दर्द था, उन परिवारों की चिंता थी, जिन्होंने अपने बेटे, भाई और पति को आंदोलन में भेजा था, उस दिन मेरे मन में एक अलग ही आक्रोश भर गया, लेकिन समय ने उस संघर्ष को व्यर्थ नहीं जाने दिया। हमारे लोगों की मेहनत, त्याग, संघर्ष और जज्बे ने आखिरकार उत्तराखंड को उत्तरांचल राज्य के रूप में जन्म दिया। बाद में यही राज्य उत्तराखंड के नाम से जाना गया।

रामपुर तिराहा कांड को आज भी क्यों किया जाता है याद?

रामपुर तिराहा घटना से पहले, उत्तराखंड आंदोलन एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन था, जिसमें लोग अलग राज्य की मांग कर रहे थे, लेकिन रामपुर तिराहा गोलीबारी की घटना के बाद, इस आंदोलन ने एक नया मोड़ ले लिया और यह और भी गंभीर हो गया। रामपुर तिराहा घटना के बाद, उत्तराखंड आंदोलन को जनता का समर्थन मिला। स्थानीय मीडिया ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। छात्र, मजदूर, महिलाएं और सामाजिक कार्यकर्ता सभी ने इस आंदोलन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस घटना ने उत्तराखंड के लोगों को एकजुट किया और आंदोलन को एक मजबूत नैतिक बल प्रदान किया। अंततः, इतने संघर्ष के बाद, 9 नवंबर 2000 को उत्तराखंड एक अलग राज्य के रूप में गठित हुआ। और रामपुर तिराहा की यह घटना उत्तराखंड के अलग राज्य के आंदोलन में सबसे महत्वपूर्ण घटना के रूप में याद की जाती है। यह घटना पहचान, अधिकारों और स्वशासन के लिए लोगों द्वारा चुकाई गई कीमत की एक सशक्त याद दिलाती है। उत्तराखंड राज्य का गठन 9 नवंबर 2000 को उत्तरांचल के रूप में हुआ था, और बाद में जनवरी 2007 में इसका आधिकारिक नाम बदलकर उत्तराखंड कर दिया गया। रामपुर तिराहा खंड आज भी याद किया जाता है क्योंकि यह उत्तराखंड के लोगों द्वारा एक अलग राज्य के लिए किए गए संघर्ष, बलिदान और पीड़ा को दर्शाता है। उत्तराखंड के लोगों के लिए, यह सिर्फ एक आंदोलन नहीं, बल्कि अपने राज्य के प्रति एक गहरा लगाव है। हर साल, लोग उत्तराखंड की पहचान के लिए संघर्ष में अपनी जान गंवाने वालों को याद करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

रामपुर तिराहा कांड: इतिहास, तथ्य और उत्तराखंड आंदोलन में भूमिका

अनिल थपलियाल, भारतेन्दु संवाददाता, उत्तराखंड। उत्तराखंड दो क्षेत्रों में विभाजित है केदारखंड व मानसखंड, जिन्हें आज गढ़वाल और कुमाऊं के नाम से जाना जाता है। ब्रिटिश शासन के दौरान, ये क्षेत्र ब्रिटिश भारत के संयुक्त प्रांत में शामिल थे और इसी कारण उत्तराखंड का विलय उस क्षेत्र में हुआ, जो बाद में उत्तर प्रदेश बना। हालांकि, ब्रिटिश काल में भी उत्तराखंड के लोग अपने क्षेत्र को एक अलग राज्य बनाना चाहते थे। यही कारण है कि भारत की स्वतंत्रता के बाद भी उत्तराखंड ने कभी भी उत्तर प्रदेश को अपना घर नहीं माना।

उत्तराखंड 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर एक स्वतंत्र राज्य बना, लेकिन इसके गठन में कई वर्षों का संघर्ष और बलिदान शामिल था। उत्तराखंड राज्य के गठन के दौरान कई दुखद घटनाएं घटीं। रामपुर तिराहा खंड उत्तराखंड राज्य के गठन के दौरान घटी सबसे दुखद घटनाओं में से एक है।



राष्ट्रीय मुद्दा बना रामपुर तिराहा कांड

उत्तर प्रदेश की मुलायम सिंह यादव सरकार ने फैसला किया कि प्रदर्शनकारियों को दिल्ली नहीं पहुंचने दिया जाएगा। नतीजतन, रामपुर तिराहा को चेकपॉइंट में बदल दिया गया। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए बल प्रयोग किया। फायरिंग, लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। कई प्रदर्शनकारियों की जान चली गई, कई घायल हो गए और दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगे, खासकर महिलाओं के खिलाफ। रामपुर तिराहा फायरिंग का मामला रातोंरात राष्ट्रीय मुद्दा बन गया। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन एक भयावह सपने में बदल गया। यह घटना महज एक झड़प नहीं थी; यह भारतीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय बन गई।

उत्तराखंड आंदोलन: पहचान, विकास और स्वशासन के लिए लंबा संघर्ष

उत्तराखंड आंदोलन पहचान, विकास और स्वशासन के लिए एक लंबा संघर्ष था। उत्तराखंड के लोग अपनी पहाड़ी पहचान और संस्कृति की रक्षा के लिए एक अलग राज्य की मांग कर रहे थे। स्वतंत्रता से पहले ही ब्रिटिश सरकार के समक्ष अलग उत्तराखंड की मांग उठाई गई थी। इतिहास के अनुसार, गढ़वाल और कुमाऊं को मिलाकर एक अलग राज्य बनाने की पहली स्पष्ट मांग 5 मई 1938 को एक सार्वजनिक सम्मेलन में रख गई थी। पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों का मानना था कि एक अलग राज्य ही उनकी समस्याओं का एकमात्र समाधान है। पहाड़ी क्षेत्रों में विकास की कमी, बेरोजगारी और पलायन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और उत्तर प्रदेश सरकार की प्रशासनिक लापरवाही के कारण अलग राज्य की मांग उठी थी। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में आम लोगों ने भाग लिया। समय के साथ, विरोध प्रदर्शन और भी व्यापक औन संगठित होते गए। लोगों ने भारत की राजधानी दिल्ली की ओर कूच करने का फैसला किया, ताकि वे अपनी मांगों को सीधे केंद्र सरकार के सामने रख सकें। लोगों का मानना था कि अगर उनकी आवाज दिल्ली तक पहुंच गई, तो सरकार को उनकी बात सुननी ही पड़ेगी। इसी फैसले के कारण रामपुर तिराहा कांड के नाम से जानी जाने वाली ऐतिहासिक और दुखद घटना घटी। रामपुर तिराहा खंड एक हिंसक घटना थी, जो तब घटी जब उत्तराखंड आंदोलन के हजारों समर्थकों को दिल्ली की ओर मार्च करते समय पुलिस ने रोक दिया। उनका उद्देश्य सीधा-सा थाः शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना और एक अलग उत्तराखंड राज्य की मांग करना। रामपुर तिराहा उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में एक सड़क चौराहा है। देखने में यह एक साधारण राजमार्ग चौराहा जैसा लग सकता है, लेकिन 1994 की रामपुर तिराहा गोलीबारी घटना (जिसे अक्सर रामपुर तिराहा कांड कहा जाता है) के स्थल के रूप में इसका बहुत अधिक दर्द और ऐतिहासिक महत्व है।

रामपुर तिराहे की रात क्या हुआ था?

1 अक्तूबर 1994 की रात एक अविस्मरणीय रात थी। यह भारत के इतिहास की सबसे काली रातों में से एक थी, जब उत्तर प्रदेश पुलिस ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्रित आम नागरिकों पर लाठीचार्ज किया। इसके बाद, पुलिस ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, जो शांतिपूर्वक उत्तराखंड राज्य की मांग कर रहे थे। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कुछ लोग सड़कों पर गिर पड़े, कुछ छिपने की कोशिश करने लगे और कई लोगों की जान चली गई। वहां मौजूद सभी बसें क्षतिग्रस्त हो गईं और प्रदर्शनकारियों का निजी सामान नष्ट हो गया। विरोध प्रदर्शन में शामिल होने आई महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन पर हमला किया गया। रामपुर तिराहा कांड अब सिर्फ गोलीबारी की घटना नहीं रह गई थी। यह अन्याय, क्रूरता और सत्ता के दुरुपयोग का प्रतीक बन गया था। रामपुर तिराहा कांड की घटना 1 अक्तूबर 1994 की रात और 2 अक्तूबर 1994 की सुबह के बीच हुई थी। यह घटना उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के पास रामपुर तिराहा में घटी थी।



प्रदर्शनकारियों में निम्नलिखित लोग थे शामिल

- विद्यार्थी
- महिला
- किसान
- सरकारी कर्मचारी
- सामाजिक कार्यकर्ता

दूसरी ओर ये लोग थे

- उत्तर प्रदेश पुलिस
- प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी)
- जिला प्रशासन के अधिकारी

शांतिपूर्ण आंदोलन पर पुलिस फायरिंग में सात आंदोलनकारियों की हुई मौत

रामपुर तिराहा कांड उत्तराखंड आंदोलन के इतिहास के काले अध्यायों में से एक है। एक अलग राज्य के गठन की शांतिपूर्ण मांग हिंसा की एक क्रूर घटना में तब्दील हो गई जिसने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया। इस त्रासदी ने दुनिया को दिखाया कि पहाड़ों में रहने वाले लोग कितना कष्ट और संघर्ष झेल रहे थे। हिंसा ने लोगों को डराने के बजाय, वास्तव में सबको एकजुट कर दिया और उन्हें अपना अलग राज्य पाने के लिए और भी दृढ़ संकल्पित कर दिया। आज इसे उत्तराखंड को साकार करने के लिए लोगों द्वारा किए गए गहरे बलिदानों के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है।प्रदर्शनकारी निहत्थे थे और अधिकतर बसों, ट्रकों और पैदल यात्रा कर रहे थे। वे बैनर लिए हुए थे, ' उत्तराखंड राज्य हमारा है, हम इसे लेकर रहेंगे ', ' बबली मंडुआ खाएंगे उत्तराखंड' जैसे नारे लगा रहे थे और उत्तराखंड आंदोलन से संबंधित गीत गा रहे थे। गोलीबारी में मारे गए सात कार्यकर्ताओं के नाम इस प्रकार हैंः अशोक कुमार (उखीमठ से)। गिरीश भद्री (बद्रीपुर से)। राजेश लखेरा (अजबपुर से)। राजेश नेगी (भानियावाला से)। रवींद्र रावत उर्फ गोलू (नेहरू कॉलोनी, देहरादून से)। सतेंद्र चौहान (भालावाला से)। सूर्यप्रकाश थपलियाल (ऋषिकेश से)।

धाकड़ फाउंडेशन की ओर से उत्तराखंड आंदोलन के सभी अमर शहीदों को शत-शत नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि

हिमाचल की सेब बागवानी को सहयोग देगा न्यूजीलैंड

सेब उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में सेब उत्पादन और बागवानी क्षेत्र को आधुनिक तकनीक, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता से जोड़ने की दिशा में प्रदेश सरकार प्रयास तेज कर रही है। इसी कड़ी में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक राटा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से शिमला में भेंट की। बैठक में हिमाचल की सेब बागवानी को मजबूत करने, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने और दोनों देशों के किसानों-बागवानों के बीच अनुभव साझा करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेब उत्पादन हिमाचल प्रदेश की आर्थिकी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और बड़ी संख्या में परिवारों की आजीविका बागवानी पर निर्भर है। ऐसे में बागवानी क्षेत्र को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बागवानी में नवीन तकनीक और नवाचार को बढ़ावा दे रही है, ताकि किसानों और बागवानों को उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ आधुनिक खेती की बेहतर जानकारी मिल सके। उन्होंने हिमाचल और न्यूजीलैंड के किसानों तथा बागवानों के लिए अनुभव साझा करने के उद्देश्य से अध्ययन एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

प्रस्तावित उत्कृष्टता केंद्र पर चर्चा : बैठक के दौरान न्यूजीलैंड के प्रतिनिधिमंडल ने हिमाचल प्रदेश में सेब की बागवानी को प्रोत्साहित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध करवाने में रुचि जताई। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में न्यूजीलैंड की ओर से प्रस्तावित उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इस केंद्र के माध्यम से आधुनिक बागवानी तकनीक, उत्पादन संबंधी बेहतर तौर-तरीकों और विशेषज्ञ मार्गदर्शन को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित आधुनिक तकनीकों और स्थानीय परिस्थितियों के बीच बेहतर समन्वय से हिमाचल के बागवानों को लाभ मिल सकता है। इसके लिए किसानों और बागवानों को नई तकनीकों की जानकारी देने तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने पर भी जोर दिया जाएगा।

प्राकृतिक खेती पर भी हुआ मंथन : बैठक में प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और बागवानी क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के उपयोग को लेकर दोनों पक्षों ने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल की भौगोलिक और कृषि परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसी तकनीकों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनसे किसानों की आय और उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिल सके।

प्रतिनिधिमंडल में न्यूजीलैंड के विशेष कृषि व्यापार दूत नाथन गाइ, उच्चायोग के प्राथमिक उद्योग काउंसलर जेम्स वॉ, कृषि साझेदारी प्रबंधक प्रियम अरोड़ा, डेनियल और लैकलन सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। इस अवसर पर शिमला नगर निगम के महापौर सुरेंद्र चौहान और मुख्य सचिव के.के. पंत भी मौजूद रहे। बैठक को हिमाचल और न्यूजीलैंड के बीच बागवानी एवं कृषि क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना गया।

नशे के अवैध कारोबार से जुड़ी संपत्तियों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, तीन मामलों में कार्रवाई

शिमला पुलिस ने नशा तस्करों की 40 लाख की संपत्ति की जब्त



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई को नशीले पदार्थों की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित न रखते हुए अब तस्करी से अर्जित कथित अवैध धन और संपत्तियों पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस द्वारा एनडीपीएस मामलों में वित्तीय जांच के माध्यम से आरोपियों के बैंक खातों, लेन-देन और संपत्तियों का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है। इसी प्रक्रिया के तहत तीन एनडीपीएस मामलों में करीब 40 लाख रुपये से अधिक मूल्य की चल-अचल और वित्तीय संपत्तियां जब्त की गई हैं। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक एनडीपीएस मामलों में वित्तीय जांच के आधार पर 12.5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं।

बालूगंज मामले में 23 लाख की संपत्ति जब्त : पुलिस थाना बालूगंज में दर्ज एफआईआर संख्या 27/2026 में 23 फरवरी को आइएसबीटी शिमला के पास अविनाश चौहान के कब्जे से करीब सात ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। जांच आगे बढ़ने पर साक्ष्यों के आधार पर विशाल यादव, जय प्रकाश यादव और रवि अहिरवार को भी गिरफ्तार किया गया। वित्तीय जांच में पुलिस ने विशाल यादव और उसके सहआरोपी भाई जय प्रकाश यादव की संपत्तियों और बैंक लेन-देन की पड़ताल की। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि अप्रैल 2026 में विशाल यादव ने अपने भाई के नाम पर करीब 22 लाख रुपये की महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन खरीदी थी। इसके अलावा विशाल यादव के बैंक खाते में जनवरी 2025 से अगस्त 2026 के बीच करीब एक करोड़ रुपये का लेन-देन मिला। पुलिस के मुताबिक आय का कोई वैध स्रोत सामने नहीं आया। वाहन और बैंक खाते में उपलब्ध राशि, जिसकी कुल अनुमानित कीमत करीब 23 लाख रुपये है, को एनडीपीएस अधिनियम के तहत जब्त किया गया है।

रामपुर के दो मामलों में 17.5 लाख की कार्रवाई : पुलिस थाना रामपुर में दर्ज एफआईआर संख्या 52/2025 के अनुसार, 13 मई 2025 को कुड़ीधार क्षेत्र में किराये के कमरे में चिट्टा-हेरोइन की खरीद-फरोख्त की सूचना पर कार्रवाई की गई थी। तलाशी के दौरान 31 ग्राम चिट्टा-हेरोइन और 50,400 रुपये नकद बरामद हुए तथा पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वित्तीय जांच में करीब 9.5 लाख रुपये मूल्य की ऐसी संपत्तियों की पहचान हुई, जिनका वैध आय स्रोत सामने नहीं आया। इनमें एक कार, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटी शामिल हैं।

वहीं, एफआईआर संख्या 64/2025 में 25 जून 2025 को नोगली बाजार स्थित बजीर बावड़ी रैन शेल्टर के पास मनसा राम उर्फ मनीष को करीब 2.5 किलोग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था।

एंबुलेंस कर्मियों का एनएचएम कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। 108 एवं 102 एंबुलेंस कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन संबंधित सीटू के आह्वान पर सैकड़ों एंबुलेंस कर्मचारियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध निदेशक कार्यालय कुसुम्पटी के बाहर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने न्यूनतम मजदूरी, ओवरटाइम, ईपीएफ-ईएसआई, वैधानिक छुट्टियों, साप्ताहिक अवकाश और सेवा सुरक्षा सहित लंबित मांगों के समाधान की मांग उठाई।

प्रदर्शन के बाद यूनियन का प्रतिनिधिमंडल एनएचएम प्रबंध निदेशक के ओएसडी डॉ. चेतन चौहान से मिला और मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने एनएचएम प्रबंधन, मेडस्वान कंपनी और यूनियन के बीच तत्काल त्रिपक्षीय बैठक बुलाकर समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

सीटू नेताओं और यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि 108 एवं 102 एंबुलेंस सेवाओं में कार्यरत पायलट, कैप्टन और ईएमटी कर्मचारी आपात परिस्थितियों में दिन-रात सेवाएं देते हैं। इसके बावजूद उनके श्रम और वैधानिक अधिकारों से जुड़े कई मामले लंबे समय से लंबित हैं। कर्मचारियों ने 12 घंटे की ड्यूटी के लिए नियमानुसार ओवरटाइम भुगतान, न्यूनतम मजदूरी, ईपीएफ-ईएसआई का पूरा हिसाब और सभी वैधानिक छुट्टियां देने की मांग की।

यूनियन ने जीवीके अवधि से संबंधित ग्रेच्युटी, छंटनी भत्ता, नोटिस पे और अन्य बकाया का भुगतान करने तथा कर्मचारियों की सेवा निरंतरता और वरिष्ठता सुरक्षित रखने की मांग भी उठाई।

कांग्रेस 2 से 8 अक्टूबर तक मनाएगी लोकतंत्र बचाओ सप्ताह

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिशानिर्देश पर कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की ओर से देशभर में दो से आठ अक्टूबर तक लोकतंत्र बचाओ सप्ताह और वोट बचाओ मार्च आयोजित किए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने प्रदेश के सभी जिला अध्यक्षों को अपने-अपने जिलों में अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं। यह कार्यक्रम इंडिया गठबंधन के राष्ट्रीय स्तर पर तय किए गए अभियान का हिस्सा है। प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री विनोद जिंटा ने इस संबंध में परिपत्र जारी कर पार्टी के सभी नेताओं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, पूर्व पदाधिकारियों, जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों तथा अग्रणी संगठनों और विभागों के पदाधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है। जिंटा के अनुसार, अभियान के तहत कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जिला स्तर पर वोट बचाओ मार्च निकालेंगे।

एसजेवीएन ने सफाई मित्रों के स्वास्थ्य और सम्मान को दी प्राथमिकता



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। एसजेवीएन की ओर से स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के तहत शिमला स्थित कारपोरेट मुख्यालय में सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन निदेशक (कार्मिक) अजय कुमार शर्मा ने निदेशक (परियोजनाएं) राजेश कुमार चंदेल, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज पोरवाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया।

शिविर में सफाई मित्रों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई। हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सा टीम ने रक्त जांच और रक्तचाप की जांच की। इसके अलावा सफाई मित्रों के लिए एक्स-रे की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। आयोजन का उद्देश्य सफाई मित्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ही सेवा अभियान में सफाई मित्रों के योगदान को सम्मानित करने के लिए समारोह आयोजित किया गया। हाउसकीपिंग, साफ-सफाई और सहयोगी सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों एवं स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया।

एसजेवीएन की ओर से कहा गया कि सफाई मित्र स्वच्छ और सुरक्षित कार्यस्थल बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता देना संस्था की जिम्मेदारी है।

वरिष्ठजनों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा से बनेगा स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज : शांडिल



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर गेयटी थियेटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वास्थ्य एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. कर्नल धनी राम शांडिल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का अनुभव और युवाओं की ऊर्जा मिलकर स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

डॉ. शांडिल ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की थीम 'दीर्घायु का युग : वृद्धावस्था के लिए प्रणालियों पर पुनर्विचार' है। इसका उद्देश्य वरिष्ठजनों की देखभाल के साथ उन्हें समाज में सक्रिय और सम्मानजनक योगदान के अवसर उपलब्ध करवाना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बेसहारा वृद्धजनों की देखभाल के लिए 12 वृद्धाश्रम, 22 डे-केयर सेंटर और पांच वरिष्ठ नागरिक सुविधा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इनमें आवास, भोजन, चिकित्सा और मनोरंजन सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक आयु के करीब 6.62 लाख वरिष्ठ नागरिकों को बिना आय सीमा के सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है, जिस पर लगभग 1,400 करोड़ रुपये वार्षिक खर्च किए जा रहे हैं। पिछले साढ़े तीन वर्षों में 99,779 नए वृद्धजनों को पेंशन प्रदान की गई है। वरिष्ठ नागरिकों की शिकायतों के निवारण के लिए हेल्पलाइन 14567 भी उपलब्ध है।

मंत्री ने कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से ही रचनात्मक और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना जरूरी है। उन्हें खेलकूद, संगीत, विज्ञान, कला, पर्वतारोहण और साहसिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच विकसित होगी तथा वे नशे जैसी प्रवृत्तियों से दूर रहेंगे।

उन्होंने कहा कि मोबाइल और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के बीच वरिष्ठजनों को साइबर धोखाधड़ी से भी सावधान रहने की आवश्यकता है।

रामपुर में 11 ग्राम चिट्टे के साथ किन्नौर के दो युवक गिरफ्तार



भारतेन्दु संवाददाता, रामपुर। रामपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो युवकों को करीब 11 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी किन्नौर जिले के रहने वाले हैं। उनके खिलाफ पुलिस थाना रामपुर में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस चौकी सिटी रामपुर की टीम ने 30 सितंबर को गुप्त सूचना के आधार पर पुराना बस अड्डा रामपुर के पास स्थित एक गेस्ट हाउस के समीप कार्रवाई की। तलाशी के दौरान टीम ने आशीष मेहता (28), पुत्र स्वर्गीय जोगिंदर सिंह, निवासी तहसील निचार, जिला किन्नौर और दिव्यांशु (20), पुत्र प्रेम चंद, निवासी तहसील कल्पा, जिला किन्नौर के कब्जे से करीब 11 ग्राम चिट्टा बरामद किया।

पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर दोनों युवकों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। बरामद चिट्टे को जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी नशीला पदार्थ कहां से लेकर आए थे और इसे आगे कहां पहुंचाया जाना था। मामले में नशे की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सरकारी सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के 148 सरकारी सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड बुधवार से लागू कर दिया गया है। निदेशक स्कूल शिक्षा आशीष कोहली ने बताया कि इसका उद्देश्य शिक्षकों में अनुशासन, पेशेवर पहचान और संस्थागत गरिमा को बढ़ावा देना है। ड्रेस कोड तैयार करते समय शिक्षकों की व्यावसायिक जरूरतों के साथ प्रदेश की जलवायु को भी ध्यान में रखा गया है। निर्धारित रंगों में हल्का लाइलैक, लाइलैक पर्पल और नेवी ब्लू शामिल हैं, जबकि जूते और अन्य निर्धारित सामान के लिए काला रंग तय किया गया है। महिला शिक्षकों के लिए ब्लेजर के साथ साड़ी, कुरता-कमीज के साथ पैंट, प्लाजो या सलवार तथा टाई-ब्लेजर के साथ शर्ट-ट्राउजर निर्धारित किए गए हैं।

रोहड़ू स्कूल भवन के लिए मुख्यमंत्री ने दो करोड़ रुपए किए घोषित

छात्रा की मांग पर मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण के लिए राशि घोषित की



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रोहड़ू स्थित पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षा, रोजगार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य से जुड़े विभिन्न सवाल मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। एक छात्रा ने विद्यालय के नए भवन की मांग रखी, जिस पर मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर सरकार अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध करवाएगी।

दो पालियों में चल रही कक्षाएं : छात्रा ने मुख्यमंत्री को बताया कि विद्यालय के केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध होने के बाद विद्यार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान में जगह की कमी के कारण विद्यालय में दो पालियों में कक्षाएं संचालित करनी पड़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए परिसर के निर्माण में समय लगेगा, लेकिन सरकार आधुनिक सुविधाओं से युक्त बेहतर विद्यालय परिसर तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सरकारी क्षेत्र में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालय खोलने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

आर्थिक स्थिति सुधारना सबसे बड़ी चुनौती : एक विद्यार्थी ने मुख्यमंत्री से पूछा कि उनके लिए सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य क्या है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने और समय का बेहतर प्रबंधन करने के साथ प्रदेश की आर्थिक स्थिति में समयबद्ध सुधार लाना बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर और देश के अग्रणी एवं समृद्ध राज्यों में शामिल करने के लिए काम कर रही है।

एक विद्यार्थी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग से बच्चों के बौद्धिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर सवाल किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण तकनीक है, लेकिन इसके प्रभावी उपयोग के लिए शिक्षा और ज्ञान की मजबूत नींव जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया।

रोजगार के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी शिक्षा युवाओं को भविष्य के लिए सही दिशा चुनने में सक्षम बनाती है। सरकार सरकारी रोजगार के साथ स्वरोजगार को भी बढ़ावा दे रही है। इस अवसर पर विधायक मोहन लाल ब्राक्टा, संजय भारद्वाज, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

इग्नू ने बढ़ाई परीक्षा फार्म की अंतिम तिथि

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने दिसंबर 2026 में होने वाली सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 अक्टूबर 2026 कर दी है। विश्वविद्यालय ने उन विद्यार्थियों को राहत दी है, जो निर्धारित समय में परीक्षा फार्म नहीं भर पाए हैं। ऐसे विद्यार्थी अब 7 अक्टूबर तक ऑनलाइन परीक्षा फार्म जमा कर सकते हैं। इग्नू के अनुसार, विद्यार्थी विलंब शुल्क के साथ 8 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक भी परीक्षा फार्म भर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। दिसंबर 2026 की सत्रांत परीक्षा के लिए जनवरी 2026 सत्र में विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थी पात्र होंगे। इसके अलावा जुलाई 2026 सत्र में विभिन्न प्रमाणपत्र तथा सेमेस्टर आधारित स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थी भी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

संवाद भारत-नॉर्वे संबंधों और हिमाचल के पर्यटन पर दूतावास में हुई विस्तृत चर्चा

ओस्लो में पठानियां ने गांधी जी को दी श्रद्धांजलि



अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां अपने विदेश दौरे के समापन से पहले नॉर्वे की राजधानी ओस्लो स्थित भारतीय दूतावास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दूतावास प्रमुख एवं 2013 बैच की भारतीय विदेश सेवा अधिकारी अनन्या अग्रवाल से मुलाकात की। दूतावास प्रमुख ने पुष्पगुच्छ भेंट कर विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया। बैठक के दौरान भारत और नॉर्वे के बीच संबंधों, सहयोग की संभावनाओं तथा हिमाचल प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

पठानियां और अनन्या अग्रवाल के बीच शिक्षा, पर्यटन, हरित ऊर्जा, सतत विकास और संसदीय कार्यप्रणाली से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने भारत और नॉर्वे के बीच बढ़ती मित्रता तथा हिमाचल प्रदेश के साथ संभावित सहयोग के क्षेत्रों पर भी चर्चा की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल में पर्यटन, विशेषकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने दूतावास के अधिकारियों से हिमाचल की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और पर्यटन स्थलों को विदेशों में प्रचारित करने की दिशा में सहयोग का आग्रह किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने दूतावास प्रमुख के आतिथ्य के लिए उनका आभार व्यक्त किया और भारत-नॉर्वे संबंधों को मजबूत करने तथा नॉर्वे में भारतीय समुदाय के सहयोग के लिए दूतावास द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अनन्या अग्रवाल को हिमाचल प्रदेश आने का निमंत्रण भी दिया। इस दौरान हिमाचली टोपी, शॉल तथा प्रदेश के अन्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। पठानियां ने कहा कि हिमाचल के हस्तशिल्प, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए ऐसे संपर्क उपयोगी साबित हो सकते हैं।

शांति विहार में टनल निर्माण पर उठे सवाल, सुरक्षा और मुआवजे की मांग

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शांति विहार, संजौली स्थित सामुदायिक भवन में चलौंठी-भट्टाकुफर ट्विन टनल और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों की बैठक हुई। इसमें शिमला संसदीय क्षेत्र के सांसद सुरेश कश्यप भी शामिल हुए। स्थानीय लोगों ने परियोजना के सर्वे, टनल एलाइनमेंट, भवनों में दरारें, सुरक्षा, मुआवजे और जनसुनवाई से जुड़े मुद्दे उठाए। बैठक में एनएचएआई के अधिकारी चंदेल और कपूर ने भी लोगों के सवालों का जवाब दिया।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि परियोजना का मौजूदा कार्य पूर्व में किए गए सर्वे के अनुरूप नहीं है। उन्होंने पुराने सर्वे और वर्तमान एलाइनमेंट की तकनीकी जांच कराने की मांग की। लोगों ने क्षेत्र की भौगोलिक एवं भूगर्भीय संवेदनशीलता का हवाला देते हुए कहा कि निर्माण से पहले विस्तृत सुरक्षा और तकनीकी आकलन जरूरी है। उन्होंने टनल और आवासीय भवनों के बीच दूरी, भवनों में आई दरारों तथा धार्मिक स्थलों पर संभावित प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई।



एनएचएआई अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल संबंधित कार्य रोका गया है और आइआइटी रुड़की की विशेषज्ञ टीम जियो-टेक्निकल अध्ययन कर रही है। तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद सुरक्षा संबंधी पहलुओं का आकलन कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि विकास जरूरी है, लेकिन लोगों की जान और उनके घरों की सुरक्षा उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि घर बनाने में व्यक्ति की पूरी जिंदगी की कमाई लग जाती है, इसलिए प्रभावित परिवारों के नुकसान की उचित भरपाई सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

भारतेन्दु Classifieds

NAME CHANGE

I, Sahil S/o Late Sh. Chavi Mehta, R/o Village & P.O. Kasauli, Tehsil Kasauli, District Solan (H.P.), solemnly declare That in my 10th and 12th class certificates, my father's name has been wrongly recorded as Bittu. Whereas my father's correct name is Chavi Mehta. Hence, the correct name of my father i.e. Chavi Mehta may kindly be recorded/ corrected in my educational documents.

राज्यपाल से राज्य निर्वाचन आयुक्त ने की शिष्टाचार भेंट



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरुवार को लोक भवन में राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त ने राज्यपाल को नागर स्थानीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2024-25 का प्रतिवेदन और कॉफी टेबल बुक भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को प्रतिवेदन में शामिल विषयों की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें नगर निकाय सामान्य निर्वाचन से संबंधित विस्तृत आंकड़े और उनका विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इसके माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं और चुनाव के दौरान सामने आए अनुभवों को भी संकलित किया गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि कॉफी टेबल बुक में निर्वाचन प्रक्रिया के साथ जनभागीदारी और निर्वाचन ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण, विश्वास और प्रतिबद्धता को विशेष रूप से दर्शाया गया है। पुस्तक में उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों की तस्वीरों के माध्यम से स्थानीय निकाय निर्वाचन की व्यापकता और विविधता को प्रस्तुत किया गया है।

उत्तराखंड के प्रत्येक वरिष्ठजन का सम्मान और सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री धामी ने 9.93 लाख पेंशनरों को 147.34 करोड़ रुपए की पेंशन दी

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र, नींबूवाला में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजन सिविल सेवा कोचिंग का शुभारंभ किया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 23 वरिष्ठ नागरिकों तथा निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में चयनित पांच छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने एक क्लिक के माध्यम से सितंबर माह की पेंशन राशि का भुगतान भी किया। इसके तहत 9,93,886 पेंशनरों को 147 करोड़ 34 लाख 53 हजार रुपये की पेंशन दी गई। उन्होंने वरिष्ठजनों के कल्याण के लिए सभी को शपथ दिलाई और परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।



सुरक्षा और सुविधा के लिए सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सभी वरिष्ठजनों का स्वागत करते हुए उन्हें अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रदेश के सभी वृद्धजनों के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों के सानिध्य में परिवार स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है। बच्चों को संस्कार और जीवन के आदर्श वरिष्ठजनों से ही प्राप्त होते हैं। वृद्धजन परिवार के सुरक्षाकवच होते हैं। उनके कारण घर में अनुशासन, अपनापन और आत्मीयता बनी रहती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजन अपने जीवन के अनुभवों से परिवार और समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और वे हमारी जीवंत विरासत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके जीवन में भी माता-पिता के संस्कारों की बड़ी भूमिका रही है। उनके स्वर्गीय पिता की सीख आज भी उनका मार्गदर्शन करती है, जबकि माता का आशीर्वाद उन्हें शक्ति देता है। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश के मुख्य सेवक होने के साथ प्रदेश के बेटे भी हैं। उत्तराखंड के प्रत्येक वरिष्ठजन के सम्मान, सुरक्षा और सुविधा की जिम्मेदारी उनकी है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिमाह 1500 रुपये की पेंशन दे रही है। पति और पत्नी दोनों को अलग-अलग पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश के नौ लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को 147 करोड़ रुपये से अधिक की पेंशन उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य के विभिन्न जनपदों में वृद्धाश्रमों की व्यवस्था भी मजबूत की जा रही है। बागेश्वर, चमोली और उत्तरकाशी में राजकीय वृद्धाश्रम संचालित हैं, जबकि देहरादून, अल्मोड़ा और चंपावत में नए वृद्धाश्रमों का निर्माण कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में वृद्धाश्रमों की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। वरिष्ठजनों को परिवार के बीच सम्मान से रहने का अधिकार है। सरकार अटल वयो अभ्युदय योजना के माध्यम से भी वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और समग्र विकास के लिए कार्य कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम लागू किया गया है। दीनदयाल मातृ पितृ तीर्थाटन योजना के माध्यम से वरिष्ठजनों के लिए निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त उपचार की सुविधा भी उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उनके सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

रामपुर तिराहा कांड के शहीदों को सतपाल महाराज ने दी श्रद्धांजलि

अनिल थपलियाल

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने दो अक्टूबर 1994 को मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा कांड में प्राण गंवाने वाले उत्तराखंड राज्य आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के शहीद आज भी उत्तराखंड के हिमालय, गंगा-यमुना और हर गांव-घर में जीवित हैं। नवंबर 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य का गठन शहीदों के सपने का साकार रूप था, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार संवारने का कार्य कर रहे हैं।



शहीदों के सपनों का उत्तराखंड बनाने को सरकार प्रतिबद्ध : महाराज

महाराज ने कहा कि गांधी जयंती के दिन निहत्थे राज्य आंदोलनकारी उत्तराखंड से दिल्ली कूच कर रहे थे। मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहे पर उन्हें रोककर जिस तरह गोलीबारी की गई, वह लोकतंत्र के इतिहास का गहरा जख्म है। आंदोलनकारी अपने लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्वतीय राज्य के सम्मान, स्वाभिमान और अस्मिता की लड़ाई लड़ रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का निर्माण 42 से अधिक शहादतों और लाखों लोगों के लंबे संघर्ष, लाठियों और गोलियों के बाद हुआ है।

महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा सरकारी नौकरियों में चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों के बच्चों को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जा रहा है। साथ ही आंदोलनकारियों की पेंशन में भी बढ़ोतरी की गई है।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को रामपुर तिराहा कांड और राज्य आंदोलन के इतिहास से परिचित कराने के लिए विद्यालयी पाठ्यक्रम में शहीदों की वीरगाथाओं को स्थान दिया जा रहा है। सरकार शहीदों के सपनों के अनुरूप समृद्ध, स्वावलंबी, पलायन-मुक्त, पर्यटन और आध्यात्मिक पहचान वाला उत्तराखंड बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

12 साल बाद लौटेगा मसूरी का शरदोत्सव, तैयारियों को अंतिम रूप

सुनील सोनकर

मसूरी। 12 साल बाद आयोजित होने जा रहे मसूरी के शरदोत्सव की तैयारियों को लेकर नगर पालिका परिषद की बैठक में विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई और तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। छह से 10 अक्टूबर तक होने वाले पांच दिवसीय शरदोत्सव का शुभारंभ छह अक्टूबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। घंटाघर, शहीद स्थल, गांधी चौक और टाउन हॉल सहित विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय कलाकारों, स्कूली विद्यार्थियों और प्रदेश की लोक संस्कृति को विशेष स्थान देने के साथ प्रदेश और देश के नामी कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा।



6 से 10 अक्टूबर तक होंगे रंगारंग कार्यक्रम; बजट सार्वजनिक करने और चीनी लाइटों के इस्तेमाल पर सभासदों ने उठाए सवाल

पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने कहा कि इस बार शरदोत्सव को यादगार और ऐतिहासिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन के माध्यम से मसूरी की संस्कृति, कला और स्थानीय प्रतिभाओं को व्यापक मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक में कुछ सभासदों ने शरदोत्सव पर खर्च होने वाले बजट और विभिन्न मदों में किए जाने वाले खर्च का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। उनका कहना था कि आयोजन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए खर्च का ब्योरा सामने आना चाहिए। सभासद सचिन गुहेर ने शहर की सजावट में चीनी लाइटों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताते हुए स्थानीय और स्वदेशी विकल्पों को प्राथमिकता देने की मांग की।

सभासद शिवानी भारती ने उनके स्तर से आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों को लेकर अनावश्यक पूछताछ किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने पालिका अध्यक्ष से मामले की जांच कराने और अनुचित गतिविधि सामने आने पर कार्रवाई की मांग की। वहीं सभासद अमित भट्ट ने निजी पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए शरदोत्सव से जुड़ी सभी समितियों से इस्तीफा दे दिया। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि सभासदों की आपत्तियों को संज्ञान में लेकर आवश्यकतानुसार समाधान किया जाएगा।

गैरसैंण विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने दिए समयबद्ध निर्देश

उदित नैनवाल

चमोली। गैरसैंण में प्रस्तावित विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर एनआईसी वीसी सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने रुद्रप्रयाग से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में प्रतिभाग करते हुए संबंधित विभागों को सत्र के सफल, सुरक्षित और सुचारु संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से सत्र से जुड़े कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने और किसी भी स्तर पर कमी न रहने देने को कहा।



गैरसैंण सत्र के लिए पेयजल, बिजली और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त होगी

जिलाधिकारी ने जल संस्थान को पेयजल भंडारण क्षमता बढ़ाने तथा पुलिस बैरक के लिए अलग पेयजल लाइन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। शहरी विकास विभाग और जिला पंचायत को पर्याप्त मोबाइल एवं स्थायी शौचालय, स्वच्छता और कूड़ा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति के साथ वैकल्पिक व्यवस्था रखने, जबकि लोक निर्माण विभाग को सड़कों की मरम्मत और सफाई कराने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग को सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और बैरिकेडिंग की व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग आवश्यक चिकित्सा दल, एंबुलेंस और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

शारदा रिवरफ्रंट के काम में धीमी प्रगति पर मुख्य सचिव ने जताई नाराजगी

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में उत्तराखंड इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (यूआईआईडीबी) की कार्यकारी समिति की बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शारदा रिवरफ्रंट कॉरिडोर परियोजना की धीमी प्रगति पर मुख्य सचिव ने नाराजगी जताई।

मुख्य सचिव ने की यूआईआईडीबी के प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा



उन्होंने कहा कि करीब दस माह में केवल 10 प्रतिशत काम होना संतोषजनक नहीं है। परियोजना की लगातार निगरानी के लिए कार्यस्थल पर समर्पित परियोजना प्रबंधक तैनात करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यूआईआईडीबी की सभी परियोजनाओं के लिए समयसीमा के साथ पीईआरटी चार्ट तैयार करने और प्रत्येक बैठक में परियोजनावार प्रगति प्रस्तुत करने को कहा। रिवर राफ्टिंग से जुड़े कार्यों के संचालन और रखरखाव के लिए पांच वर्ष की समर्पित टीम विकसित करने के निर्देश भी दिए गए।

कुंभ मेला 2027 को देखते हुए हरिद्वार क्षेत्र में प्राथमिकता वाले कार्य समय पर पूरे कराने पर जोर दिया गया। सती कुंड से जुड़े कार्य 15 दिसंबर तक पूरे करने के लिए श्रमिकों और शिफ्ट की संख्या बढ़ाने को कहा गया। हरिद्वार में पार्किंग परियोजनाओं से पहले जिलाधिकारी और मेलाधिकारी से लिखित अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं के साथ उनका समुचित समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वित्तीय मामलों की निगरानी के लिए वित्त एवं लेखा समिति गठित करने को भी कहा गया।

एसएसपी दून की सख्ती से शातिर चोर गिरोह आया दून पुलिस की गिरफ्त में

विकासनगर क्षेत्र में स्कूल परिसर में स्थित घर मे हुई चोरी की घटना का दून पुलिस द्वारा किया खुलासा

विकास बलूनी

देहरादून(विकासनगर)। दिनांक 23 सितंबर 2026 को वादी गोपाल सिंह, निवासी बरोटीवाला, कोतवाली विकासनगर, जिला देहरादून ने कोतवाली विकासनगर में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात अभियुक्तों द्वारा उनके घर के कमरे की जाली तोड़कर घर में घुसने तथा सोने-चांदी के आभूषण और नगदी चोरी करने की जानकारी दी थी। लिखित शिकायत के आधार पर थाना विकासनगर में तत्काल धारा 305(ए)/331(8) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया।



घटना में अभियुक्त के साथ शामिल 3 अन्य अभियुक्त हैं उसके रिश्तेदार



एसएसपी, दून

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए घटना के अनावरण और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर कोतवाली विकासनगर में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास और आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया। संदिग्धों के संबंध में जानकारी जुटाकर सुरागरसी-पतारसी की गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। साथ ही पूर्व में इस प्रकार की घटनाओं में प्रकाश में आए अभियुक्तों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर उनका भौतिक सत्यापन किया गया।

लगातार प्रयासों के बाद 30 सितंबर 2026 को पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर घटना में शामिल अभियुक्त बाबूराम पुत्र स्वर्गीय चरण दास, निवासी तोलाराम बस्ती, नवाबगढ़, विकासनगर, उम्र 65 वर्ष को पुल नंबर-01 विकासनगर के पास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से चोरी की नगदी, अन्य दस्तावेज और घटना में प्रयुक्त डिस्कवर मोटरसाइकिल संख्या यूके-16-ए-1458 बरामद हुई। पूछताछ में घटना में शामिल तीन अन्य अभियुक्तों सोनू, राजेंद्र और मदन के नाम प्रकाश में आए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें संभावित स्थानों पर दबिश दे रही हैं।

पूछताछ में बाबूराम ने बताया कि 23 सितंबर को उसने अपने तीन साथियों के साथ बरोटीवाला स्थित घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। सोनू और मदन उसके साले तथा राजेंद्र उसके भाई का बेटा है। घटना से पहले बाबूराम ने घर की रेकी की और साथियों को विकासनगर बुलाया। वह राजेंद्र और सोनू को मोटरसाइकिल से बरोटीवाला शिव मंदिर तिराहे तक ले गया। दोनों गन्ने के खेत से होते हुए घर तक पहुंचे और जाली काटकर अंदर दाखिल हुए। घटना के बाद बाबूराम उन्हें हनुमान मंदिर के पास से लेकर वेदांश चौक तक पहुंचा, जहां से दोनों मदन के साथ नयागांव चले गए। बाद में बाबूराम को उसके हिस्से के पैसे और कुछ दस्तावेज दिए गए।

पूछताछ में पछवादून क्षेत्र में अन्य चोरी और नकबजनी की घटनाओं में भी संलिप्तता की जानकारी सामने आई है, जिसके संबंध में जांच की जा रही है।

बरामदी: 5000 रुपये नगद, ग्रेट वैल्यू मॉडर्न स्कूल की फीस बुक, स्कूल के तीन फीस कार्ड और घटना में प्रयुक्त डिस्कवर मोटरसाइकिल।

पुलिस टीम: निरीक्षक राजीव रौथाण, व0उ0नि0 शिशुपाल सिंह राणा, उ0नि0 चंद्रशेखर नौटियाल, उ0नि0 सूरज कंडारी, उ0नि0 सनोज कुमार, का0 मनोज भारती, का0 नरेश पंत, का0 नवीन कोहली, का0 नितिन कुमार, का0 पवन बिष्ट और का0 जितेंद्र, एसओजी ग्रामीण।

वरिष्ठ पत्रकार नवीन बिष्ट को मुख्यमंत्री धामी ने किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, अल्मोड़ा। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा के वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार और रंगकर्मी नवीन बिष्ट को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। समारोह में राज्यभर के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले 13 उत्कृष्ट व्यक्तित्वों को सम्मान प्रदान किया गया, जिनमें नवीन बिष्ट भी शामिल रहे।



मूल रूप से सरस्यूं गांव निवासी नवीन बिष्ट लंबे समय से पत्रकारिता के साथ साहित्य, रंगमंच और उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। साहित्य के क्षेत्र में उनकी अब तक आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट के लिए दो महत्वपूर्ण पुस्तकों का कुमाऊंनी भाषा में सफल अनुवाद किया है।

नवीन बिष्ट कुमाऊं की पारंपरिक न्योली गायन शैली को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख कलाकारों में शामिल हैं। वह झोड़ा, छपेली और बैर-भगनौल जैसी लोकगीत परंपराओं के संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं। कुमाऊंनी बैठकी होली के गायक के रूप में उनकी अलग पहचान है। रंगमंच के क्षेत्र में वह कई वर्षों से स्थानीय रामलीला में दशरथ की भूमिका निभाते आ रहे हैं। पत्रकारिता, साहित्य और लोक संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान को मिले इस सम्मान से अल्मोड़ा के साहित्यिक, सांस्कृतिक और कला जगत में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

लंबित मांगों को लेकर संविदा श्रमिकों ने श्रम विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

अनिल थपलियाल



देहरादून। निर्माणाधीन लखवाड़-व्यासी जलविद्युत परियोजना में कार्यरत संविदा श्रमिकों की विभिन्न मांगों पर कार्रवाई न होने से आक्रोशित श्रमिकों ने उत्तराखंड संविदा श्रमिक संघ के बैनर तले अपर श्रम आयुक्त का घेराव किया। श्रमिकों ने अजबपुर स्थित श्रम कार्यालय में तालाबंदी कर जोरदार प्रदर्शन किया। संघ का कहना है कि श्रमिक लंबे समय से श्रम विभाग को ज्ञापन और मांग पत्र देकर समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन औद्योगिक विवाद की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई गई।

श्रमिकों ने टनल में कार्यरत कर्मचारियों को 20 प्रतिशत टनल भत्ता देने, पूर्व से कार्यरत श्रमिकों को भी इसका लाभ देने, समय पर वेतन और वेतन पर्ची उपलब्ध कराने तथा वार्षिक, स्थानीय और राष्ट्रीय अवकाश देने की मांग की। इसके अलावा निर्धारित ओवरटाइम का भुगतान, परियोजना, धूल, रात्रि और शीतकालीन भत्ता, साप्ताहिक अवकाश, परिवहन सुविधा, आवास भत्ता और कार्यस्थल पर शौचालय सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई।

संघ ने बिना पूर्व सूचना हटाए गए श्रमिकों को वापस काम पर रखने, पूर्व की 49 दिन की हड़ताल का भुगतान कराने तथा दिवंगत कर्मचारी के परिवार को आश्वासन के अनुसार रोजगार और लंबित लाभ देने की मांग भी की। सहायक श्रम आयुक्त के माध्यम से औद्योगिक विवाद की तारीख तय किए जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। संघ ने चेतावनी दी कि मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को व्यापक किया जाएगा।

वन्यजीव संरक्षण में जनभागीदारी जरूरी : डॉ. धनंजय मोहन

वन्यजीव संरक्षण की चुनौतियों पर डॉ. धनंजय मोहन ने दिया व्याख्यान

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। वाइल्डलाइफ प्रिजर्वेशन सोसाइटी की ओर से गुरुवार को दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में वन्यजीव फोटोग्राफी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर भारतीय वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. धनंजय मोहन ने 'भारत में वन्यजीव संरक्षण : अतीत से वर्तमान तक और मौजूदा चुनौतियां' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में वन्यजीव विशेषज्ञों, फोटोग्राफरों, प्रकृति प्रेमियों, पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिकों और पुस्तकालय के पाठकों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में सोसाइटी के सदस्यों द्वारा खींचे गए वन्यजीवों, प्राकृतिक परिवेश और जैव विविधता से जुड़े आकर्षक छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इनके माध्यम से विभिन्न प्रजातियों के प्राकृतिक व्यवहार, आवास और प्रकृति के साथ उनके संबंधों को समझने का अवसर मिल रहा है। डॉ. मोहन ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल प्रजातियों को बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राकृतिक आवास, पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता की रक्षा भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने स्थानीय समुदायों की भागीदारी, वैज्ञानिक अध्ययन और प्रभावी प्रबंधन को जरूरी बताया। प्रश्नोत्तर सत्र में मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व, जैव विविधता और संरक्षण से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। प्रदर्शनी सात अक्टूबर तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी और प्रवेश निश्शुल्क है।



रामपुर तिराहा कांडः ऐसा काला दिन जिसे यादकर आज भी सहम जाते हैं लोग

अनिल थपलियाल

देहरादून। रामपुर तिराहा कांड को लेकर राजनीतिक तौर पर आज भी पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप लगाती रही हैं। दो अक्टूबर 1994 का दिन उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के लिए काला अध्याय साबित हुआ था। मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहे पर एक अक्टूबर की रात और दो अक्टूबर को जो कुछ हुआ, उसके घाव आज भी लोगों को सन्न कर देते हैं। दमन और अमानवीयता के बीच बीती वह रात और अगला दिन इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गए। यह वह दौर था, जब आंदोलनकारी उत्तर प्रदेश से अलग एक पहाड़ी राज्य की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। उस समय 'बाड़ी-मडुआ खाएंगे, उत्तराखंड बनाएंगे' जैसे नारे पहाड़ों में गूंज रहे थे।

राज्य आंदोलन की आग तेज होती गई। आंदोलन को दिल्ली तक ले जाने के लिए एक



अक्टूबर को पहाड़ी क्षेत्रों से करीब 24 बसों में सवार होकर आंदोलनकारी दिल्ली की ओर रवाना हुए। पहले उन्हें रुड़की के नारसन बॉर्डर पर रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन जत्था आगे बढ़ गया। इसके बाद आंदोलनकारियों को रामपुर तिराहे पर रोकने की तैयारी की गई।

रामपुर तिराहे पर आंदोलनकारियों और पुलिस के बीच कहासुनी के बाद अचानक नारेबाजी और पथराव शुरू हो गया। पथराव में तत्कालीन जिलाधिकारी अनंत कुमार सिंह के घायल होने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया और बड़ी संख्या में आंदोलनकारियों को हिरासत में लिया गया। इसी दौरान पुलिस पर महिलाओं के साथ अभद्रता और दुष्कर्म के गंभीर आरोप भी लगे। इन आरोपों को लेकर बाद के वर्षों में मुकदमे चले और रामपुर तिराहा कांड उत्तराखंड राज्य आंदोलन के सबसे विवादित और दर्दनाक अध्यायों में शामिल हो गया।

फगवाड़ा में फुटओवर ब्रिज निर्माण से शान-ए-पंजाब समेत कई ट्रेनें प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर



फगवाड़ा स्टेशन यार्ड में दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए 12 मीटर चौड़े फुटओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य के चलते पांच से सात अक्टूबर तक कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। इस दौरान नई दिल्ली से अमृतसर जाने वाली 12497 शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस अमृतसर के बजाय लुधियाना तक ही चलेगी। वापसी में 12498 अमृतसर-नई दिल्ली शान-ए-पंजाब अमृतसर के स्थान पर लुधियाना से रवाना होगी।

रेलवे के अनुसार फगवाड़ा जंक्शन यार्ड में निर्माण कार्य के लिए बिजली और यातायात से संबंधित चार ब्लॉक लिए जाएंगे। इसके कारण कई ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। शान-ए-पंजाब के मार्ग में बदलाव से अमृतसर जाने वाले यात्रियों को पांच से सात अक्टूबर के बीच वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी।

इसके अलावा 22429 दिल्ली जंक्शन-पठानकोट एक्सप्रेस को पांच से सात अक्टूबर तक फिरोजपुर मंडल में करीब 40 मिनट रोका जाएगा। 11057 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर एक्सप्रेस को तीन से पांच अक्टूबर तक 40 मिनट रोकने का निर्णय लिया गया है। 14623 वाराणसी-छेहरटा और 12549 दुर्ग-शहीद कैप्टन तुषार महाजन एक्सप्रेस को भी करीब 40 मिनट रोका जाएगा।

22479 नई दिल्ली-लोहियां खास जंक्शन एक्सप्रेस छह और सात अक्टूबर को बदले मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन लुधियाना, फिल्लौर और नकोदर होते हुए लोहियां खास पहुंचेगी। इस दौरान जालंधर सिटी, कपूरथला और सुल्तानपुर लोधी में इसका ठहराव नहीं होगा। यात्रियों को यात्रा से पहले रेलवे की सूचना जांचने की सलाह दी गई है।

वहीं, शान-ए-पंजाब शनिवार को भी अपने निर्धारित समय से करीब 45 मिनट की देरी से दोपहर लगभग 1:40 बजे जालंधर सिटी स्टेशन पहुंची।

पंजाब कांग्रेस में बड़े संगठनात्मक बदलाव की तैयारी तेज

2027 चुनाव से पहले कांग्रेस हाईकमान पंजाब संगठन में नए सिरे से साधेगा संतुलन

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही अंदरूनी खींचतान के बीच संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को बदले जाने की अटकलों के बीच नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा जल्द होने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अगले एक-दो दिन में हाईकमान की ओर से इस संबंध में औपचारिक घोषणा की जा सकती है। पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए प्रमुखता से सामने आया है। हालांकि, अंतिम निर्णय कांग्रेस हाईकमान की आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगा।

प्रदेश संगठन में बदलाव को 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व पंजाब में संगठन को मजबूत करने के साथ विभिन्न नेताओं और गुटों के बीच राजनीतिक एवं क्षेत्रीय संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव के साथ संगठन के अन्य पदों पर भी फेरबदल किए जाने की संभावना है। ऐसे में नई प्रदेश टीम के गठन पर भी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की नजर बनी हुई है।

दरअसल, कांग्रेस हाईकमान ने एक जुलाई को 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए एक समिति का गठन किया था। इसके बाद पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक फैसलों और नेतृत्व को लेकर मतभेद सामने आने लगे। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के साथ सुखजिंदर सिंह रंधावा, परगट सिंह और राणा गुरजीत सिंह समेत कई नेताओं ने संगठन से जुड़े कुछ फैसलों को लेकर अपनी असहमति जताई थी। इसके बाद प्रदेश नेतृत्व में बदलाव की मांग भी चर्चा में रही।

पंजाब कांग्रेस में बढ़ते मतभेद के बीच तत्कालीन प्रभारी भूपेश बघेल को जिम्मेदारी से हटाकर पांच सितंबर को सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस का प्रभारी बनाया गया। जिम्मेदारी संभालने के बाद पायलट ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों और विभिन्न गुटों से जुड़े नेताओं के साथ बैठकें कीं। उन्होंने प्रदेश संगठन की स्थिति और नेताओं के बीच मतभेदों को समझने का प्रयास किया। पार्टी नेतृत्व की ओर से लगातार एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद अंदरूनी खींचतान पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी।

अब प्रदेश अध्यक्ष के संभावित बदलाव को इसी कवायद की अगली कड़ी माना जा रहा है। हाईकमान ऐसे नेतृत्व की तलाश में है, जो पार्टी के अलग-अलग गुटों के बीच समन्वय स्थापित कर सके और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए संगठन को एकजुट होकर काम करने का अवसर दे। नए प्रदेश अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती वरिष्ठ नेताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाने के साथ जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना होगी।

पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला का नाम इस पद के लिए चर्चा में है। सिंगला का नाम सामने आने के बाद प्रदेश कांग्रेस के भीतर राजनीतिक समीकरणों को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, उनके नाम को लेकर अंतिम निर्णय और नई जिम्मेदारी की औपचारिक पुष्टि कांग्रेस हाईकमान की घोषणा के बाद ही होगी।

प्रदेश अध्यक्ष में बदलाव के साथ ही संगठन के अन्य पदों पर भी नई नियुक्तियां होने की संभावना है। कार्यकारी अध्यक्षों से लेकर जिला और अन्य संगठनात्मक जिम्मेदारियों में फेरबदल किया जा सकता है। पार्टी नेतृत्व का प्रयास रहेगा कि नई टीम में विभिन्न क्षेत्रों और सामाजिक समूहों को प्रतिनिधित्व मिले, ताकि संगठन को व्यापक आधार दिया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

फेमिली ट्री स्पा सेंटर पर छापा, पांच युवतियां रेस्क्यू

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। अनैतिक गतिविधियों की सूचना पर थाना सोहाना पुलिस ने सेक्टर-79 स्थित फेमिली ट्री स्पा सेंटर पर छापेमारी की। पुलिस ने मौके से पांच युवतियों को रेस्क्यू किया और सेंटर संचालक संदीप व दीपक को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ इमोरल ट्रैफिक (प्रिवेंशन) एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई के बाद पुलिस ने स्पा सेंटर को सील कर दिया। पुलिस के अनुसार, युवतियों को रोजगार और अच्छी कमाई का झांसा देकर दूसरे राज्यों से मोहाली लाया गया था। रेस्क्यू की गई युवतियों को उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच करते हुए अन्य लोगों की भूमिका का भी पता लगा रही है।

मनीमाजरा के विक्रम ढाबे पर छापा, गंदगी मिलने पर चालान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। मनीमाजरा के गोबिंदपुरा क्षेत्र में वीरवार को स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा विंग ने विक्रम ढाबे पर छापेमारी की। जांच के दौरान ढाबे में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिलने पर संचालक का चालान काटा गया। इसके साथ ही विभाग ने ढाबे को सील कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। खाद्य सुरक्षा विंग ने ढाबे को सील कराने के लिए पुलिस से आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। इस संबंध में पुलिस को पत्र भेजा गया है। इसके अलावा मजिस्ट्रेट, स्वास्थ्य सचिव और स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक को भी पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी गई है और ढाबे को सील करने की कार्रवाई के लिए अनुरोध किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि खाद्य पदार्थों से जुड़े प्रतिष्ठानों में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान नियमों की अनदेखी मिलने पर संबंधित संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा।

108 एंबुलेंस कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर खोला मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब में 108 एंबुलेंस सेवा से जुड़े कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर वीरवार को मोर्चा खोल दिया। कर्मचारियों ने लुधियाना में डिप्टी कमिश्नर को मांगपत्र सौंपकर राज्य सरकार से समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से कम वेतन पर काम कर रहे हैं और महंगाई के दौर में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री, मुख्यमंत्री और अधिकारियों के समक्ष कई बार मांगें रखने के बावजूद समाधान नहीं हुआ। कर्मचारियों ने पांच प्रमुख मांगें रखीं। इनमें पीएचएसी के उच्च अधिकारियों द्वारा तैयार मसौदा लागू करना, सभी कर्मचारियों का 50 लाख रुपये का बीमा, जनवरी 2023 का बकाया वेतन जारी करना, निजी कंपनी की व्यवस्था खत्म कर कर्मचारियों को सीधे सरकार के अधीन करना और वेतन संबंधी समस्याओं का समाधान शामिल है।

लुधियाना में चर्चा में आया सट्टेबाजी नेटवर्क से जुड़ा युवक

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। महानगर में कथित सट्टेबाजी के अवैध कारोबार से जुड़ा एक मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार अंग्रेजी के 'एस' अक्षर से शुरू होने वाले नाम का एक युवक पहले हौजरी का कारोबार करता था, लेकिन बाद में क्रिकेट सट्टेबाजी के धंधे में शामिल हो गया। आरोप है कि उसने सट्टेबाजी के लिए नेटवर्क तैयार किया और फोन व अन्य माध्यमों से गतिविधियां संचालित कर रहा है। बताया जा रहा है कि युवक ने इस कारोबार से बड़ी संपत्ति और महंगी गाड़ियां खरीदी हैं। हैबोवाल कलां क्षेत्र में उसकी आलीशान कोठी और कई वाहन होने की बात कही गई है। हाल ही में नई थार रॉक्स खरीदने की भी चर्चा है। सूत्रों के अनुसार, सीआईए की ओर से पहले भी सट्टेबाजी से जुड़े मामले में उसके खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इसके अलावा थाना टिब्बा में हाल में धोखाधड़ी का मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस से जुड़े अधिकारियों ने इन आरोपों की पुष्टि नहीं की है। कथित तौर पर पुलिस से सांठगांठ के आरोप भी लगाए जा रहे हैं, जिसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

बहरीन महिला मामले में आप ने अकाली दल से मांगा पूरे घटनाक्रम का जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



बहरीन की एक महिला से जुड़े विवाद को लेकर आम आदमी पार्टी ने शिरोमणि अकाली दल और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पर सवाल उठाए हैं। आप के पंजाब महासचिव एवं मीडिया प्रभारी बलतेज सिंह पन्नू ने आरोप लगाया कि महिला के श्री आनंदपुर साहिब स्थित एसजीपीसी की सराय में लंबे समय तक ठहरने के दौरान समिति के संसाधनों का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने सुखबीर सिंह बादल समेत अकाली दल के वरिष्ठ नेताओं से पूरे मामले पर जवाब देने की मांग की।

पन्नू ने दावा किया कि 23 जुलाई 2026 को एसजीपीसी सचिव के नाम से जुड़े पंजाब नेशनल बैंक के खाते से बहरीन की महिला के खाते में एक लाख रुपये स्थानांतरित किए गए। उन्होंने सवाल किया कि यह राशि किस उद्देश्य से दी गई, भुगतान को किसने मंजूरी दी और इसे किस मद में दर्ज किया गया। उन्होंने महिला के रहने, भोजन, यात्रा, वाहन, चालक और अन्य सुविधाओं पर हुए खर्च का भी पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की।

आप नेता ने सवाल उठाया कि महिला को बहरीन से पंजाब कौन लेकर आया, श्री आनंदपुर साहिब की सराय में उसके ठहरने की व्यवस्था किसने की और एसजीपीसी के संसाधनों का इस्तेमाल किसके निर्देश पर हुआ। उन्होंने कहा कि मामले से जुड़े दस्तावेज और रिकॉर्ड जांच एजेंसियों को उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

पन्नू ने एसजीपीसी से सराय के रजिस्टर सहित संबंधित दस्तावेज पुलिस को सौंपने की मांग की। उनका कहना है कि महिला की बातचीत, ठहरने और उसे उपलब्ध कराई गई सुविधाओं से जुड़े रिकॉर्ड जांच में महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

यह मामला उस समय सामने आया जब बहरीन की महिला ने पूर्व अकाली नेता एवं एसजीपीसी सदस्य अमरजीत सिंह चावला पर दुष्कर्म और गलत तरीके से बंधक बनाने के आरोप लगाए। मामले में 21 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। आरोपों की जांच पुलिस कर रही है।

सिंगला का दिल्ली दौरे से इनकार, बोले- संगरूर में पहले से तय हैं कई कार्यक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर



पंजाब कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय इंदर सिंगला ने दिल्ली जाने की अटकलों को खारिज कर दिया है। सिंगला ने कहा कि उनके संगरूर के गांवों में पहले से कार्यक्रम तय हैं और वह फिलहाल उन्हीं में व्यस्त हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली जाने का कोई कार्यक्रम तय नहीं है।

सिंगला ने दिल्ली जाने से जुड़े सवाल पर कहा कि वह दिल्ली तभी जाते हैं, जब वहां कोई काम हो या पार्टी हाईकमान की ओर से बुलावा आए। फिलहाल ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव की चर्चाएं तेज हैं और सिंगला का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवारों में प्रमुखता से लिया जा रहा है।

पंजाब कांग्रेस में पिछले कुछ समय से अलग-अलग नेताओं और गुटों के बीच मतभेद की खबरें सामने आती रही हैं। पार्टी हाईकमान ने सितंबर में सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस का प्रभारी बनाया था। इसके बाद पायलट ने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और संगठन से जुड़े पदाधिकारियों से बातचीत कर संगठन की स्थिति का जायजा लिया।

इसी बीच अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफे की पेशकश की खबर सामने आई। रिपोर्टों के अनुसार, हाईकमान की ओर से नेतृत्व परिवर्तन का निर्णय लिए जाने के बाद वड़िंग ने इस्तीफा दिया है। नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा अभी पार्टी की ओर से किए जाने की प्रतीक्षा है।

विजय इंदर सिंगला का नाम नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए चर्चा में सबसे प्रमुख नामों में शामिल है। उनके अलावा परगट सिंह, सुखजिंदर सिंह रंधावा, राणा केपी सिंह और सुखबिंदर सिंह सरकारिया सहित कई वरिष्ठ नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं। सिंगला वर्तमान में कांग्रेस की चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। जुलाई में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई थी।

नशे पर प्रहार के बाद अब युवाओं को नई जिंदगी देने की तैयारी तेज

नशा विरोधी अभियान के दूसरे चरण में युवाओं के उपचार और पुनर्वास पर रहेगा विशेष जोर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



चंडीगढ़ में 11 से 30 सितंबर तक चलाए गए नशा विरोधी अभियान का पहला चरण पूरा हो गया है। इस दौरान पुलिस ने 163 प्राथमिकी दर्ज कर 698 लोगों को गिरफ्तार अथवा हिरासत में लिया। अब अभियान का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। इसमें नशे की तस्करी पर कार्रवाई के साथ नशे की गिरफ्त में आए युवाओं की पहचान कर उन्हें उपचार और पुनर्वास से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने पुलिस और प्रशासन को इस दिशा में विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासक की ओर से जारी निर्देशों के बाद पुलिस और प्रशासन दूसरे चरण की रणनीति तैयार करने में जुट गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, अब अभियान केवल नशा बेचने वालों की धरपकड़ तक सीमित नहीं रहेगा। नशे की लत से प्रभावित युवाओं की पहचान कर उन्हें मुख्यधारा में वापस लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए शहर में उपचार और पुनर्वास से जुड़े उपलब्ध संसाधनों का आकलन किया जाएगा। आवश्यकता के अनुसार नए केंद्रों और अन्य सुविधाओं की जरूरत भी चिह्नित की जाएगी।

परिवारों से बच्चों की जानकारी साझा करने की अपील : पुलिस ने परिवारों से अपील की है कि यदि उनका कोई बच्चा नशे की समस्या से जूझ रहा है तो उसकी जानकारी छिपाने के बजाय प्रशासन और पुलिस के साथ साझा करें। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे युवाओं को अपराधी के रूप में देखने के बजाय उपचार और सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। परिवारों को विश्वास में लेकर युवाओं को उपचार और पुनर्वास की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

पंजाब और हरियाणा के साथ संयुक्त कार्रवाई : अभियान के दौरान यह भी सामने आया कि चंडीगढ़ से सटे पंजाब और हरियाणा के इलाकों में सक्रिय नशा तस्कर शहर में आपूर्ति पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। इसे देखते हुए दोनों पड़ोसी राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक और हरियाणा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त कार्रवाई की रणनीति तैयार की जाएगी। इसका उद्देश्य नशे की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क को चंडीगढ़ तक पहुंचने से रोकना है।

शिक्षण संस्थानों को भी अभियान से जोड़ा जाएगा : अभियान के अगले चरण में महाविद्यालयों, छात्रावासों और विश्वविद्यालयों को भी शामिल किया जाएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शिक्षण संस्थानों में छात्रों की धरपकड़ करना अभियान का उद्देश्य नहीं है।

सिप्पी हत्याकांड में मां ने कल्याणी पर लगाए हत्या के आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। 11 साल पुराने चर्चित सिप्पी सिद्धू हत्याकांड में बुधवार को सीबीआई अदालत में सिप्पी की मां दीपिंदर कौर की गवाही हुई। गवाही के दौरान वह भावुक हो गईं और रोते हुए उन्होंने आरोपी कल्याणी सिंह पर अपने बेटे की हत्या करवाने का आरोप लगाया। दीपिंदर कौर ने अदालत में सीबीआई को दिए अपने पुराने बयानों की पुष्टि की। अब आरोपी पक्ष के अधिवक्ता उनका जिरह करेंगे।

दीपिंदर कौर ने बताया कि 20 सितंबर 2015 की शाम करीब साढ़े सात बजे सिप्पी घर से यह कहकर निकला था कि कल्याणी का फोन आया है और वह उसे सेक्टर-27 स्थित पार्क में मिलने के लिए बुला रही है। इसके बाद सिप्पी देर रात तक घर नहीं लौटा। उन्होंने जब उसके मोबाइल पर फोन किया तो एक महिला पुलिसकर्मी ने फोन उठाकर बताया कि सिप्पी की हत्या हो गई है।

गवाही में दीपिंदर कौर ने कहा कि कल्याणी का परिवार सिप्पी और कल्याणी की शादी करवाना चाहता था, लेकिन उनके परिवार ने यह रिश्ता स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सिप्पी की किसी अन्य महिला मित्र से बातचीत कल्याणी को पसंद नहीं थी और सिप्पी उससे शादी करने के लिए तैयार नहीं था। इसी वजह से बदले की भावना में कल्याणी ने शूटर के माध्यम से सिप्पी की हत्या करवाई।



◆सिप्पी की मां ने अदालत में गवाही देकर कल्याणी पर हत्या करवाने का आरोप लगाया

20 सितंबर 2015 को सेक्टर-27 पार्क में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता और राष्ट्रीय स्तर के निशानेबाज सुखमनप्रीत सिंह उर्फ सिप्पी सिद्धू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

मुख्यमंत्री मान की जापान यात्रा को केंद्र ने नहीं दी मंजूरी

हॉकी टीम का हौसला बढ़ाने जापान जाना चाहते थे मान, सुरक्षा कारणों से नहीं मिली अनुमति

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की एशियन गेम्स के दौरान जापान यात्रा को केंद्र सरकार से राजनीतिक मंजूरी नहीं मिली। मान भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुकाबले देखने और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए आइची-नागोया जाना चाहते थे। केंद्र की ओर से अनुमति नहीं देने के पीछे सुरक्षा संबंधी कारण बताए गए हैं। राज्य सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में मुख्यमंत्री जैसे उच्च सुरक्षा वाले व्यक्ति की सुरक्षा व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण बताया गया।

एशियन हॉकी फेडरेशन ने मान और पंजाब सरकार के प्रतिनिधिमंडल को एशियन गेम्स में हॉकी प्रतियोगिता के अंतिम चरण के मुकाबले देखने के लिए आमंत्रित किया था। निमंत्रण में 30 सितंबर और एक अक्टूबर के सेमीफाइनल तथा दो और तीन अक्टूबर को होने वाले खिताबी मुकाबले शामिल थे। पंजाब सरकार ने प्रस्तावित यात्रा के लिए केंद्र से राजनीतिक मंजूरी मांगी थी। शुरुआत में राज्य सरकार अनुमति का इंतजार कर रही थी, लेकिन बाद में केंद्र की ओर से यात्रा को मंजूरी नहीं दी गई।

मान भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाने के अलावा पंजाब में होने वाले पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के सिलसिले में भी जापान यात्रा करना चाहते थे। पंजाब में यह प्रतियोगिता जालंधर और मोहाली में प्रस्तावित है। एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के 20 सदस्यीय दल में पंजाब के आठ खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में राज्य सरकार के लिए भारतीय टीम के प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन की व्यवस्थाओं को देखना भी यात्रा से जुड़े उद्देश्यों में शामिल था।

सुरक्षा कारणों का दिया गया हवाला : केंद्र की ओर से यात्रा की मंजूरी नहीं मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा तेज हो गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार को बताया गया कि बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण होगा। एशियन गेम्स में बड़ी संख्या में खिलाड़ी, अधिकारी और दर्शक मौजूद हैं, ऐसे में किसी उच्च सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति के लिए अलग से सुरक्षा व्यवस्था करना अतिरिक्त चुनौती माना गया।

हालांकि, यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी चर्चा में आ गया है। पंजाब सरकार और केंद्र के बीच पहले भी मुख्यमंत्री की विदेश यात्राओं को लेकर राजनीतिक मंजूरी का मुद्दा सामने आ चुका है। इस कारण जापान यात्रा को लेकर भी पंजाब की राजनीति में चर्चा शुरू हो गई है। केंद्र की ओर से यात्रा रोकने का आधिकारिक कारण सुरक्षा से जुड़ा बताया गया है।

2024 में पेरिस यात्रा भी नहीं मिली थी मंजूरी : भगवंत मान की प्रस्तावित जापान यात्रा पहली ऐसी यात्रा नहीं है, जिसे केंद्र से राजनीतिक मंजूरी नहीं मिली। इससे पहले अगस्त 2024 में पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय पुरुष हॉकी टीम का क्वार्टर फाइनल मुकाबला देखने के लिए भी मान ने फ्रांस जाने की अनुमति मांगी थी। उनकी प्रस्तावित यात्रा तीन से नौ अगस्त 2024 तक की थी। केंद्र ने उस समय भी राजनीतिक मंजूरी नहीं दी थी।

2024 में केंद्र की ओर से सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों का हवाला दिया गया था। उस समय सरकारी सूत्रों ने बताया था कि मान जेड-प्लस सुरक्षा प्राप्त हैं और कम समय में विदेश में उनके लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करना मुश्किल था। मान ने इसके बाद भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह से फोन पर बातचीत कर टीम का उत्साह बढ़ाया था।

अब जापान यात्रा का कार्यक्रम रद्द : जापान यात्रा की राजनीतिक मंजूरी नहीं मिलने के बाद मान का एशियन गेम्स में हॉकी मुकाबले देखने का कार्यक्रम रद्द हो गया है। इस यात्रा के जरिए पंजाब सरकार की ओर से आगामी अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की तैयारियों को देखने की योजना भी थी।

पठानकोट-गुरदासपुर में अवैध खनन पर हाईकोर्ट सख्त, कार्रवाई के दिए निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पठानकोट और गुरदासपुर जिलों में कथित अवैध खनन के मामलों को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। मुख्य न्यायाधीश अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने पंजाब सरकार को सर्वे ऑफ इंडिया की तीन जुलाई 2026 की रिपोर्ट की जांच कर जिम्मेदार लोगों और अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट में दोनों जिलों में करीब 233 स्थानों पर कथित अवैध खनन गतिविधियों की पहचान की गई है।

अदालत ने राज्य सरकार को कार्रवाई के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। साथ ही अगली सुनवाई 16 नवंबर तक की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी हलफनामे के माध्यम से प्रस्तुत करने को कहा है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपने पर विचार किया जा सकता है। अदालत ने संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय किए जाने की भी चेतावनी दी है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पंजाब के निदेशक, खनन की ओर से पिछली सुनवाई के आदेश के बावजूद हलफनामा दाखिल नहीं किए जाने पर भी नाराजगी जताई। खंडपीठ ने उन्हें 48 घंटे के भीतर हलफनामा दाखिल करने और उसकी अग्रिम प्रति याचिकाकर्ताओं के वकीलों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

यह मामला पठानकोट और गुरदासपुर में कथित अवैध खनन से जुड़ी कई याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि नदी क्षेत्रों में निर्धारित सीमा से अधिक खनन की गतिविधियां जारी रहने के आरोप हैं। पहले की सुनवाई में अदालत ने सीमा सुरक्षा बल को भी मामले में पक्षकार बनाने की अनुमति दी थी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी दावा किया गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में खनन के कारण गहरे गड्ढे और खाइयां बन रही हैं। अदालत ने रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों को गंभीर मानते हुए राज्य सरकार को तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। अब 16 नवंबर को होने वाली सुनवाई में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का ब्यौरा अदालत के समक्ष रखा जाएगा।

15 करोड़ से संवरेगा माता वैष्णो देवी का पारंपरिक तीर्थ मार्ग

परियोजना के तहत तीर्थ मार्ग की विरासत संरक्षित करने के साथ बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाएगा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने पारंपरिक श्री माता वैष्णो देवी तीर्थ मार्ग के जीर्णोद्धार के लिए प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना पर अनुमानित 15 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सरकार का उद्देश्य पारंपरिक तीर्थ मार्ग की विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ वहां बुनियादी ढांचे में आवश्यक सुधार करना है।



मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि श्री माता वैष्णो देवी तीर्थ मार्ग श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक मार्ग है। इसके जीर्णोद्धार की परियोजना को मंजूरी मिलने से मार्ग के संरक्षण और सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने 15 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है। परियोजना के तहत पारंपरिक तीर्थ मार्ग की विरासत को संरक्षित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इसके साथ ही मार्ग के बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाएगा। सरकार का कहना है कि विरासत संरक्षण और आधारभूत सुविधाओं में सुधार को साथ लेकर चलने से तीर्थ मार्ग की पहचान भी बनी रहेगी और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं भी मिल सकेंगी। श्री माता वैष्णो देवी तीर्थ मार्ग पर देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु यात्रा के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मार्ग का व्यवस्थित और सुविधाजनक होना तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। जीर्णोद्धार परियोजना का उद्देश्य यात्रा को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाना है। सरकार के अनुसार, परियोजना पूरी होने के बाद श्रद्धालुओं को तीर्थयात्रा के दौरान बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना में मार्ग की विरासत को सुरक्षित रखने के साथ उसके बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। इससे पारंपरिक स्वरूप को बनाए रखते हुए आवश्यक सुधार किए जा सकेंगे।

सरकार की ओर से दी गई प्रशासनिक मंजूरी के बाद अब परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। 15 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना तीर्थ मार्ग के संरक्षण और विकास से जुड़ी है। इसके माध्यम से मार्ग की मौजूदा स्थिति में सुधार करने के साथ श्रद्धालुओं की यात्रा को सुविधाजनक बनाने पर जोर रहेगा। सरकार का कहना है कि तीर्थ मार्ग के विकास में विरासत संरक्षण को भी समान महत्व दिया जाएगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस परियोजना के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का प्रयास धार्मिक और पारंपरिक महत्व वाले मार्गों के संरक्षण के साथ वहां आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाना है। श्री माता वैष्णो देवी तीर्थ मार्ग के जीर्णोद्धार की मंजूरी इसी दिशा में उठाया गया कदम है। परियोजना के पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं को सुगम और सुविधाजनक तीर्थयात्रा उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है।

साथ ही, पारंपरिक मार्ग की विरासत भी संरक्षित रहेगी। सरकार द्वारा प्रशासनिक मंजूरी दिए जाने के साथ अब 15 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के कार्यान्वयन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। परियोजना के पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही, पारंपरिक तीर्थ मार्ग की ऐतिहासिक पहचान और विरासत को संरक्षित रखते हुए आवश्यक विकास कार्य किए जा सकेंगे।

जम्मू-कश्मीर में 2032 तक 1.40 लाख इलेक्ट्रिक वाहन सड़कों पर उतारने का लक्ष्य



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2026 से 2032 तक की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति अधिसूचित की है। इसके तहत वर्ष 2032 तक प्रदेश की सड़कों पर 1.40 लाख इलेक्ट्रिक वाहन उतारने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने इसके लिए चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने, इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को प्रोत्साहित करने और पुराने वाहनों को हटाने समेत कई स्तरों पर योजना तैयार की है।

नई नीति के तहत जम्मू-कश्मीर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए व्यापक चार्जिंग ढांचा तैयार किया जाएगा। इसके अंतर्गत 900 चार्जिंग साइट और 140 फास्ट चार्जिंग हब विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार से इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। सरकार की ओर से इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को आसान बनाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का भी प्रावधान किया गया है। नीति के तहत ईवी खरीद पर 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी देने की व्यवस्था की गई है।

इससे इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले लोगों को वित्तीय राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने के साथ इनके इस्तेमाल को सुविधाजनक बनाना है। जम्मू-कश्मीर जैसे ठंडे और बर्फीले क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रोटोकॉल भी तैयार किया गया है। बर्फीले मौसम में ईवी के प्रदर्शन की जांच की जाएगी।

इसके लिए मौसम और सड़क की परिस्थितियों के अनुरूप वाहनों के प्रदर्शन का आकलन करने की व्यवस्था नीति में शामिल की गई है। सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के साथ पुराने वाहनों को हटाने पर भी जोर दिया है। नई नीति के तहत पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने और उनके स्थान पर नए वाहनों को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

श्रीनगर में सीआरपीएफ जवान बेहोश मिला, अस्पताल में मौत

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर शहर के लाल बाजार इलाके में गुरुवार को सीआरपीएफ का एक जवान बेहोश हालत में मिला। बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ जवान लाल बाजार में मिल स्टॉप के पास अचानक गिरकर बेहोश हो गया था। आसपास मौजूद लोगों और संबंधित कर्मियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद जवान को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों ने इसका संज्ञान लिया है। जवान की मौत के सही कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों की ओर से मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक जांच की जा रही है। फिलहाल घटना को लेकर अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। मामले में जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

आपने भारत की आत्मा और नई पीढ़ी के लिए दौड़ लगाई है: एलजी सिन्हा

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि 'रन फॉर यूनिटी' में शामिल छह हजार से अधिक लोगों ने सिर्फ मैराथन में हिस्सा नहीं लिया, बल्कि शांतिपूर्ण, एकजुट और प्रगतिशील जम्मू-कश्मीर के लिए दौड़ लगाई। श्रीनगर में डल झील के पास पुलिस गोल्फ कोर्स में आयोजित मैराथन के समापन समारोह में उन्होंने प्रतिभागियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस को बधाई दी। सिन्हा ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा देखकर वह बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि 'रन फॉर यूनिटी' केवल धावकों की रफ्तार नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने एकता को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि भारत की विविधता उसकी पहचान और शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से बड़ी चुनौतियों को भी पार किया जा सकता है।

लेफ्टिनेंट जनरल मोहित सेठ ने व्हाइट नाइट कोर की संभाली कमान

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। लेफ्टिनेंट जनरल मोहित सेठ एसएम, वीएसएम ने गुरुवार को लेफ्टिनेंट जनरल पीके मिश्रा यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम से व्हाइट नाइट कोर की कमान संभाली। कमान संभालने के बाद नए कोर कमांडर ने सभी रैंकों से परिचालन तत्परता, पेशेवर उत्कृष्टता और टीम भावना के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भी सभी से मिलकर कार्य करने का आग्रह किया। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज के लिए तैयार, कल के लिए तत्पर। हम सेवा करते हैं, हम रक्षा करते हैं।' व्हाइट नाइट कोर को 16 कोर के नाम से भी जाना जाता है। यह जम्मू क्षेत्र में नियंत्रण रेखा और भीतरी इलाकों सहित परिचालन क्षेत्र की देखरेख करता है।

कुपवाड़ा में पानी के टब में गिरने से 2 साल के बच्चे की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कुपवाड़ा। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके के कलामाबाद में गुरुवार को पानी के टब में गिरने से दो वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, कलामाबाद निवासी शफात अहमद रेशी का बेटा शाहनवाज शफात घर पर पानी के टब में गलती से गिर गया था। हादसे के बाद उसे एनटीपीएचसी कलामाबाद ले जाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा था। हालत में सुधार नहीं होने पर उसे श्रीनगर के एक अस्पताल में ले जाया गया। वहां गुरुवार को बच्चे ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है। अधिकारियों के अनुसार, घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। पुलिस घटना की परिस्थितियों और हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

जम्मू में छोटे जानवरों के लिए जल्द खुलेगा पहला श्मशान घाट



कोट बलवाल में सुविधा, पालतू और आवारा जानवरों का होगा अंतिम संस्कार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) कोट बलवाल में शहर का पहला छोटे जानवरों का श्मशान घाट शुरू करने जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, यह सुविधा करीब एक महीने के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। इससे पालतू जानवरों के मालिकों और पशु प्रेमियों को अपने पालतू, आवारा और अन्य छोटे जानवरों को सम्मानजनक अंतिम विदाई देने की सुविधा मिलेगी।

नगर निगम की पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या शर्मा ने बताया कि लोगों और पालतू जानवरों के मालिकों की ओर से लंबे समय से ऐसी सुविधा की मांग की जा रही थी। इसी को देखते हुए कोट बलवाल में श्मशान घाट तैयार किया गया है। यहां अधिकतम 100 किलोग्राम वजन तक के जानवरों का अंतिम संस्कार किया जा सकेगा।

अधिकारी के अनुसार, सुविधा शुरू होने के बाद लोग नगर निगम की वेबसाइट, 'माई जम्मू' ऐप और निर्धारित फोन नंबरों के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह सेवा केवल पालतू जानवरों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि आवारा जानवरों के अंतिम संस्कार के लिए भी उपलब्ध रहेगी।

पालतू जानवरों के मालिकों ने इस पहल का स्वागत किया है। विनीत शर्मा ने बताया कि जम्मू में पालतू जानवरों को परिवार के सदस्य की तरह रखा जाता है, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार के लिए उचित स्थान उपलब्ध नहीं होने से परेशानी होती है। कई लोगों को निजी भूमि या दूरदराज के स्थानों का सहारा लेना पड़ता है।

श्रीनगर में नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, आठ आरोपी गिरफ्तार



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस ने डाउनटाउन इलाके में सक्रिय कथित संगठित नशीले पदार्थों के नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में नशीले पदार्थ, एक पिस्तौल, 85.76 लाख रुपये नकद और करीब 1.05 करोड़ रुपये मूल्य का सोना व आभूषण बरामद किए गए हैं। मामले की जांच अब पंजाब और चंडीगढ़ तक पहुंच गई है।

एसएसपी श्रीनगर डॉ. जीवी संदीप चक्रवर्ती ने बताया कि कार्रवाई एक संगठित नशीले पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला की जांच के दौरान की गई। मामला सफाकदल थाने में एफआईआर संख्या 135/2026 के तहत दर्ज है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने मोहम्मद वसीम जरगर, हारिस हमीद मल्ला, आकिब सलीम डार, इनाम अहमद जरगर, साहिब अहमद गनई, अंसार हुसैन भट, पीर शकूर और हारून पंडित को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान 3.830 किलोग्राम कोडीन, करीब 40 ग्राम हेरोइन, ट्रामाडोल की 414 गोलियां व कैप्सूल, टैपेंटाडोल की करीब 2.18 लाख गोलियां और प्रेगाबालिन के 1,200 कैप्सूल बरामद हुए।

पुलिस ने 108 सोने के सिक्के और करीब 17 ग्राम सोना व आभूषण भी जब्त किए हैं। इसके अलावा नेटवर्क से जुड़े बैंक खातों में जमा करीब 1.07 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज की गई है। एक मकान और दो वाहनों को भी कुर्क किया गया है।

एसएसपी के अनुसार, जांच के सिलसिले में पुलिस की टीमें पंजाब और चंडीगढ़ पहुंची हैं। पंजाब पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का भी सहयोग लिया जा रहा है। मामले में तीन आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पारंपरिक पाठ्यक्रमों से घटा छात्रों का रुझान, रोजगार आंकड़ों का अभाव

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की कवायद के बीच पारंपरिक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की घटती संख्या चिंता का विषय बनी हुई है। इसके साथ ही इन पाठ्यक्रमों से स्नातक करने वाले विद्यार्थियों के रोजगार परिणामों का कोई समेकित और नियमित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार सरकारी डिग्री कालेजों, विश्वविद्यालयों और क्लस्टर विश्वविद्यालयों से निकलने वाले विद्यार्थियों की रोजगार दर, रोजगार क्षेत्र और औसत वेतन का व्यापक डेटाबेस फिलहाल मौजूद नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2023-24 में दर्ज 23,655 स्नातकों की संख्या 2025-26 में घटकर 18,312 रह गई, यानी करीब 22.6 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। कई कालेजों में कुछ पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या शून्य तक पहुंचने के बाद उन्हें अगले आदेश तक रोक दिया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जम्मू जिले में स्नातकों की संख्या 5,930 से घटकर 3,906 और श्रीनगर में 4,190 से घटकर 3,352 रह गई। बारामुला में यह संख्या 2,188 से घटकर 1,553 और उधमपुर में 1,716 से घटकर 895 हो गई। हालांकि कठुआ और रामबन में विद्यार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाठ्यक्रमों की उपयोगिता का आकलन स्थानीय स्तर पर विद्यार्थियों की प्राथमिकता, उपलब्ध शैक्षणिक संस्थानों और रोजगार बाजार की मांग के आधार पर किया जाना चाहिए।

कैग रिपोर्ट में मनरेगा की धीमी प्रगति, 74 प्रतिशत कार्य अधूरे



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत रोजगार मांगने वाले 93 प्रतिशत परिवारों को काम तो मिला, लेकिन केवल दो प्रतिशत परिवार ही 100 दिनों के रोजगार की गारंटी तक पहुंच सके। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की अनुपालन लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में योजना के क्रियान्वयन में कई कमियां सामने आई हैं। कृषि एवं सहकारिता मंत्री जावेद अहमद डार ने बुधवार को रिपोर्ट सदन में रखी।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच जम्मू-कश्मीर में 37.82 लाख जाब कार्डधारी परिवारों ने रोजगार की मांग की। इनमें 34.99 लाख परिवारों को रोजगार मिला, लेकिन केवल 77,512 परिवार ही 100 दिन का रोजगार हासिल कर सके। कैग ने इसके लिए स्थानीय स्तर पर श्रम मांग का पर्याप्त आकलन न होने और योजना निर्माण में कमियों की ओर संकेत किया है।

मार्च 2024 तक मनरेगा से संबंधित 704.39 करोड़ रुपये की देनदारियां लंबित थीं। इनमें अकुशल मजदूरी के 49.19 करोड़, कुशल एवं अर्द्धकुशल मजदूरी तथा सामग्री के 646.92 करोड़ और प्रशासनिक खर्च के 8.28 करोड़ रुपये शामिल थे। कुछ भुगतान एक से पांच वर्ष तक लंबित रहे।

रिपोर्ट में कार्यों की धीमी प्रगति पर भी चिंता जताई गई है। 2019-20 से 2023-24 के बीच क्रियान्वयन के लिए लिए गए 20.16 लाख कार्यों में से केवल 5.34 लाख, यानी करीब 26 प्रतिशत, पूरे हो सके। वहीं 14.82 लाख कार्य अधूरे रहे। इन अधूरे कार्यों पर 1,897.10 करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। कैग ने मानव संसाधन, आधार आधारित भुगतान, सामाजिक अंकेक्षण और निगरानी व्यवस्था में भी कमियां बताई हैं। रिपोर्ट में घर-घर रोजगार मांग सर्वेक्षण, समय पर मजदूरी भुगतान, नियमित निरीक्षण, सामाजिक अंकेक्षण को प्रभावी बनाने और अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने की सिफारिश की गई है।

शोपियां में 4.42 करोड़ का नुकसान, 238 किलो संदिग्ध दवा जब्त

कश्मीर में समय से पहले गिरे सेब संदिग्ध फफूंदनाशी के बैच की जांच तेज



61 बागानों में फल गिरने से बढ़ी चिंता, जांच में कई विसंगतियां

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर के सेब उत्पादकों के लिए इस वर्ष समय से पहले फल गिरने की घटना चिंता का कारण बनी हुई है। शोपियां के जैनापोरा सहित जिले के कई क्षेत्रों और अनंतनाग के कुछ हिस्सों में सेब के बड़े पैमाने पर गिरने के मामले सामने आने के बाद सरकार ने जांच तेज कर दी है। कृषि मंत्री जावेद अहमद डार ने विधानसभा में विधायक शौकत हुसैन गनई के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में बताया कि मामले की वैज्ञानिक, नियामकीय और पुलिस स्तर पर जांच की जा रही है। जांच के दौरान 'सुपर एम-45' नामक फफूंदनाशी के एसपी-1902 बैच को लेकर सवाल उठे हैं। कृषि विभाग की कानून प्रवर्तन शाखा ने शोपियां में इस बैच से जुड़े 12 लाइसेंसधारी डीलरों की पहचान कर 238 किलोग्राम सामग्री जब्त की है। स्कास्ट-कश्मीर की बहुविषयक टीमों ने 18 जून, 29 जून और तीन जुलाई को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। टीम ने 37 गांवों के 61 किसानों और बागानों का सर्वेक्षण किया।

पैकेजिंग में विसंगतियां, 4.42 करोड़ का नुकसान

सरकार की संयुक्त जांच समिति में निदेशक बागवानी कश्मीर और निदेशक कानून प्रवर्तन, जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। समिति ने 21 सितंबर को स्थिति रिपोर्ट सरकार को सौंपी है, जबकि विस्तृत रिपोर्ट अभी लंबित है। जांच में एसपी-1902 बैच के क्यूआर कोड, पंजीकरण संख्या, निर्माण लाइसेंस, स्वीकृत लेबल, निर्माण तिथि और विश्लेषण प्रमाणपत्र समेत कई विवरणों में विसंगतियां सामने आई हैं। मंत्री के अनुसार, पैकेज पर दर्ज क्यूआर कोड कथित तौर पर किसी अन्य पंजीकृत इकाई से संबंधित पाया गया। शोपियां में अब तक के आकलन के अनुसार 6,593 पेड़ और 335.75 कनाल क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इससे करीब 10.72 लाख किलोग्राम उत्पादन का नुकसान और लगभग 4.42 करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान अनुमानित है।

बीज व्यापारी से रिश्वत लेते कृषि उप निदेशक और दलाल गिरफ्तार



◆ बीज बिक्री की अनुमति के बदले मांगे थे दो लाख रुपए 50 हजार लेते पकड़े गए

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने श्रीनगर में एक बीज व्यापारी से रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में कृषि कानून प्रवर्तन उप निदेशक नसीर अहमद खान और उसके कथित दलाल मोहम्मद ओवैस भट को गिरफ्तार किया है। भट कमरवारी का निवासी बताया गया है। दोनों पर व्यापारी से उसकी दुकान पर पौधों के बीज बेचने की अनुमति देने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है।

अधिकारियों के अनुसार, एसीबी श्रीनगर को एक बीज व्यापारी ने लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नसीर अहमद खान ने अनुमति देने के लिए उससे दो लाख रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता का कहना था कि दबाव में उसने आरोपी को पहले ही एक लाख रुपये दे दिए थे। शेष एक लाख रुपये 50-50 हजार रुपये की दो किस्तों में देने पर सहमति बनी थी।

रिश्वत की आगे की मांग से परेशान व्यापारी ने एसीबी से संपर्क कर कार्रवाई की मांग की। जांच के दौरान एसीबी ने शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि की और प्रथम दृष्टया दो लाख रुपये की अवैध रिश्वत मांगने का मामला सामने आया।

डीजीपी नलिन प्रभात की मंजूरी के बाद एसीबी ने श्रीनगर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 7ए तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद 30 सितंबर को एसीबी ने आरोपियों को रिश्वत लेते पकड़ने के लिए जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान खान और भट को शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए पकड़ लिया गया।

कुलगाम में जंगली भालू के हमले से चार लोग घायल

भारतेंदु संवाददाता, कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में गुरुवार को जंगली भालू के हमले में दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। घटना दमहाल हंजीपोरा के नंदीमार्ग नार्ड इलाके में हुई। हमले के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। अधिकारी के अनुसार, भालू ने अचानक लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें दो पुरुष और दो महिलाएं घायल हुईं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि दोनों पुरुषों की स्थिति स्थिर है। घायलों की पहचान शफीका बानू (60), पत्नी बशीर अहमद डार, आयशा बानो (50), पत्नी अब्दुल सलाम मगरे, मोहम्मद इकबाल भट, पुत्र अब्दुल्ला भट और अब्दुल सलाम के रूप में हुई है। सभी घायल सीआर पोरा के निवासी बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद वन्यजीव विभाग की टीम को इलाके में तैनात किया गया है। टीम जंगली भालू का पता लगाने और उसे सुरक्षित तरीके से पकड़ने के प्रयास में जुटी है। स्थानीय लोगों से भी सतर्क रहने और अकेले जंगल या आसपास के इलाकों में न जाने की अपील की गई है।

दशकों बाद भी स्थायी भवन नहीं, किराए की जगहों पर चल रहे स्कूल

ईदगाह में 19 सरकारी स्कूल आज भी किराए या अस्थायी भवनों में संचालित



भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर के ईदगाह विधानसभा क्षेत्र में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे की स्थिति पर सवाल खड़े हुए हैं। सरकार की ओर से विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के 19 सरकारी स्कूल अभी भी किराए की इमारतों, अस्थायी ठिकानों या अन्य गैर-स्थायी स्थानों से संचालित हो रहे हैं। यह जानकारी ईदगाह के विधायक मुबारक गुल के सवाल के जवाब में दी गई।

विधायक ने सरकार से उन स्कूलों की जानकारी मांगी थी, जो गैर-स्थायी भवनों से चल रहे हैं। उन्होंने स्कूलों के स्थान और कितने समय से किराए या अस्थायी भवनों में संचालित होने की जानकारी भी मांगी थी।

सरकारी जवाब के अनुसार, कुछ स्कूल लंबे समय से किराए की इमारतों में चल रहे हैं। इनमें गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल नरवारा शामिल है, जो वर्ष 1903 से किराए की जगह में संचालित हो रहा है। इसके अलावा ब्वायज मिडिल स्कूल सफाकदल 1955, ब्वायज मिडिल स्कूल रथपोरा 1956, ब्वायज मिडिल स्कूल ईदगाह 1961 और ब्वायज हाई स्कूल गस्सी मोहल्ला 1965 से किराए की जगहों से संचालित हो रहे हैं।

स्थायी भवनों की कमी के कारण इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को लंबे समय से अस्थायी व्यवस्थाओं पर निर्भर रहना पड़ रहा है। सवाल यह भी है कि दशकों बाद भी इन संस्थानों के लिए स्थायी भवन उपलब्ध क्यों नहीं हो सके।

ईदगाह क्षेत्र की स्थिति श्रीनगर में सरकारी शिक्षा ढांचे की चुनौतियों को सामने लाती है। शहर के कई अन्य स्कूल भी किराए के भवनों या सीमित सुविधाओं वाली इमारतों में संचालित होने की बात सामने आती रही है। ऐसे में स्थायी भवनों के निर्माण और मौजूदा ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है।

रामबन में पलटी स्लीपर बस 25 यात्रियों को आईं हल्की चोटें

◆ मारूग के पास हादसा, बचाव दल ने सभी घायलों को पहुंचाया अस्पताल

भारतेंदु संवाददाता, रामबन। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर गुरुवार को एक स्लीपर बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से करीब 25 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। हादसा मारूग के पास उस समय हुआ, जब श्रीनगर से जम्मू की ओर जा रही पश्चिम बंगाल में पंजीकृत स्लीपर बस (डब्ल्यूबी39के-2929) अनियंत्रित होकर डाउन ट्यूब में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सेना और सिविल क्यूआरटी रामबन के स्वयंसेवक मौके पर पहुंचे। संयुक्त बचाव दल ने बस में फंसे और घायल यात्रियों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल रामबन पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, घायलों में अधिकांश को मामूली चोटें आई हैं।

यातायात पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस में कुल 58 यात्रियों के बैठने की क्षमता थी और दुर्घटना के समय उसमें 55 यात्री सवार थे। हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। दुर्घटनाग्रस्त बस को हटाने और यातायात को सुचारु करने के लिए प्रभावित डाउन ट्यूब से एक लेन खोल दी गई है। पुलिस और यातायात विभाग की टीमें मौके पर मौजूद रहकर यातायात व्यवस्था संभाल रही हैं।

घटनास्थल पर एसएसपी ट्रैफिक एनएचडब्ल्यू रामबन राजा आदिल हमीद, अतिरिक्त उपायुक्त रामबन वरुणजीत सिंह चरक, एसीआर रामबन शौकत हयात मट्टू समेत अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

नशामुक्त युवा शक्ति से ही मजबूत होगा देश का भविष्य और समाज का आधार





केशव शर्मा 'रसिक'
कोटला, घुमारवीं, बिलासपुर

किसी भी देश की सबसे बड़ी शक्ति उसके युवा होते हैं। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, रचनात्मकता और मेहनत ही राष्ट्र के विकास की दिशा तय करती है। जिस देश के युवा शिक्षित, स्वस्थ, जागरूक और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होते हैं, वह देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकता है। इसके विपरीत यदि युवाओं का एक बड़ा वर्ग नशे जैसी समस्या की चपेट में आ जाए तो इसका प्रभाव केवल व्यक्ति के जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति भी प्रभावित होती है। इसलिए सुरक्षित और सशक्त भविष्य के लिए नशामुक्त समाज का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। नशे को केवल व्यक्ति की निजी आदत मानना समस्या की व्यापकता को नजरअंदाज करना है। नशे की आदत स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक जीवन को प्रभावित कर सकती है तथा धीरे-धीरे परिवार की आर्थिक और मानसिक स्थिति पर भी असर डाल सकती है। युवावस्था जीवन का वह महत्वपूर्ण दौर है, जब व्यक्ति अपने भविष्य की दिशा निर्धारित करता है।

इसी समय शिक्षा, कौशल, करियर और व्यक्तित्व निर्माण पर ध्यान देना होता है। यदि इस अवस्था में युवा नशे की गिरफ्त में आ जाता है तो उसकी ऊर्जा और समय रचनात्मक कार्यों के बजाय ऐसी आदतों में खर्च हो सकता है, जो उसके भविष्य के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दें। युवा समाज में परिवर्तन के वाहक होते हैं। वे नई तकनीक सीखते हैं, नए विचारों को अपनाते हैं और सामाजिक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसलिए युवाओं को नशे से बचाना केवल व्यक्तिगत हित का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। नशे की समस्या का समाधान केवल यह कह देने से नहीं हो सकता कि युवा नशा न करें। इसके पीछे मौजूद सामाजिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है। साथियों का दबाव, परिवार में संवाद की कमी, तनाव, अकेलापन, गलत संगति, नशे को लेकर गलत धारणाएं और नशीले पदार्थों की उपलब्धता जैसी परिस्थितियां जोखिम बढ़ा सकती हैं।

इसलिए नशामुक्ति के प्रयासों में रोकथाम के साथ जागरूकता, भावनात्मक सहयोग, स्वस्थ मनोरंजन, खेल, शिक्षा और समय पर सहायता उपलब्ध कराने पर भी ध्यान देना चाहिए। परिवार इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बच्चों और युवाओं के साथ खुला संवाद हो, उनकी बात ध्यान से सुनी जाए और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया जाए तो वे कठिन परिस्थितियों में सहायता मांगने के लिए अधिक सहज महसूस कर सकते हैं। किसी युवा के व्यवहार में चिंताजनक बदलाव दिखाई दे तो उसे अपमानित या अलग-थलग करने के बजाय बातचीत, परामर्श और उचित सहायता की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में नशे के नुकसान पर केवल भाषण या एक-दिवसीय कार्यक्रम करने के बजाय निरंतर जागरूकता गतिविधियां चलानी चाहिए।

विद्यार्थियों को जीवन-कौशल, तनाव से निपटने के स्वस्थ तरीके, निर्णय लेने की क्षमता और सकारात्मक व्यवहार के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। खेल, संगीत, कला, साहित्य, नाटक और स्वयंसेवा जैसी गतिविधियां युवाओं को अपनी प्रतिभा व्यक्त करने और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का अवसर देती हैं। हर गांव और कस्बे में खेल मैदान, पुस्तकालय, युवा क्लब और सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना भी उपयोगी कदम हो सकता है। नशामुक्त समाज केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बन सकता। परिवार, विद्यालय, स्थानीय समुदाय, सामाजिक संस्थाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, कानून-व्यवस्था से जुड़े संस्थान और स्वयं युवा—सभी को मिलकर काम करना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पितृपक्ष में पूर्वजों का स्मरण ही नहीं, सेवा, दान और पारिवारिक संस्कारों को सहेजने का अवसर





बीआर चौहान

भारतीय संस्कृति में पितृपक्ष का विशेष महत्व रहा है। इस वर्ष 26 सितंबर से पितृपक्ष आरंभ होकर 10 अक्तूबर तक चलेगा। इन दिनों लोग अपने दिवंगत पूर्वजों का स्मरण करते हैं, उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में लोग हरिद्वार और गया जैसे तीर्थस्थलों पर जाकर पिंडदान करते हैं, वहीं अनेक परिवार अपने घरों में पूर्वजों के नाम पर पूजा-अर्चना और यज्ञ करते हुए परिवार, रिश्तेदारों तथा जरूरतमंदों को भोजन करवाते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक आस्था से नहीं जुड़ी, बल्कि परिवार की जड़ों और पिछली पीढ़ियों के प्रति कृतज्ञता की भावना को भी व्यक्त करती है।

पितृपक्ष की परंपराओं में कौए और गाय को भोजन कराने की मान्यता भी विशेष रूप से देखने को मिलती है। अनेक परिवार श्राद्ध के भोजन का एक अंश कौए को अर्पित करते हैं और इसे पूर्वजों तक भोजन पहुंचने का प्रतीक मानते हैं। इसी प्रकार गाय को भोजन कराना भी श्रद्धा और पुण्य से जुड़ी परंपरा माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं की अपनी-अपनी व्याख्याएं हो सकती हैं, लेकिन इन परंपराओं के पीछे जीव-जंतुओं के प्रति संवेदना, दान और सेवा की भावना को भी समझा जा सकता है। इस दृष्टि से देखें तो श्राद्ध मनुष्य को केवल अपने पूर्वजों का स्मरण करना ही नहीं सिखाता, बल्कि आसपास के जीव-जगत के प्रति संवेदनशील होने का संदेश भी देता है।

दरअसल, श्राद्ध केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि भारतीय समाज की उस भावना का प्रतीक रहा है जिसमें मनुष्य अपनी पिछली पीढ़ियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। हमारे पूर्वजों ने परिवार और समाज को जो कुछ दिया, उनके योगदान को याद करना और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना इस परंपरा का महत्वपूर्ण पक्ष रहा है। पूर्वजों की जीवन यात्रा, संघर्ष, संस्कार और अनुभवों को याद करने से नई पीढ़ी को अपने परिवार और समाज की विरासत को समझने का अवसर मिलता है।

कुछ दशकों पहले तक गांवों में पितृपक्ष के दौरान अलग ही वातावरण दिखाई देता था। जिस घर में श्राद्ध होता था, वहां केवल परिवार के सदस्य ही नहीं, बल्कि रिश्तेदार, पड़ोसी और गांव के लोग भी सहभागी बनते थे। पूर्वजों के नाम पर यज्ञ होता था, धार्मिक वातावरण बनता था और परिवार की नई पीढ़ी को बताया जाता था कि उनके पूर्वज कौन थे, उन्होंने किस तरह का जीवन जिया और परिवार तथा समाज के लिए उनका क्या योगदान रहा। इस प्रकार श्राद्ध एक धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक मेलजोल और पारिवारिक स्मृतियों को संजोने का अवसर भी बन जाता था।

बदलते परिवेश में श्राद्ध की तस्वीर कुछ अलग दिखाई देती है। व्यस्त जीवनशैली, छोटे परिवार, शहरों की ओर बढ़ता पलायन और बदलती सामाजिक संरचना ने पारंपरिक आयोजनों को प्रभावित किया है। कई परिवारों में श्राद्ध अब सीमित होकर औपचारिक धार्मिक प्रक्रिया बनता जा रहा है। कहीं पुरानी परंपराएं छूट रही हैं तो कहीं वे केवल रस्म पूरी करने तक सीमित रह गई हैं। यह बदलाव केवल धार्मिक परंपरा का बदलाव नहीं है, बल्कि इससे हमारी सामाजिक स्मृति भी प्रभावित होती है।

पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हमारी सांस्कृतिक स्मृति को मजबूत करता है। पूर्वज केवल तस्वीरों में नहीं होते, वे हमारी स्मृतियों, संस्कारों, व्यवहार और पहचान में जीवित रहते हैं। पितृपक्ष उन्हीं जड़ों की ओर लौटने का अवसर है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच यदि यह पर्व हमें अपने परिवार की पुरानी पीढ़ियों को याद करने, उनके योगदान को समझने, जरूरतमंदों की सहायता करने और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदना रखने की प्रेरणा देता है, तो इसकी सार्थकता और भी बढ़ जाती है। परंपराओं का स्वरूप समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उनके पीछे छिपी श्रद्धा, कृतज्ञता, सेवा और स्मरण की भावना को जीवित रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

आर्थिक आधार पर अवसर की मांग

बिहार में सामान्य वर्ग की आर्थिक और सामाजिक चिंताओं का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और भेदभाव रोकने के लिए बनाए गए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 2026 के नियमों पर सर्वोच्च न्यायालय ने जनवरी में रोक लगाई थी। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया नियमों के कुछ प्रावधानों को अस्पष्ट और दुरुपयोग की आशंका वाला माना था। इसके बाद केंद्र सरकार ने नियमों पर पुनर्विचार की प्रक्रिया शुरू की। न्यायालय की चिंता मुख्यत: इस बात को लेकर थी कि भेदभाव से निपटने वाली व्यवस्था स्पष्ट, प्रभावी और सभी संबंधित पक्षों के लिए न्यायसंगत हो।

इसी बीच बिहार में सवर्ण आयोग द्वारा प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्णय सामान्य वर्ग की शिकायतों और समस्याओं को प्रशासन तक आसानी से पहुंचाने की दिशा में उठाया गया कदम है। आयोग का उद्देश्य ऐसे लोगों को सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक सहायता का लाभ दिलाना तथा शिकायतों के समाधान के लिए उन्हें बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से बचाना बताया गया है। इस पहल को बिहार की बदलती सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, सामान्य वर्ग की आर्थिक कठिनाइयों और अवसरों से जुड़ी चिंताएं केवल बिहार तक सीमित नहीं हैं।

बिहार का सामाजिक इतिहास इस विषय को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। राज्य में पिछड़े और वंचित वर्गों के लिए आरक्षण की राजनीति के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लिए अवसर उपलब्ध कराने की चर्चा भी लंबे समय से होती रही है। कर्पूरी ठाकुर के दौर में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था इसी बहस का एक महत्वपूर्ण उदाहरण रही। भारतीय राजनीति में बाद में आर्थिक आधार पर सामान्य वर्ग के कमजोर लोगों को आरक्षण देने की मांग ने व्यापक रूप लिया। वर्ष 2019 में संविधान के 103वें संशोधन के बाद आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किया गया। केंद्र सरकार ने इसे सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया।

बिहार ने भी 2019 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए सरकारी सेवाओं और शैक्षणिक संस्थानों में 10 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया। राज्य के कानून में इसे पहले से मौजूद आरक्षण व्यवस्था से अलग अतिरिक्त प्रावधान के रूप में रखा गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि सामाजिक न्याय की बहस अब केवल जातिगत वंचना तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक पिछड़ेपन को भी नीतिगत चर्चा का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है।

फिर भी इस विषय को केवल राजनीतिक समीकरणों के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। किसी भी वर्ग के भीतर आर्थिक और सामाजिक स्थितियां समान नहीं होतीं। सामान्य वर्ग में भी ऐसे परिवार हो सकते हैं जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा नहीं है। ऐसे परिवारों की वास्तविक समस्याओं की पहचान आंकड़ों और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों के आधार पर होना जरूरी है। इसी तरह आरक्षण और कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य केवल किसी वर्ग को राजनीतिक रूप से संतुष्ट करना नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता को कम करना होना चाहिए।

बिहार की राजनीति में सामाजिक न्याय का प्रश्न लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है। कर्पूरी ठाकुर के आरक्षण मॉडल ने पिछड़े और अत्यंत पिछड़े वर्गों के बीच अवसरों के वितरण की बहस को नया आयाम दिया था। उनके प्रयोग का एक पहलू आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लिए भी प्रावधान से जुड़ा था। बाद के दशकों में मंडल राजनीति, सामाजिक प्रतिनिधित्व और आर्थिक आधार पर आरक्षण के प्रश्नों ने भारतीय राजनीति और नीति-निर्माण को प्रभावित किया। 2019 का आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आरक्षण इसी लंबे विमर्श की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सामान्य वर्ग की जायज आर्थिक और शैक्षणिक समस्याओं को भी गंभीरता से सुना जाए, लेकिन ऐसा करते समय सामाजिक रूप से ऐतिहासिक रूप से वंचित समूहों के अधिकारों और संरक्षण की आवश्यकता की अनदेखी न हो। समानता का अर्थ सभी लोगों के साथ हर परिस्थिति में एक जैसा व्यवहार करना भर नहीं है; इसका अर्थ यह भी है कि वास्तविक असमानताओं को पहचानकर अवसरों तक पहुंच बेहतर बनाई जाए। उच्च शिक्षा में भेदभाव रोकने के नियम हों या आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए सहायता योजनाएं, उनकी संरचना स्पष्ट, पारदर्शी और प्रभावी होनी चाहिए। यूजीसी के नियमों पर सर्वोच्च न्यायालय की आपत्ति भी इसी व्यापक प्रश्न की ओर ध्यान खींचती है कि समानता सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था कहीं अस्पष्टता के कारण नए विवादों को जन्म न दे।

इसलिए सामान्य वर्ग की चिंताओं को केवल चुनावी गणित से जोड़कर देखना समस्या को सीमित कर देगा। शिक्षा, रोजगार, आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति, कौशल विकास और सरकारी योजनाओं तक पहुंच जैसे मुद्दों पर तथ्य आधारित नीति बनाना अधिक जरूरी है। साथ ही यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि किसी वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सहायता देने की प्रक्रिया पारदर्शी हो और वास्तविक जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचे।

-शिवांश धाकड़

कविता

तुम गंगा की बेटी हो

अमित मैहरा, एचएएस अधिकारी
एडीएम, चंबा, हिमाचल प्रदेश

तुम गंगा की बेटी हो,
तुम एक अल्हड़ नदी-सी हो,
कभी शांत अपनी ही धुन में बहती,
कभी अठखेलियों से मदमस्त कर देती
देखने वालों को,
कभी डराती उन्हें
जो समझ नहीं पाते तुमको।
कभी शांत होती हो तो लगता है
जैसे अध्यात्म का कोई दीप जल उठा हो,
और तभी रौद्र रूप धरकर
बंधनों की हर दीवार को
बहा ले जाती हो।
एक ओर वैराग्य,
और फिर अद्वितीय मिलन—
तुम्हारे हर संकेत में
पल-पल बदलते रूप दिखाई देते हैं।
कभी विस्तार में क्षितिज को छूती,
कभी स्वयं को ही बाँध लेती हो,
और कभी न्यूटन के तीसरे सिद्धांत-सी
जल से विद्युत बनकर
अंधेरों में उजाला भर देती हो।
कौन हो तुम, गुड़िया?
क्या मेरी अभिलाषाओं का प्रतिबिंब हो,
या मेरी जिज्ञासाओं की पराकाष्ठा?
या मेरी जिह्वा का प्राण,
मेरे शब्दों की अनकही धड़कन?
ये सूत्र कहाँ से लाती हो?
ये विश्वास कहाँ से आता है तुम्हारे पास?

करोड़ों की संपत्ति वाले नेता गरीब बनकर आखिर क्या संदेश देना चाहते हैं?





संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

वाह रे लोकतंत्र! यहां कुछ लोग गरीबों की जिंदगी समझने के लिए गरीब बनते हैं और कुछ गरीब लोग पूरी जिंदगी यह सोचते रह जाते हैं कि आखिर अमीर बनने का अनुभव कैसा होता होगा। करोड़ों की संपत्ति वाले विधायक जब भिखारी का वेश धारण कर सड़कों पर निकलते हैं तो खबर पढ़कर आश्चर्य होना स्वाभाविक है। मैले-कुचैले कपड़े, हाथ में झाड़ू और झोला और चेहरे पर गरीबी का भाव। सवाल यह नहीं कि जनप्रतिनिधि ने गरीबों के बीच जाने की कोशिश क्यों की, सवाल यह है कि गरीबी को समझने के लिए उसका पहनावा बदलना ही क्यों जरूरी समझा गया?

अब अगर करोड़ों के मालिक विधायक महोदय महंगे कपड़े और सुविधाओं से दूर होकर मैले-कुचैले वस्त्र पहन लें और हाथ में झाड़ू-झोला लेकर सड़क पर घूमने निकल पड़ें, तो इसे साधारण भाषा में क्या कहा जाए? इसे शायद 'राजनीतिक वैराग्य' कहा जा सकता है। लगता है विधायक जी ने सोचा होगा कि महल में बैठकर गरीबों की जिंदगी पर भाषण तो बहुत दे दिए, अब क्यों न कुछ समय के लिए खुद ही गरीब बनकर देखा जाए। बस फिर क्या था, कपड़े बदले, हुलिया बदला और शुरू हो गया गरीबी का प्रत्यक्ष प्रदर्शन।

गरीब आदमी यह दृश्य देखकर शायद मन ही मन यही सोचता होगा कि साहब, अभिनय तो आप हमसे भी अच्छा कर लेते हैं, लेकिन एक सवाल का जवाब दीजिए—यह करोड़ों वाला गरीबी पैकेज हमें कब मिलेगा? क्योंकि असली गरीब के लिए गरीबी कोई प्रयोग नहीं है। वह मजबूरी है, रोज की चिंता है और कई बार पीढ़ियों से चली आ रही विवशता है। गरीब के पास विकल्प नहीं होता कि वह शाम को गरीबी का वेश उतारकर अपने घर लौट जाए। उसके लिए फटे कपड़े, खाली जेब और सीमित साधन जिंदगी का हिस्सा हैं।

सबसे मजेदार विडंबना तो यह है कि आजकल गरीब बनने के लिए भी बहुत अमीर होना पड़ता है। गरीब के हाथ में झोला हो तो वह जरूरतमंद दिखाई देता है और करोड़पति के हाथ में वही झोला हो तो उसे जनसेवा और वैराग्य का प्रतीक बना दिया जाता है। गरीब सड़क पर घूमता दिखाई दे तो व्यवस्था की विफलता पर सवाल उठते हैं, लेकिन विधायक उसी सड़क पर गरीब का रूप धरकर निकलें तो कैमरे उनके पीछे-पीछे चल पड़ते हैं। गरीब मदद मांगता है तो कई बार उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है और संपन्न व्यक्ति मदद करने का प्रदर्शन करे तो वह खबर बन जाती है।

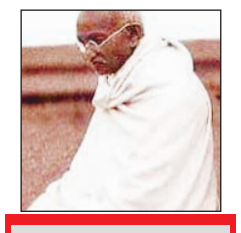
लेकिन इस पूरे तमाशे के बीच असली सवाल अपनी जगह खड़ा है—उन करोड़ों की संपत्ति का क्या होगा? यदि सचमुच गरीबों की जिंदगी समझने की इच्छा है, यदि सचमुच गरीबी का दर्द महसूस हुआ है और यदि वास्तव में समाजसेवा का भाव जागा है तो झोला लेकर घूमने से एक कदम आगे बढ़ने की जरूरत है। अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा किसी अच्छे ट्रस्ट, अस्पताल, स्कूल या जनकल्याण के काम में लगाया जा सकता है। किसी गरीब बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठ जाए, किसी जरूरतमंद का इलाज हो जाए, किसी गांव में पानी की सुविधा पहुंच जाए या किसी जरूरतमंद परिवार के लिए रोजगार का साधन बन जाए, तो शायद यह प्रयोग कहीं अधिक सार्थक होगा। किसी गांव की टूटी सड़क ठीक हो जाए, किसी पुल-पुलिया के निर्माण से लोगों की परेशानी दूर हो जाए या किसी दूरदराज इलाके में स्वास्थ्य सुविधा पहुंच जाए, तो उससे जनता को वास्तविक राहत मिलेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

अहिंसा से गांधी ने लड़ी लड़ाई

मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के तटीय शहर पोरबंदर में हुआ था। वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे और अहिंसक प्रतिरोध के माध्यम से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई को व्यापक जन आंदोलन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका में नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष के दौरान उन्होंने पहली बार अहिंसक प्रतिरोध के प्रयोग किए। वर्ष 1915 में भारत लौटने के बाद उन्होंने किसानों, मजदूरों और आम लोगों को संगठित कर भेदभाव, अत्यधिक भू-कर और औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ आंदोलनों को गति दी।



मोहनदास करमचंद गांधी
जन्म : 2 अक्टूबर 1869

वर्ष 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का नेतृत्व संभालने के बाद गांधी ने गरीबी दूर करने, महिलाओं के अधिकारों के विस्तार, धार्मिक एवं सामाजिक सद्भाव, अस्पृश्यता समाप्त करने और स्वराज की स्थापना के लिए देशव्यापी अभियान चलाए। उन्होंने ग्रामीण भारत से जुड़ाव दिखाने के लिए साधारण धोती और हाथ से काते सूत को अपनाया। सादगीपूर्ण जीवन, आत्मनिर्भरता और उपवास उनके जीवन तथा आंदोलनों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे।

गांधी के नेतृत्व में 1930 में नमक कानून के विरोध में दांडी मार्च हुआ। लगभग 400 किलोमीटर की यह यात्रा ब्रिटिश शासन के खिलाफ जन प्रतिरोध का महत्वपूर्ण प्रतीक बनी। वर्ष 1942 में उन्होंने अंग्रेजों से भारत छोड़ने का आह्वान करते हुए भारत छोड़ो आंदोलन को नेतृत्व दिया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा।

गांधी धार्मिक बहुलता और सामाजिक सद्भाव पर आधारित स्वतंत्र भारत की कल्पना करते थे। वर्ष 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के साथ देश का विभाजन हुआ और भारत तथा पाकिस्तान दो अलग राष्ट्र बने। विभाजन के दौरान पंजाब और बंगाल सहित कई क्षेत्रों में सांप्रदायिक हिंसा भड़की। गांधी ने स्वतंत्रता समारोह से दूर रहकर हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और शांति स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने धार्मिक हिंसा रोकने के लिए कई बार उपवास भी किया।

धार्मिक मतभेदों के बीच साझा नमाज से ईरान ने दिया संवाद और सद्भाव का संदेश

ईरान के मुख्य न्यायाधीश आयतुल्लाह गुलाम-हुसैन मोहसिनी-एजई ने पिछले दिनों भारत का तीन दिवसीय आधिकारिक दौरा किया। उनकी यात्रा मुख्य रूप से नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स मुख्य न्यायाधीश मंच के तीन दिवसीय न्यायिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने को लेकर थी। हालांकि, इस आधिकारिक कार्यक्रम के अतिरिक्त उनका जामा मस्जिद जाना भी चर्चा का विषय बना। उन्होंने दिल्ली की ऐतिहासिक जामा मस्जिद में शाही इमाम मौलाना सैयद अहमद बुखारी की इमामत में आम नमाजियों के साथ जुमे की नमाज अदा की। इस दौरान शिया और सुन्नी समुदाय के लोगों की संयुक्त जमात का दृश्य देखने को मिला।

जामा मस्जिद में आम दिनों में या विशेष रूप से शुक्रवार को दुनिया भर से आने वाले शिया पर्यटक, राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल और अन्य लोग सुन्नी इमाम के पीछे नमाज अदा करते रहे हैं। ईरान के वरिष्ठ प्रतिनिधियों का भारत दौरे के दौरान इस तरह की धार्मिक सहभागिता में शामिल होना शिया-सुन्नी एकता के व्यापक संदेश के रूप में देखा जा सकता है। इससे पहले भी ईरान के सर्वोच्च नेता के विशेष प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही विभिन्न राज्यों में आयोजित शिया-सुन्नी एकता सम्मेलनों और धार्मिक कार्यक्रमों में ईरान के प्रतिनिधि के रूप में शामिल होते रहे हैं। इन अवसरों पर उन्होंने कई स्थानों पर शिया और सुन्नी समुदाय के लोगों के साथ संयुक्त रूप से नमाज अदा की है।

भारत जैसे बड़े मुस्लिम आबादी वाले देश में ईरान लगातार मुस्लिम जगत में एकता की आवश्यकता पर जोर देता रहा है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैयद मुजतबा खामेनेई ने पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन के अवसर पर तेहरान में आयोजित धार्मिक सम्मेलन में मुस्लिम देशों के नाम लिखित संदेश भेजकर वैश्विक स्तर पर मुस्लिम एकजुटता की पैरवी की थी। उन्होंने पश्चिम एशिया और विशेष रूप से फारस की खाड़ी के मुस्लिम शासकों से अपने वास्तविक विरोधी को पहचानने, उसकी योजनाओं को समझने और मिलकर उसका मुकाबला करने का आह्वान किया। उनके संदेश में अमेरिका और इजरायल को समूचे मुस्लिम जगत का साझा दुश्मन बताया गया तथा यह चेतावनी दी गई कि इस्लाम के विरोधी मुस्लिम समाजों को कमजोर करने के लिए उनके बीच नस्ली, सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और भौगोलिक मतभेदों का लाभ उठा सकते हैं।

मुस्लिम जगत में विभाजन का मुद्दा उठाते हुए ईरान की ओर से यह सवाल भी उठाया जाता रहा है कि यदि दुनिया के सभी मुस्लिम देश एकजुट होते तो क्या फिलिस्तीन की मौजूदा स्थिति इतनी असहाय और रक्षाहीन होती? ईरान के अनुसार इस्लामी दुनिया की अनेक समस्याओं का रास्ता आपसी संवाद, एकता, गहरी मित्रता और परस्पर सहयोग से होकर जाता है। इसी सोच के तहत शिया-सुन्नी संयुक्त नमाज को भी धार्मिक सद्भाव और एकता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।



शिया-सुन्नी संयुक्त नमाज के ऐसे प्रयास केवल भारत तक सीमित नहीं रहे हैं। अजरबैजान की राजधानी बाकू स्थित हैदर मस्जिद को शिया-सुन्नी एकता के प्रमुख प्रतीकों में गिना जाता है, जहां दोनों समुदायों के लोग एक साथ नमाज अदा करते हैं। कुवैत में वर्ष 2015 में इमाम सादिक मस्जिद पर हुए आत्मघाती हमले के बाद एकता और भाईचारे का संदेश देने के लिए ग्रैंड मस्जिद में ऐतिहासिक संयुक्त नमाज आयोजित की गई थी। इसमें देश के अमीर, क्राउन प्रिंस और मंत्रियों सहित हजारों शिया और सुन्नी नागरिकों ने हिस्सा लिया था। इसी प्रकार बहरीन और इराक में भी सांप्रदायिक तनाव के दौर में संयुक्त नमाज के माध्यम से भाईचारे और एकता का संदेश देने के प्रयास हुए हैं।

दरअसल, ईरान की वर्तमान सत्ता यह मानती है कि शिया-सुन्नी विवाद को भड़काने से मुस्लिम समाज में विभाजन गहरा होता है। इसी मतभेद को कम करने के लिए ईरान लंबे समय से शिया-सुन्नी एकता की पहल करता रहा है। भारत यात्रा के दौरान ईरान के मुख्य न्यायाधीश का जामा मस्जिद जाकर सुन्नी इमाम के नेतृत्व में नमाज अदा करना इसी व्यापक प्रयास की एक कड़ी के रूप में देखा जा सकता है।



तनवीर जाफरी

धार्मिक मतभेदों के बावजूद एक साथ नमाज अदा करने की परंपरा यह संदेश देती है कि विभिन्न संप्रदायों के बीच संवाद और सामाजिक मेलजोल की गुंजाइश बनी रह सकती है। भारत जैसे बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक समाज में ऐसे दृश्य धार्मिक सह-अस्तित्व की व्यापक भावना को भी सामने लाते हैं। हालांकि, शिया-सुन्नी संबंधों से जुड़े राजनीतिक और धार्मिक मतभेद जटिल हैं और उन्हें केवल संयुक्त नमाज के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता। फिर भी संवाद, परस्पर सम्मान और साझा धार्मिक अवसरों के माध्यम से दूरी कम करने की कोशिशें सामाजिक सद्भाव की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ईरान की ओर से मुस्लिम एकता पर दिया जा रहा जोर इसी व्यापक सोच का हिस्सा है। जामा मस्जिद में शिया और सुन्नी समुदाय के लोगों के साथ नमाज अदा करने का दृश्य इस बात का प्रतीक बना कि धार्मिक पहचान के भीतर मौजूद मतभेदों के बावजूद साझा आस्था और सामाजिक भाईचारे के लिए स्थान बनाया जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

प्रयागराज में सड़क हादसा, ई-रिक्शा चालक की मौत, दो यात्री घायल

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में शिवकुटी थाना क्षेत्र के बीर अब्दुल हमीद द्वार के समीप गुरुवार भोर में सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई, जबकि उसमें सवार दो यात्री घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब पीछे से आए एक चार पहिया वाहन ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उपायुक्त नगर सागर जैन के अनुसार, हादसे में प्रतापगढ़ जिले के मान्धाता थाना क्षेत्र के बुंजहा गांव निवासी रमेश कुमार (40) पुत्र प्यारे लाल की मौत हुई है। रमेश कुमार शिवकुटी के गड़ेरियन का पूरा मोहल्ले में किराए का कमरा लेकर रहता था। वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का जीवन यापन करता था। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार भोर में रमेश कुमार तेलियरगंज से सवारियां लेकर सिविल लाइन की ओर जा रहा था।

इसी दौरान बीर अब्दुल हमीद द्वार के समीप पीछे से आए किसी चार पहिया वाहन ने उसके ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और चालक समेत उसमें सवार यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चार पहिया वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर शिवकुटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद रमेश कुमार को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल दोनों यात्रियों का अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की सूचना मिलने पर रमेश कुमार के परिजन भी मौके पर पहुंचे। परिवार की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

शहीद निरीक्षक सुनील कुमार की पत्नी को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया

लखनऊ में 26 पुलिसकर्मियों को मिला वीरता पदक

एजेंसी, लखनऊ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में अदम्य साहस, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों को वीरता पदक प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 26 पुलिसकर्मियों को वीरता पदक से अलंकृत किया। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों के योगदान और उनकी कर्तव्यनिष्ठा को रेखांकित किया गया। मुख्यमंत्री ने पुलिस सेवा में साहस और कर्तव्य के प्रति समर्पण को महत्वपूर्ण बताते हुए वीरता पदक प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों का सम्मान किया।

पुलिसकर्मियों ने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए जिन परिस्थितियों में साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया, उसके लिए उन्हें पदक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पुलिस विभाग से जुड़े अधिकारियों और अन्य लोगों की मौजूदगी में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान शहीद निरीक्षक सुनील कुमार की पत्नी को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शहीद पुलिसकर्मी के योगदान को याद करते हुए उनके परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। पुलिस सेवा के दौरान कर्तव्य निभाने वाले जवानों और अधिकारियों के योगदान को इस अवसर पर विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ समाज की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके सामने कई बार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां आती हैं, जिनमें कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता और साहस की आवश्यकता होती है। ऐसे पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने से उनके योगदान को सार्वजनिक रूप से पहचान मिलती है।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। पुस्तक के विमोचन के साथ पुलिस सेवा से जुड़े अनुभवों और संघर्षों को भी कार्यक्रम का हिस्सा बनाया गया। लोक भवन में आयोजित इस समारोह में वीरता पदक प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों और उनके योगदान को सम्मान दिया गया। मुख्यमंत्री की ओर से पदक प्रदान किए जाने के बाद पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों में भी सम्मान की भावना देखने को मिली। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के साहस, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मानित करना रहा।

वीरता पदक से सम्मानित किए गए 26 पुलिसकर्मियों के योगदान को कार्यक्रम में प्रमुखता से रेखांकित किया गया। वहीं, शहीद निरीक्षक सुनील कुमार की पत्नी का सम्मान पुलिस सेवा में शहीद हुए कर्मियों के परिवारों के प्रति सम्मान का प्रतीक रहा।

स्वच्छता को दैनिक कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाएं : राजकुमार वानखेड़े



एजेंसी, प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, सूबेदारगंज में गुरुवार को 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा-2026' के तहत 'एक घंटा, एक दिन, एक साथ' अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमदान कर मुख्यालय परिसर की सफाई की। उत्तर मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक राजकुमार वानखेड़े ने अभियान का नेतृत्व किया।

इस अवसर पर राजकुमार वानखेड़े ने कहा कि स्वच्छता को केवल किसी अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक कार्यप्रणाली और व्यवहार का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सामूहिक सहभागिता से स्वच्छ और स्वस्थ कार्य वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। अभियान में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अनिल कुमार द्विवेदी समेत विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष, अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। मुख्यालय परिसर में चलाए गए स्वच्छता अभियान के दौरान करीब 250 किलोग्राम कचरा एकत्र किया गया। एकत्र कचरे का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण किया गया।

इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यस्थल तथा आसपास के परिसर को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक भी किया गया। अपर महाप्रबंधक ने कहा कि स्वच्छता के लिए केवल विशेष अभियान चलाना पर्याप्त नहीं है। प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को अपने दैनिक कार्यों में स्वच्छता को प्राथमिकता देनी चाहिए। नियमित और सामूहिक प्रयासों से कार्यस्थल को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

पीडीए की 25 करोड़ की जमीन पर अवैध कब्जा, 20 से ज्यादा मकान बने

एजेंसी, प्रयागराज। प्रयागराज में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की कसारी-मसारी आवास योजना में करीब डेढ़ बीघा से अधिक बेशकीमती जमीन पर भूमाफिया द्वारा कब्जा किए जाने की बात सामने आई है। जमीन की अनुमानित कीमत करीब 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोप है कि कब्जे के बाद जमीन के हिस्सों को अलग-अलग लोगों को बेच दिया गया। इसके बाद वहां 20 से अधिक लोगों ने मकान भी बना लिए। मामले की जानकारी मिलने के बाद पीडीए ने अवैध कब्जे वाली जमीन को खाली कराने की तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण की ओर से जमीन की स्थिति और वहां हुए निर्माण की जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, सरकारी संपत्ति पर किए गए अवैध कब्जे के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जमीन पर बने मकानों और कब्जे की जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

सिर्फ पिता नहीं, मां को भी उठाना होगा बच्चों के पालन-पोषण का खर्च : हाई कोर्ट

एजेंसी, प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ला की एकलपीठ ने कहा कि बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी केवल पिता की नहीं है। माता-पिता दोनों को अपनी आय और आर्थिक स्थिति के अनुसार बच्चों के खर्च में योगदान देना चाहिए। अदालत ने यह टिप्पणी जौनपुर निवासी अर्चना राव और उनके दो नाबालिग बच्चों की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए की। याचिका में परिवार न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें पिता को दोनों बच्चों के लिए 1500-1500 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि मां की आय पर्याप्त है, तो वह बच्चों के भरण-पोषण में योगदान देने से इनकार नहीं कर सकती। अदालत ने माता-पिता की आर्थिक क्षमता के अनुसार जिम्मेदारी तय करने पर जोर दिया।

मुरादगंज सिलिंडर विस्फोट में दो युवकों की मौत, दिल्ली में तोड़ा दम

एजेंसी, औरैया। औरैया के मुरादगंज कस्बे में मिठाई की दुकान के गोदाम के बेसमेंट में हुए सिलिंडर विस्फोट में घायल दो युवकों की दिल्ली में उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा 13 सितंबर की दोपहर करीब एक बजे हुआ था। विस्फोट में गंभीर रूप से झुलसे 18 वर्षीय शिवम प्रजापति की बुधवार देर शाम मौत हो गई, जबकि विपिन ने गुरुवार सुबह उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों युवक हादसे के बाद से गंभीर हालत में थे और उनका दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनकी मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। हादसे के बाद मिठाई की दुकान के गोदाम में सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों की स्थिति को लेकर भी सवाल उठे हैं। मामले में बाल श्रम कानूनों के पालन को लेकर भी चर्चा शुरू हुई है।

अमेठी में 15 हजार गैस कनेक्शन अटके, उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी

एजेंसी, अमेठी। अमेठी में प्रकाश गैस एजेंसी पर कार्रवाई के बाद करीब 15 हजार गैस कनेक्शन अब भी अटके हुए हैं। एजेंसी से जुड़े लगभग 40 हजार कनेक्शनों में से 25 हजार को आसपास की दूसरी गैस एजेंसियों में स्थानांतरित किया जा चुका है, लेकिन बाकी उपभोक्ताओं को अभी राहत नहीं मिली है। कनेक्शन ट्रांसफर में केवाईसी अधूरी होने, निलंबित कनेक्शन और मृतक उपभोक्ताओं के नाम दर्ज होने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। इस वजह से कई उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर लेने में परेशानी हो रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि कनेक्शन दूसरी एजेंसी में स्थानांतरित नहीं होने से उन्हें गैस आपूर्ति के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। संबंधित स्तर पर लंबित कनेक्शनों की जांच और रिकॉर्ड दुरुस्त करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद पात्र उपभोक्ताओं के कनेक्शन दूसरी एजेंसियों में स्थानांतरित किए जाने की उम्मीद है।

सीईसी के पैतृक आवास पर प्रदर्शन मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज

एजेंसी, आगरा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विजय नगर स्थित पैतृक आवास पर हुए प्रदर्शन के मामले में पुलिस ने वीडियो फुटेज के आधार पर 15 और लोगों को चिन्हित किया है। हालांकि पुलिस ने अभी इनके नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं और उनकी गिरफ्तारी की तैयारी की जा रही है। वहीं, इस मामले में पहले गिरफ्तार होकर जेल भेजे गए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ भी पुलिस साक्ष्य जुटा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त के पैतृक आवास पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान वहां तैनात गार्ड और होमगार्ड के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। मामले की जांच के दौरान पुलिस वीडियो फुटेज के साथ अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की भी पड़ताल कर रही है।

कानपुर में पुलिस बनकर लूटपाट करने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी, कानपुर



चौबेपुर पुलिस ने खाकी वर्दी पहनकर हाईवे पर लूटपाट करने वाले गिरोह के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 35 हजार रुपये की नकदी और दो नई बाइकें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपित दो नई बाइकों से लूट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित खाकी वर्दी पहनकर खुद को पुलिसकर्मी बताकर हाईवे पर कार और बाइक सवारों को निशाना बनाते थे। गिरोह के सदस्य वाहन चालकों को रोककर जांच के नाम पर उनसे रुपये और कीमती सामान लूट लेते थे। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह केवल कानपुर तक सीमित नहीं था, बल्कि कई जनपदों में सक्रिय था।

गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ अलग-अलग जिलों में लूट और टप्पेबाजी के कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और पूर्व में की गई वारदातों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने खाकी वर्दी कहां से हासिल की और इसका इस्तेमाल कितनी घटनाओं में किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के आधार पर गिरोह की गतिविधियों और उसके नेटवर्क से जुड़ी अन्य जानकारियां सामने आने की उम्मीद है।

एशिया मास्टर तैराकी चैंपियनशिप में कानपुर के 13 तैराक दिखाएंगे दम

एजेंसी, कानपुर



बेंगलुरु में तीन से 10 अक्टूबर तक द्वितीय एशिया मास्टर तैराकी चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के लिए भारतीय मास्टर तैराकी टीम में कानपुर के 13 तैराकों का चयन हुआ है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिली है। अब ये तैराक एशिया के विभिन्न देशों से आने वाले मास्टर तैराकों के साथ अलग-अलग स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे।

इन खिलाड़ियों का चयन 22वीं राष्ट्रीय मास्टर तैराकी प्रतियोगिता में किए गए प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। भारतीय टीम में शामिल कानपुर के तैराक अलग-अलग आयुवर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों से विभिन्न तैराकी स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

70 से 74 आयुवर्ग में कानपुर के प्रकाश अवस्थी और आरके कमल का चयन भारतीय टीम में हुआ है। दोनों तैराक इस आयुवर्ग की स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। वहीं 55 से 59 वर्ष आयुवर्ग में पंकज जैन को टीम में जगह मिली है। 50 से 54 वर्ष आयुवर्ग में अमित यादव और राम कुमार भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। इसी तरह 45 से 49 वर्ष आयुवर्ग में विकास अवस्थी और राजेश कुमार का चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने प्रदर्शन के आधार पर एशिया मास्टर चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। 35 से 39 वर्ष आयुवर्ग में अनुभव मिश्रा, मोनू निषाद और सौरभ भारद्वाज भारतीय टीम में चुने गए हैं। वहीं 30 से 34 वर्ष आयुवर्ग में विनायक तिवारी, राम कुमार गुप्ता, सरिता और कीर्ति आनंद को टीम में शामिल किया गया है।

चयनित तैराकों के भारतीय टीम में शामिल होने से शहर के खेल जगत में उत्साह है। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का प्रयास करेंगे। चैंपियनशिप में अलग-अलग आयुवर्ग के मुकाबले होंगे, जिनमें कानपुर के तैराक पदक के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

इस तरह कानपुर के कुल 13 तैराक विभिन्न आयुवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। द्वितीय एशिया मास्टर तैराकी चैंपियनशिप में कई देशों के मास्टर तैराक हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के दौरान अलग-अलग आयुवर्ग और तैराकी स्पर्धाओं में खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा। कानपुर के चयनित तैराक भी अपनी-अपनी स्पर्धाओं में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। स्थानीय स्तर पर तैराकी से जुड़े खिलाड़ियों के लिए यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

48 करोड़ से कंकरखेड़ा-बाईपास सड़क का होगा कायाकल्प



एजेंसी, मेरठ। मेरठ में शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और प्रमुख मार्गों को आधुनिक रूप देने की दिशा में सीएम ग्रिड योजना के तहत कंकरखेड़ा फ्लाईओवर से मेरठ बाईपास इंटरसेक्शन तक सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा।

नगर निगम ने इस सड़क की डिजाइन को अंतिम रूप दे दिया है। करीब 48 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले निर्माण कार्य को 15 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कंकरखेड़ा फ्लाईओवर से दिल्ली-दून हाईवे स्थित बाईपास इंटरसेक्शन तक मौजूदा सड़क को सर्विस लेन समेत छह लेन का बनाया जाएगा। सड़क के चौड़ीकरण से इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही आसान होने की उम्मीद है। योजना के तहत सड़क के दोनों ओर जरूरी सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा।

निर्माण के दौरान फुटपाथ, ग्रीन बेल्ट और नई स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएंगी। इससे सड़क का स्वरूप बदलने के साथ पैदल चलने वाले लोगों को भी सुविधा मिलेगी। नगर निगम के अनुसार, मार्ग को आधुनिक सुविधाओं से विकसित करने का उद्देश्य यातायात को व्यवस्थित करना और शहर के प्रवेश मार्ग को बेहतर बनाना है।

आईआईटी कानपुर ने बेहतर सिंथेटिक शटलकॉक डिजाइन की राह खोजी

एजेंसी, कानपुर। बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए जल्द ऐसी सिंथेटिक शटलकॉक उपलब्ध हो सकती है, जो तेज प्रहार और हवा के दबाव के बावजूद बेहतर स्थिरता बनाए रखे। आईआईटी कानपुर के विज्ञानियों ने शटलकॉक की उड़ान के दौरान होने वाले स्वत: घूर्णन और उसके आकार में बदलाव के बीच संबंध को समझकर बेहतर डिजाइन विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की है। आईआईटी कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संजय मित्तल और शोध छात्र मुकुल कुमार कंसारा ने पंखों वाली तथा सिंथेटिक शटलकॉक का वायु सुरंग में अलग-अलग वायु गति पर परीक्षण किया।

इस अध्ययन का उद्देश्य यह समझना था कि तेज गति से उड़ने के दौरान शटलकॉक हवा के दबाव का सामना किस प्रकार करती है और उसकी स्थिरता बनाए रखने में डिजाइन की क्या भूमिका होती है। वैज्ञानिकों ने शटलकॉक के उड़ान व्यवहार का अध्ययन करते हुए उसके स्वत: घूमने की प्रक्रिया और आकार में होने वाले बदलावों का विश्लेषण किया। बैडमिंटन में शटलकॉक की गति और दिशा लगातार बदलती रहती है, इसलिए उसकी संरचना का उड़ान पर सीधा प्रभाव पड़ता है। शोध से प्राप्त जानकारी के आधार पर ऐसी सिंथेटिक शटलकॉक के डिजाइन में मदद मिल सकती है, जिसकी उड़ान अधिक स्थिर हो और जो लंबे समय तक उपयोग के योग्य रहे।

यूपी के 586 पीएम श्री स्कूलों में 2 .34 करोड़ से बढ़ेगा प्रयोग आधारित शिक्षण

प्रयोग से सीखेंगे बच्चे, 586 पीएम श्री स्कूलों में बढ़ेगा 'लर्निंग बाय डूइंग'

एजेंसी, लखनऊ



उत्तर प्रदेश के 586 पीएम श्री विद्यालयों में अब बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ प्रयोग और अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर मिलेगा। वर्ष 2024-25 के तहत चयनित उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट पीएम श्री विद्यालयों में 'लर्निंग बाय डूइंग' अवधारणा को मजबूत करने के लिए सरकार ने 2.34 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की है।

इस योजना के तहत प्रत्येक चयनित विद्यालय को 40 हजार रुपये की वित्तीय सीमा आवंटित की गई है। इस राशि से प्रयोगात्मक कक्षाओं और विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए जरूरी कंज्यूमेबल्स और कच्चा माल खरीदा जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उन्हें प्रत्यक्ष अनुभवों से सीखने के अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के तहत कक्षा-कक्ष में बच्चों की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। विद्यार्थी अपने हाथों से प्रयोग करने, मॉडल तैयार करने और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेने के माध्यम से विषयों को समझेंगे। इससे विज्ञान, गणित सहित अन्य विषयों की अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी के निर्देशों के तहत इस योजना के लिए कुल 2,34,40,000 रुपये की बजट व्यवस्था की गई है। अधिकारियों के अनुसार, 'करके सीखने' की प्रक्रिया से बच्चों में जिज्ञासा, तार्किक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में मदद मिलेगी।

धोखाधड़ी फर्जी पॉलिसीधारकों के नाम पर वाउचर-चेक तैयार कर एलआईसी फंड में की थी हेराफेरी

6.37 करोड़ की एलआईसी धोखाधड़ी में कर्मी को 10 साल की सजा

एजेंसी, लखनऊ



राजधानी लखनऊ की सीबीआई कोर्ट ने एलआईसी में 6.37 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में चार आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। कोर्ट ने एलआईसी के हायर ग्रेड असिस्टेंट पंकज सक्सेना को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वहीं, प्रेम शंकर उपाध्याय, रेखा उपाध्याय और मनीष सक्सेना को तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा दी गई। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 1.25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

मामला एलआईसी की ट्रांसगोमती ब्रांच, जानकीपुरम से जुड़ा है। सीबीआई ने शाखा के चीफ मैनेजर की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। शिकायत के अनुसार, फरवरी 2006 से अगस्त 2010 के बीच आरोपियों ने आपस में मिलीभगत कर एलआईसी के साथ धोखाधड़ी की। आरोप था कि नकली या अस्तित्वहीन पॉलिसीधारकों के नाम पर फर्जी पेमेंट वाउचर और चेक तैयार किए गए।

इसके बाद इन दस्तावेजों के माध्यम से एलआईसी के फंड को धोखाधड़ी से दूसरी जगह ट्रांसफर किया गया। इस पूरी प्रक्रिया से एलआईसी को करीब 6,37,66,660 रुपये की वित्तीय क्षति हुई। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर एजेंसी ने 21 अगस्त 2014 को आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें एलआईसी की ट्रांसगोमती शाखा, जानकीपुरम से जुड़े अधिकारियों और अन्य आरोपियों की भूमिका का उल्लेख किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और जांच के आधार पर चारों आरोपियों को दोषी माना।

इसके बाद कोर्ट ने पंकज सक्सेना को 10 वर्ष और अन्य तीन दोषियों को तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही चारों पर अलग-अलग 1.25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। सीबीआई की कार्रवाई और अदालत के फैसले के बाद लंबे समय से चल रहे इस मामले में अब चारों दोषियों को सजा मिली है। मामला वर्ष 2006 से 2010 के बीच एलआईसी फंड में की गई कथित वित्तीय हेराफेरी से संबंधित था।

एलआईसी धोखाधड़ी में चार आरोपी दोषी

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सीबीआई की ओर से पेश किए गए दस्तावेजों और साक्ष्यों का परीक्षण किया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने फर्जी पॉलिसीधारकों के नाम का इस्तेमाल कर भुगतान से जुड़े दस्तावेज तैयार किए थे। इन दस्तावेजों के आधार पर एलआईसी की राशि को दूसरी जगह स्थानांतरित किया गया। जांच एजेंसी ने मामले से जुड़े अधिकारियों और अन्य आरोपियों की भूमिका की भी पड़ताल की थी। चार्जशीट दाखिल होने के बाद अदालत में लंबे समय तक सुनवाई चली। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने चारों आरोपियों को दोषी ठहराया।

आगरा में साइबर ठगी का बड़ा मामला चाय विक्रेता से 16 .50 लाख रुपए ठगे

एजेंसी, आगरा

पुलिस का डर दिखाकर चाय विक्रेता से 16.50 लाख की साइबर ठगी

आगरा में चाय की ठेल लगाने वाले अमन कुमार साइबर ठगों के जाल में फंसकर 16.50 लाख रुपये गंवा बैठे। ताजगंज के बल्देव नगर निवासी अमन के साथ जून से सितंबर के बीच ठगी की यह पूरी साजिश रची गई। आरोपितों ने पहले खुद को बैंक का प्रतिनिधि बताया और इसके बाद पुलिस अधिकारी बनकर उन्हें डराया। लगातार अलग-अलग बहाने बनाकर ठगों ने उनसे रकम अपने खातों में ट्रांसफर करवा ली।

जानकारी के अनुसार, अमन कुमार चाय की ठेल लगाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। कुछ समय पहले उनके पास एक फोन कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक का प्रतिनिधि बताते हुए खाते से जुड़ी जानकारी और किसी संदिग्ध गतिविधि की बात कही। बातचीत के दौरान उन्हें विश्वास में लिया गया। इसके बाद ठगों ने मामला गंभीर बताते हुए उन्हें पुलिस कार्रवाई का डर दिखाना शुरू कर दिया।

आरोपितों ने अमन से कहा कि उनके बैंक खाते से संदिग्ध लेनदेन हुआ है और यदि उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस का नाम लेकर उन्हें इस कदर भयभीत किया गया कि वह ठगों के निर्देशों का पालन करते रहे। साइबर ठगों ने जांच और खाते को सुरक्षित रखने के नाम पर अलग-अलग समय में उनसे रुपये ट्रांसफर करवाए। जून से सितंबर के बीच अमन ने ठगों के बताए खातों में कुल 16.50 लाख रुपये भेज दिए।

सोनीपत के कुशल दलाल ने जापान में रचा इतिहास, चीन को हराकर जीता एशियन गेम्स स्वर्ण

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत



गोहाना के गांव सिवानका के युवा तीरंदाज कुशल दलाल ने जापान में आयोजित आइची-नागोया एशियन गेम्स-2026 में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर देश, हरियाणा और सोनीपत का नाम रोशन किया। कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा के फाइनल में कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणि रत्नम की भारतीय टीम ने चीन को 238-237 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मुकाबले के निर्णायक क्षण में कुशल ने सटीक निशाना लगाते हुए 10 अंक हासिल किए और भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम शुरुआत में चीन से कुछ पीछे चल रही थी, लेकिन खिलाड़ियों ने दबाव के बीच लगातार बेहतर प्रदर्शन किया और मुकाबले में वापसी की। अंतिम दौर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। निर्णायक क्षण में कुशल के सटीक निशाने ने भारतीय टीम को एक अंक की बढ़त दिलाई और भारत ने स्वर्ण पदक जीत लिया।

कुशल की इस उपलब्धि के पीछे उसके माता-पिता का वर्षों का संघर्ष और त्याग भी जुड़ा है। कुशल के पिता संजय दलाल खेती-बाड़ी करते हैं, जबकि मां गीता हरियाणा राज्य कृषि विभाग से जुड़े कृषि विपणन क्षेत्र में खरखौदा में लेखाकार के पद पर कार्यरत हैं। बेटे को तीरंदाजी में आगे बढ़ाने के लिए परिवार ने उसकी जरूरतों को प्राथमिकता दी। महंगे खेल उपकरणों के बावजूद पिता ने करीब 3.50 लाख रुपये खर्च कर धनुष और तीर खरीदे, ताकि अभ्यास में कोई कमी न रहे।

वर्ष 2017 में कुशल ने अपनी मां के साथ रोहतक के सेक्टर-1 में रहकर राजीव गांधी स्टेडियम में तीरंदाजी का नियमित अभ्यास शुरू किया। वह रोजाना शाम तीन से छह बजे तक तीरंदाजी और इसके बाद शाम छह से साढ़े सात बजे तक शारीरिक प्रशिक्षण लेता था। अभ्यास के दौरान मां गीता भी उसके साथ मैदान में रहती थीं।

झज्जर में तीन कार्यकर्ता हिरासत में, 16 घंटे बाद रिहा

संदीप गुलिया, चंद्रमोहन और अभिता द्विजा को करीब 16 घंटे बाद छोड़ा गया

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर



हिसार में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले झज्जर में सीजेपी के तीन कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बादली निवासी संदीप गुलिया और चंद्रमोहन को उनके घर से हिरासत में लिया। इसकी जानकारी मिलने पर आम आदमी पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता अभिता द्विजा थाने पहुंचीं। करीब 16 घंटे बाद संदीप गुलिया, चंद्रमोहन और अभिता द्विजा को छोड़े जाने की बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, संदीप गुलिया और चंद्रमोहन को पुलिस उनके घर से अपने साथ ले गई थी। जब अभिता द्विजा को इसकी जानकारी मिली तो वह थाने पहुंचीं। उन्होंने थाना प्रभारी से संदीप को हिरासत में लेने का कारण पूछा और इस संबंध में संबंधित कागजात की जानकारी मांगी। इस दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से बातचीत हुई और दोनों पक्षों के बीच बहस भी हुई। इसके बाद महिला पुलिसकर्मी अभिता द्विजा को भी अपने साथ ले गईं। उन्हें रात करीब साढ़े 12 बजे महिला थाना बहादुरगढ़ ले जाने की जानकारी सामने आई। बाद में करीब 16 घंटे के बाद तीनों को छोड़ दिया गया। यह मामला मुख्यमंत्री के हिसार में प्रस्तावित कार्यक्रम से पहले सामने आया। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में पुलिस की ओर से हिरासत में लिए जाने का विस्तृत कारण स्पष्ट नहीं किया गया है। मामले में सीजेपी कार्यकर्ताओं की ओर से रोजगार और लंबित भर्तियों से जुड़े मुद्दे उठाए जाने की बात सामने आई है। सीजेपी कार्यकर्ताओं ने 28 सितंबर को युवाओं के रोजगार और लंबित भर्तियों से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में लंबित भर्तियों को जल्द पूरा करने और भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की गई थी। इसके अलावा लंबित परीक्षाओं की तिथि घोषित करने तथा स्वीकृत पदों को फ्रीज किए जाने के मुद्दे को भी उठाया गया था। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के समक्ष युवाओं से जुड़े रोजगार संबंधी विषयों को रखा था। इसके दो दिन बाद तीन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने का मामला सामने आया।

हिरासत मामले में सीजेपी ने उठाए सवाल

पुलिस कार्रवाई को लेकर सीजेपी कार्यकर्ताओं की ओर से सवाल उठाए गए हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने युवाओं के रोजगार और लंबित भर्तियों से जुड़े मुद्दों को प्रशासन के समक्ष शांतिपूर्वक रखा था। वहीं, पुलिस की ओर से हिरासत में लिए जाने के विस्तृत कारण की जानकारी सामने नहीं आई है। करीब 16 घंटे बाद तीनों को रिहा कर दिया गया। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा बनी हुई है।

अतिरिक्त यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे का फैसला, दिल्ली-रींगस रूट पर चलेगी स्पेशल ट्रेन

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल



रेलवे ने अतिरिक्त यात्री भीड़ को देखते हुए दिल्ली-रींगस-दिल्ली के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन का ठहराव नारनौल रेलवे स्टेशन पर भी रहेगा। इससे नारनौल और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को दिल्ली और रींगस की ओर आने-जाने के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे ने बताया कि यह स्पेशल ट्रेन निर्धारित अवधि में दो-दो फेरे लगाएगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, गाड़ी संख्या 04415 दिल्ली-रींगस अनारक्षित स्पेशल एक और दो अक्टूबर को दो फेरे लगाएगी। यह ट्रेन दिल्ली से शाम 6:50 बजे रवाना होगी और रात 12:40 बजे रींगस पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04416 रींगस-दिल्ली अनारक्षित स्पेशल दो और तीन अक्टूबर को दो फेरे लगाएगी। यह ट्रेन रींगस से रात दो बजे रवाना होकर सुबह सात बजे दिल्ली पहुंचेगी। रेलवे के अनुसार दिल्ली से रींगस और वापसी के दौरान स्पेशल ट्रेन का ठहराव दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली कैंट, गुरुग्राम, पटौदी रोड, रेवाड़ी, नारनौल और नीमकाथाना रेलवे स्टेशनों पर रहेगा।

इन स्टेशनों पर रुकने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। खासकर नारनौल और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को दिल्ली और रींगस की ओर यात्रा करने में सुविधा होगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह स्पेशल ट्रेन पूरी तरह अनारक्षित होगी। इसमें यात्रियों को सामान्य श्रेणी में यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। ट्रेन में कुल 14 डिब्बे होंगे। इनमें 12 साधारण श्रेणी के कोच और दो गार्ड डिब्बे शामिल हैं। अतिरिक्त यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से यह व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रियों को यात्रा के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध हो सकें। नारनौल स्टेशन पर ठहराव होने के कारण क्षेत्र के यात्रियों को विशेष रूप से लाभ मिलेगा।

दिल्ली और रींगस के बीच आवागमन करने वाले यात्री इस अनारक्षित ट्रेन का उपयोग कर सकेंगे। रेलवे ने यात्रियों से निर्धारित समय और स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव की जानकारी देखकर यात्रा की योजना बनाने की अपील की है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन के निर्धारित समय और ठहराव की जानकारी अवश्य जांच लें। इससे यात्रियों को समय पर स्टेशन पहुंचने और अपनी यात्रा बेहतर तरीके से नियोजित करने में सुविधा होगी। अतिरिक्त भीड़ के दौरान यह ट्रेन यात्रियों के लिए उपयोगी विकल्प साबित होगी।

मासूम शर्मा के देहरादून शो पर संगठनों ने जताया कड़ा विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा के देहरादून में गुरुवार को प्रस्तावित शो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। उत्तराखंड के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने कार्यक्रम का विरोध शुरू कर दिया है। विरोध करने वाले संगठनों का आरोप है कि सिंगर के कुछ गानों में फूहड़ता और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। संगठनों ने कार्यक्रम आयोजित होने पर स्टेडियम का घेराव करने की चेतावनी भी दी है। मासूम शर्मा के शो को लेकर सोशल मीडिया पर भी चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच सिंगर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपने कार्यक्रम की जानकारी दी।

कार्यक्रम को लेकर आयोजकों की ओर से तैयारियां की जा रही हैं, लेकिन विरोध के कारण माहौल गरमाया हुआ है। विरोध करने वाले नेताओं और सामाजिक संगठनों का कहना है कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में कलाकारों को भाषा और प्रस्तुति की मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। उनका दावा है कि मासूम शर्मा पहले भी एक कॉलेज कार्यक्रम के दौरान मंच से आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर चुके हैं। इसी आधार पर संगठन देहरादून में होने वाले कार्यक्रम का विरोध कर रहे हैं।

मिलर्स रजिस्ट्रेशन में देरी से हरियाणा में धान खरीद प्रभावित

590 मिलर्स ने आवेदन किया, अब तक 215 के रजिस्ट्रेशन पूरे हुए

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



हरियाणा की अनाज मंडियों में धान की सरकारी खरीद शुरू हो गई है, लेकिन खरीदी गई फसल के उठान को लेकर समस्या सामने आ रही है। मिलर्स के रजिस्ट्रेशन और एग्रीमेंट में देरी के कारण धान के उठान की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। वहीं मिलर्स का 500 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान भी लंबित बताया जा रहा है। प्रदेश में करीब 1400 मिलर्स हैं। इनमें से अब तक 590 मिलर्स ने रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है, जबकि केवल 215 मिलर्स के रजिस्ट्रेशन पूरे हो सके हैं।

रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण खरीदी गई धान की फसल को मिलों तक भेजने में दिक्कत आ रही है। इससे मंडियों में फसल के भंडारण और उठान को लेकर दबाव बढ़ने की स्थिति बन रही है। मिलर्स के अनुसार, पहले से भुगतान लंबित होने के कारण भी परेशानी बनी हुई है। 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान नहीं होने से मिलर्स की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर, नई खरीद प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही धान के उठान के लिए पर्याप्त संख्या में मिलर्स का पंजीकरण और एग्रीमेंट पूरा होना जरूरी है।

कई अनाज मंडियों में धान में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण खरीद भी प्रभावित हो रही है। नमी अधिक होने की वजह से कुछ स्थानों पर धान की खरीद रोकनी पड़ी है। ऐसे में एक तरफ मंडियों में नई फसल पहुंच रही है, जबकि दूसरी तरफ उठान की प्रक्रिया रजिस्ट्रेशन और एग्रीमेंट की स्थिति पर निर्भर बनी हुई है। धान खरीद के सीजन में मंडियों में लगातार फसल पहुंचने की उम्मीद है।

- **मिलर्स का भुगतान अटका, रजिस्ट्रेशन में देरी से धान उठान प्रभावित हुआ**

ऐसे में मिलर्स के रजिस्ट्रेशन पूरे नहीं होने और पुराने भुगतान लंबित रहने से उठान व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

फिलहाल करीब 1400 मिलर्स में से 215 के रजिस्ट्रेशन पूरे होने के कारण बड़ी संख्या में मिलर्स की प्रक्रिया अभी बाकी है। इसके चलते सरकारी खरीद के साथ-साथ खरीदी गई धान के समय पर उठान को लेकर चुनौती बनी हुई है।

ग्रेटर फरीदाबाद में दोस्त संग गई किशोरी से तीन युवकों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

- **खंडहर बिल्डिंग में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, दोस्त के साथ भी यौन अपराध**
- **फरीदाबाद में नाबालिगों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया**

दिल्ली के आस्था कुंज पार्क जैसी वारदात फरीदाबाद में भी सामने आई है। ग्रेटर फरीदाबाद की एक खंडहर बिल्डिंग में 24 अगस्त को अपने दोस्त के साथ गई 13 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना में उसके 16 वर्षीय दोस्त के साथ भी यौन अपराध किए जाने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, किशोरी अपने दोस्त के साथ ग्रेटर फरीदाबाद स्थित खंडहर बिल्डिंग में गई थी। इसी दौरान वहां तीन युवकों ने उसे कथित तौर पर अपनी हैवानियत का शिकार बनाया। आरोपितों ने किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के दौरान उसके साथ मौजूद 16 वर्षीय किशोर को भी आरोपितों ने नहीं छोड़ा और उसके साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया।

मामला सामने आने के बाद फरीदाबाद में भी दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में सामने आई घटना जैसी वारदात की चर्चा शुरू हो गई है। दोनों मामलों में नाबालिगों को सुनसान स्थान पर यौन अपराध का शिकार बनाए जाने की बात सामने आई है। पीड़ित किशोरी की उम्र 13 वर्ष बताई गई है, जबकि उसके साथ मौजूद किशोर की उम्र 16 वर्ष है। घटना के संबंध में सामने आई जानकारी के अनुसार, वारदात ग्रेटर फरीदाबाद की खंडहर बिल्डिंग में हुई थी। वहां तीन युवकों द्वारा किशोरी को निशाना बनाया गया। इसके साथ ही उसके दोस्त के साथ भी यौन अपराध किया गया। मामले में सामने आई जानकारी ने नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

खंडहर और सुनसान इमारतों में इस तरह की घटनाओं की आशंका को देखते हुए ऐसे स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी की जरूरत भी सामने आती है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, घटना 24 अगस्त की है और इसमें तीन युवकों पर 13 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म तथा उसके 16 वर्षीय दोस्त के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किए जाने का आरोप है।मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपों की पड़ताल शुरू की है। नाबालिगों से जुड़े इस मामले में संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। घटना के बाद खंडहर इमारतों और सुनसान स्थानों पर सुरक्षा तथा निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है।

करीब तीन साल से निर्माण अधूरा, एनएचएआई ने अदालत में बताई समयसीमा

मार्च तक पूरा होगा अंबाला-कैथल सड़क परियोजना का अधूरा निर्माण

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



अंबाला-कैथल मार्ग के लंबे समय से अधूरे पड़े निर्माण और सड़क की खराब हालत को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने परियोजना पूरी करने की समयसीमा बताई है। एनएचएआई ने अदालत को जानकारी दी कि अंबाला-कैथल सड़क परियोजना का काम मार्च 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई पांच अप्रैल 2027 को होगी। उस दौरान एनएचएआई की ओर से परियोजना की ताजा स्थिति रिपोर्ट हाई कोर्ट में दाखिल की जाएगी। अदालत सड़क निर्माण की प्रगति की जानकारी भी देखेगी।

यह मामला अंबाला से कैथल के बीच सड़क की खराब हालत और निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर हाई कोर्ट द्वारा स्वत: संज्ञान लेने के बाद शुरू हुआ था। चीफ जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। पिछली सुनवाई के दौरान खंडपीठ के समक्ष अंबाला-कैथल मार्ग की खराब स्थिति का मुद्दा उठाया गया था। अदालत को बताया गया था कि अंबाला से कैथल के बीच सड़क का पूरा हिस्सा खराब हालत में है और निर्माण कार्य करीब तीन वर्ष से अधूरा पड़ा है। इससे इस मार्ग पर आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से चल रहे निर्माण के बावजूद परियोजना पूरी नहीं होने पर अदालत ने मामले को गंभीरता से लिया था। अब एनएचएआई ने मार्च 2027 तक काम पूरा करने की समयसीमा बताई है। एनएचएआई के अनुसार मार्च 2027 तक परियोजना पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद पांच अप्रैल 2027 को होने वाली सुनवाई में प्राधिकरण को परियोजना की स्थिति से हाई कोर्ट को अवगत कराना होगा।

- **अंबाला-कैथल मार्ग की बदहाली पर सुनवाई, मार्च तक काम पूरा करने का लक्ष्य तय**

न्यूज ब्रीफ

फर्जी पेमेंट स्क्रीनशॉट दिखाकर कपल ने तीन दुकानों से उड़ाया सामान

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद में ऑनलाइन भुगतान के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। एक महिला और पुरुष का कपल मोबाइल पर फर्जी पेमेंट स्क्रीनशॉट दिखाकर दुकानदारों से सामान लेकर फरार हो रहा है। मंगलवार को दोनों ने ओल्ड फरीदाबाद, सेक्टर-37 और सेक्टर-23 में तीन दुकानों को निशाना बनाया। आरोपियों ने करीब 25,400 रुपये का सामान खरीदा, लेकिन किसी दुकान के खाते में रकम नहीं पहुंची। पहले कपल ओल्ड फरीदाबाद के ठाकुरवाड़ा स्थित गर्ग बैग एंड गारमेंट्स पहुंचा। दोनों ने करीब 4,400 रुपये के बच्चों के कपड़े खरीदे और भुगतान के लिए दुकान का स्कैनर मांगा। इसके बाद सेल्समैन को स्कैनर लेकर बाहर बुलाया। आरोपियों ने मोबाइल पर 4,400 रुपये के भुगतान का फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाया और सामान लेकर निकल गए। बाद में दुकानदार ने खाता जांचा तो भुगतान नहीं आया था। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

नारनौल में सड़क हादसा, ट्राले की टक्कर से बाइक सवार ने दम तोड़ा

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में नांगल चौधरी थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 148बी पर बुधवार को सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा गांव खानपुर के पास जलेबी चौक के नजदीक हुआ। जानकारी के अनुसार युवक बाइक पर ससुराल जा रहा था। इसी दौरान एक ट्राले ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर गया और उसके सिर में गहरी चोट आई। हादसे के बाद लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक राजस्थान का रहने वाला बताया जा रहा है। सूचना मिलने पर नांगल चौधरी थाना पुलिस तुरंत पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हरियाणा में स्कूल टूर्नामेंट का बदला शेड्यूल, खिलाड़ियों को मिलेगा बजट

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा के माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 59वीं राज्य स्तरीय स्कूल टूर्नामेंट्स (2026-27) के तहत होने वाली विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के शेड्यूल में बदलाव किया है। जिला शिक्षा अधिकारियों (ष्ठश्वह) और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों के अनुरोध के बाद विभाग ने संशोधित कार्यक्रम जारी किया। नए शेड्यूल में कई खेलों की प्रतियोगिता तिथियों में बदलाव किया गया है। साथ ही खिलाड़ियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था के लिए बजट भी जारी किया गया है। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को संशोधित कार्यक्रम के अनुसार तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों और टीमों को नए कार्यक्रम की जानकारी देने को कहा गया है। इसके अलावा शिक्षकों की डायरी में भी टूर्नामेंट से संबंधित जानकारी अपडेट की गई है, ताकि स्कूल स्तर पर आयोजन की तैयारियों और खिलाड़ियों की भागीदारी में किसी तरह की परेशानी न हो।

पानीपत कोर्ट में एडवोकेट पर चाकू से हमला, एक आरोपी दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिला कोर्ट में गुरुवार को दो युवकों ने एक एडवोकेट पर हमला कर दिया। आरोप है कि कोर्ट गेट के पास हमलावरों ने पहले वकील को पिस्टल दिखाई और इसके बाद गर्दन पर चाकू से वार कर दिया। हमले में एडवोकेट गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके साथ मौजूद एडवोकेट पिता और भाई ने शोर मचाकर किसी तरह उन्हें बचाया। घटना के बाद कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हमलावर भागने लगे तो प्रदर्शन कर रहे वकीलों ने उनका पीछा किया और एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए आरोपी को हिरासत में ले लिया। बुधवार को महिला एडवोकेट से कथित अभद्रता के विरोध में बार ने गुरुवार से वर्क सस्पेंड की कॉल दी थी।

गारमेंट्स दुकान आगजनी केस में पुलिस की कार्रवाई, दो और आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद



फतेहाबाद जिले के टोहाना शहर के राम नगर क्षेत्र में गारमेंट्स शोरूम में पेट्रोल डालकर आग लगाने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बरवाला निवासी सागर और हिसार निवासी मनीष के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पहले भी एक आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। अब तक वारदात में शामिल तीन आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं।

थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि राम नगर निवासी बृज मोहन ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार 16 और 17 अगस्त की दरमियानी रात अज्ञात लोगों ने उसकी गारमेंट्स की दुकान पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। दुकानदार को घटना की जानकारी अगले दिन सुबह हुई। इसके बाद दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। फुटेज में सामने आया कि कुछ लोग सफेद रंग की गाड़ी से उतरकर दुकान के पास पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने दुकान के शटरों पर पेट्रोल छिड़का और फिर आग लगा दी। घटना के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए।

शिकायत के आधार पर थाना शहर टोहाना में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के अलावा डिजिटल सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से जांच को आगे बढ़ाया। जांच के दौरान पहले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने अब सागर और मनीष को भी गिरफ्तार कर लिया है।

इस्तीफा हाई कोर्ट के आदेश के बाद अशोक कुमार तीन सप्ताह में देंगे इस्तीफा

स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में बड़ा बदलाव, वीसी के बाद डीन के हाथों में कमान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़





पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा की स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी सोनीपत के कुलपति पद पर पूर्व आईपीएस अधिकारी अशोक कुमार की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अहम आदेश जारी किया है। सुनवाई के दौरान अशोक कुमार की ओर से अदालत को बताया गया कि वह व्यक्तिगत कारणों से अब इस पद पर बने रहने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने तीन सप्ताह के भीतर अपने पद से इस्तीफा देने की बात कही।

इसके बाद जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने याचिका का निपटारा करते हुए राज्य सरकार को इस्तीफा स्वीकार करने और कुलपति पद पर अंतरिम व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस्तीफा स्वीकार होने तक विश्वविद्यालय के कामकाज के लिए वरिष्ठ डीन को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस दौरान विश्वविद्यालय का नियमित प्रशासनिक कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए अंतरिम व्यवस्था लागू रहेगी।

कुलपति अशोक कुमार की नियुक्ति को डॉ. डीएस मोर उर्फ देवेंद्र सिंह मोर और एक अन्य याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में मांग की गई थी कि अशोक कुमार की कुलपति पद पर नियुक्ति को गैरकानूनी और शुरुआत से ही अमान्य घोषित किया जाए। याचिकाकर्ताओं की ओर से नियुक्ति को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 2018 के नियमों के विपरीत बताया गया था। याचिका में यह भी कहा गया था कि कुलपति की नियुक्ति के लिए निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इसके अलावा कुलपति के वेतन निर्धारण से संबंधित 15 जुलाई 2024 के पत्र को भी चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान कुलपति की ओर से इस्तीफा देने की सहमति जताए जाने के बाद अदालत ने मामले का निपटारा कर दिया। अब अशोक कुमार को तीन सप्ताह के भीतर इस्तीफा सौंपना होगा।

राज्य सरकार द्वारा इस्तीफा स्वीकार किए जाने तक वरिष्ठ डीन विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया भी आगे बढ़ेगी। आदेश के अनुसार नई कुलपति नियुक्ति की प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूरी करने की बात कही गई है। इस तरह आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव देखने को मिलेगा। अशोक कुमार की नियुक्ति को लेकर दायर याचिका में उठाए गए सवालों पर हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षों को सुना। हालांकि, मामले में कुलपति की ओर से व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ने की बात कहे जाने के बाद अदालत ने उसी आधार पर आगे की अंतरिम व्यवस्था के निर्देश दिए।

महिला यात्रियों की सुरक्षा पर हाई कोर्ट सख्त,उबर-रैपिडो समेत केंद्र से मांगा जवाब

कैब-बाइक टैक्सी में महिला सुरक्षा के लिए मजबूत नियमों की मांग, हाई कोर्ट में सुनवाई

एजेंसी, नई दिल्ली

ऐप आधारित कैब, बाइक-टैक्सी और अन्य राइड-हेलिंग सेवाओं में महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर दायर जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। याचिका में राष्ट्रीय राजधानी में ऐसी सेवाओं का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं के लिए अधिक मजबूत, प्रभावी और एक समान सुरक्षा उपाय लागू करने की मांग की गई है।

मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार सहित संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। याचिका में विशेष रूप से ऐप आधारित कैब और बाइक-टैक्सी सेवाओं के दौरान महिला यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े प्रबंधों को लेकर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि अलग-अलग राइड-हेलिंग सेवाओं में सुरक्षा के मानक और व्यवस्थाएं एक जैसी नहीं होने के कारण यात्रियों के सामने कठिनाइयां पैदा हो सकती हैं। जनहित याचिका में महिलाओं के लिए यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था तैयार करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने संबंधित अधिकारियों और सेवा प्रदाताओं के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर भी जोर दिया है। याचिका में सुरक्षा से जुड़े उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने और उनकी निगरानी की व्यवस्था मजबूत करने की मांग रखी गई है।



मामले में ऐप आधारित परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को भी पक्ष बनाया गया है। इनमें उबर और रैपिडो जैसी सेवाएं शामिल हैं। अदालत ने संबंधित पक्षों से याचिका में उठाए गए मुद्दों पर अपना पक्ष रखने को कहा है। महिला यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में राइड बुकिंग से लेकर यात्रा पूरी होने तक विभिन्न स्तरों पर सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

याचिका में ऐसी व्यवस्था की मांग की गई है, जिससे महिला यात्रियों को आपात स्थिति में तत्काल सहायता मिल सके और शिकायतों पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई हो। याचिका में यह भी मांग की गई है कि राइड-हेलिंग सेवाओं में सुरक्षा संबंधी नियमों को स्पष्ट किया जाए और सेवा प्रदाताओं की जिम्मेदारियां तय हों। इसके अलावा यात्रियों की शिकायतों के निपटारे के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी सामने रखी गई है। दिल्ली में ऐप आधारित कैब और बाइक-टैक्सी सेवाओं का इस्तेमाल बड़ी संख्या में लोग करते हैं। ऐसे में महिला यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मानकों को लेकर दायर इस याचिका पर हाई कोर्ट की कार्यवाही महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ओडिशा में मिली दिल्ली की लापता किशोरी, पुलिस ने सुरक्षित घर पहुंचाया

एजेंसी ,नई दिल्ली

इंद्रपुरी इलाके से करीब 14 दिन पहले लापता हुई 16 वर्षीय किशोरी को दिल्ली पुलिस ने ओडिशा से सुरक्षित बरामद कर लिया। किशोरी के लापता होने के बाद परिवार लगातार उसकी तलाश कर रहा था। मामले में उसकी मां ने जनसुनवाई के दौरान पुलिस के सामने गुहार लगाई, जिसके बाद पुलिस ने तलाश तेज करते हुए किशोरी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान किशोरी की लोकेशन ओडिशा के गंजम जिले में मिली। इसके बाद इंद्रपुरी थाना पुलिस की एक टीम को तत्काल ओडिशा भेजा गया।

समय बचाने के लिए पुलिस टीम फ्लाइट से वहां पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से किशोरी की तलाश शुरू की। स्थानीय पुलिस की मदद और जांच के आधार पर किशोरी को सुरक्षित



14 दिन से लापता किशोरी ओडिशा से सुरक्षित बरामद

बरामद कर लिया गया। इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम उसे लेकर राजधानी वापस लौटी। दिल्ली पहुंचने के बाद किशोरी को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया। किशोरी के अचानक लापता होने से परिवार काफी परेशान था।

उसकी मां ने पुलिस से बेटी को जल्द तलाशने की अपील की थी। जनसुनवाई में मामला सामने आने के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच को आगे बढ़ाया और संभावित स्थानों की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी माध्यमों से किशोरी की गतिविधियों और लोकेशन का पता लगाया।

ओडिशा में उसकी मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद स्थानीय स्तर पर पुलिस से संपर्क किया गया। इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम वहां पहुंची और संयुक्त प्रयास से किशोरी को बरामद कर लिया गया।

गुरुग्राम में अजब मामला : 80 हजार की बाइक पर कटे 126 चालान

एजेंसी ,नई दिल्ली

यातायात नियमों की अनदेखी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। गुरुग्राम में करीब 80 हजार रुपये कीमत की एक बाइक पर तीन साल के दौरान 10 लाख 30 हजार रुपये के 126 चालान काटे गए। हैरानी की बात यह है कि बाइक सवार ने इनमें से एक भी चालान का भुगतान नहीं किया। पुलिस के अनुसार, युवक को रॉन्ग साइड बाइक चलाते हुए पकड़ा गया।

जांच के दौरान जब बाइक से जुड़े पुराने यातायात रिकॉर्ड की जानकारी सामने आई तो पुलिस भी हैरान रह गई। पिछले तीन वर्षों में इस बाइक के खिलाफ यातायात नियमों के उल्लंघन के कुल 126 चालान दर्ज थे। इन सभी चालानों की कुल राशि 10 लाख 30 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाइक को जब्त कर लिया। अधिकारियों के मुताबिक, वाहन मालिक की ओर से पुराने चालानों का भुगतान नहीं किया गया था। इसके बावजूद बाइक का इस्तेमाल लगातार किया जा रहा था और युवक पुलिस के सामने भी रॉन्ग साइड में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। यह मामला गुरुग्राम में यातायात नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

एलपीजी रिफिल के लिए बायोमेट्रिक अनिवार्य, हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

एजेंसी ,नई दिल्ली

नई दिल्ली में घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की रिफिल बुकिंग के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन अनिवार्य किए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र को नोटिस जारी किया। याचिका में एक अक्टूबर से तय कीमत पर घरेलू एलपीजी रिफिल बुक करने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य किए जाने को चुनौती दी गई है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि इस व्यवस्था का असर देशभर के करीब 3.16 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। याचिका में इस कदम को मनमाना बताते हुए इसे लागू करने के तरीके और इसके संभावित प्रभावों पर सवाल उठाए गए हैं। याचिका के अनुसार, बायोमेट्रिक



आधार प्रमाणीकरण को अनिवार्य करने से ऐसे उपभोक्ताओं को परेशानी हो सकती है।

जिन्हें तकनीकी या अन्य कारणों से प्रमाणीकरण कराने में दिक्कत आती है। इसमें यह भी चिंता जताई गई है कि प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होने की स्थिति में उपभोक्ताओं को घरेलू गैस रिफिल प्राप्त करने में मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। याचिकाकर्ता ने अदालत के समक्ष इस व्यवस्था की वैधता और इसे लागू करने की प्रक्रिया पर विचार करने का अनुरोध किया है।

गुरुग्राम मेट्रो को बड़ी सौगात, दूसरे चरण में 15.3 किलोमीटर का नया मार्ग

एजेंसी ,नई दिल्ली

गुरुग्राम में हरियाणा सरकार ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण के टेंडर को मंजूरी दे दी है। बुधवार को मिली मंजूरी के बाद उम्मीद है कि गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड अगले सप्ताह टेंडर जारी कर देगा। दूसरे चरण के निर्माण पर करीब 1,662 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। दूसरे चरण में सेक्टर-9 से दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित डीएलएफ साइबर सिटी तक करीब 15.3 किलोमीटर लंबा मेट्रो मार्ग तैयार किया जाएगा। इस मार्ग पर 14 स्टेशन बनाए जाएंगे।

इनमें सेक्टर-7, सेक्टर-4, सेक्टर-5, रेलवे स्टेशन, अशोक विहार, सेक्टर-3, बजघेड़ा रोड, पालम विहार एक्सटेंशन, पालम विहार, सेक्टर-23ए, सेक्टर-22, सेक्टर-21, उद्योग विहार फेज-1 और डीएलएफ साइबर सिटी शामिल हैं। परियोजना के तहत सेक्टर-5 से शीतला माता रोड पर



अंडरपास, जबकि बजघेड़ा रोड और सुशील ऐमा मार्ग से ओल्ड दिल्ली रोड की ओर डबल डेकर मेट्रो का प्रावधान है।

मेट्रो के नीचे फ्लाईओवर का निर्माण भी किया जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के तहत कुल 30.5 किलोमीटर लंबा मार्ग तैयार होना है, जिस पर 28 स्टेशन बनाए जाएंगे। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर-9 तक करीब 15.2 किलोमीटर मार्ग का निर्माण होना है। इसके अंतर्गत सेक्टर-45, यूनिटेक साइबर पार्क, सेक्टर-37, सेक्टर-101 और सेक्टर-9 समेत कई स्टेशन शामिल हैं। पहले चरण का निर्माण कार्य दो कंपनियों को सौंपा गया है। उन्हें करीब दो वर्ष में निर्धारित मार्ग का निर्माण पूरा करना है। पिछले वर्ष अगस्त में टेंडर आवंटित होने के बाद एक साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक परियोजना का लगभग 14 से 15 प्रतिशत ही निर्माण पूरा हुआ है। अभी किसी भी मेट्रो स्टेशन की इमारत का निर्माण शुरू नहीं हुआ है।

गाजियाबाद में लापता पशु चिकित्सक की लाश मिली

एजेंसी, नई दिल्ली

मुरादनगर थाना क्षेत्र में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक कार में पशु चिकित्सक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान राजनगर एक्सटेंशन निवासी डॉ. शिवम कार्तिकेय भारद्वाज के रूप में हुई है। वह दिल्ली में अपना क्लीनिक चलाते थे और मंगलवार सुबह घर से क्लीनिक जाने के लिए निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। परिजनों ने उनकी काफी तलाश की और बाद में नंदग्राम थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। इसी दौरान घर के कमरे से एक सुसाइड नोट मिलने की जानकारी पुलिस को दी गई। नोट में डॉक्टर ने मरने के लिए जाने की बात लिखी थी। बुधवार सुबह पुलिस को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर एक कार खड़ी मिली। जांच करने पर कार के अंदर डॉक्टर का शव बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, शव के पास बेहोशी की दवा और इंजेक्शन भी मिले हैं।

न्यूज ब्रीफ

ग्रेजुएट युवाओं के लिए रेलवे में बंपर भर्ती 3477 पदों पर मौका



एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ा अवसर सामने आया है। रेलवे भर्ती बोर्ड ने गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों के स्नातक स्तर के 3,477 पदों पर भर्ती के लिए संक्षिप्त विज्ञापन जारी किया है। यह भर्ती विज्ञापन संख्या सीईएन 06/2026 के तहत होगी। भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी और इच्छुक अभ्यर्थी 6 नवंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी करनी होगी। रेलवे भर्ती बोर्ड ने अभ्यर्थियों के लिए आधार सत्यापन को अनिवार्य किया है। उम्मीदवारों को आवेदन करते समय आवश्यक दस्तावेज और निर्धारित जानकारी सही तरीके से उपलब्ध करानी होगी। इन पदों के लिए पात्रता, आयु सीमा, परीक्षा पैटर्न, शुल्क, चयन प्रक्रिया और अन्य विस्तृत जानकारी रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से जारी होने वाले विस्तृत विज्ञापन में उपलब्ध होगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि आवेदन से पहले आधिकारिक सूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें और निर्धारित तिथियों के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। यह भर्ती रेलवे में स्नातक युवाओं के लिए रोजगार का महत्वपूर्ण अवसर है।

किंगडम ऑफ ड्रीम्स जमीन लीज में 434 करोड़ का नुकसान

एजेंसी, नई दिल्ली। किंगडम ऑफ ड्रीम्स के लिए सेक्टर-29 में एचएसवीपी की 5.66 एकड़ जमीन लीज पर देने का मामला लोकायुक्त की रिपोर्ट के बाद फिर चर्चा में है। लोकायुक्त न्यायमूर्ति हरि पाल वर्मा (सेवानिवृत्त) की रिपोर्ट में सरकार को 434.02 करोड़ रुपये के नुकसान का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में मामले के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और सीबीआई जांच की सिफारिश भी की गई है। वहीं, एचएसवीपी ने लीज रद्द कर किंगडम ऑफ ड्रीम्स परिसर का कब्जा अपने हाथ में ले लिया है। जमीन लीज से जुड़े फैसलों और प्रक्रिया को लेकर रिपोर्ट में कई सवाल उठाए गए हैं। मामला सामने आने के बाद संबंधित विभागों की भूमिका भी चर्चा में है। लोकायुक्त की रिपोर्ट के बाद अब आगे की कार्रवाई पर नजर बनी हुई है। लोकायुक्त रिपोर्ट के बाद किंगडम ऑफ ड्रीम्स जमीन लीज मामले में आगे की कार्रवाई पर नजर बनी हुई है।

प्रतापपुरा मेट्रो स्टेशन का निर्माण तेज, जिला अस्पताल पहुंचना होगा आसान



एजेंसी ,नई दिल्ली

आगरा मेट्रो परियोजना के कॉरिडोर-2 में प्रतापपुरा मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। निर्माण की प्रगति के साथ अब स्टेशन का ढांचा स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। स्टेशन के आकार लेने से क्षेत्र में चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य की तस्वीर भी साफ होने लगी है। प्रतापपुरा मेट्रो स्टेशन शहर के महत्वपूर्ण इलाकों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

स्टेशन के तैयार होने के बाद आसपास के क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोगों को सार्वजनिक परिवहन की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। इस स्टेशन का सबसे बड़ा लाभ जिला अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों, तीमारदारों और अस्पताल के कर्मचारियों को मिलने की संभावना है। मेट्रो सेवा शुरू होने के बाद शहर के अलग-अलग हिस्सों से जिला अस्पताल तक पहुंचना अधिक आसान और सुविधाजनक हो सकेगा। इससे मरीजों और उनके परिजनों को सड़क मार्ग पर लगने वाले जाम और यातायात के दबाव से राहत मिल सकती है। प्रतापपुरा स्टेशन के निर्माण के साथ आगरा मेट्रो के कॉरिडोर-2 का विस्तार भी धीरे-धीरे आकार ले रहा है।

स्टेशन के आसपास बुनियादी ढांचे के विकास से स्थानीय लोगों की आवाजाही आसान होने की उम्मीद है। मेट्रो सेवा शुरू होने के बाद क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन का नेटवर्क मजबूत होगा और लोगों को आवागमन के लिए एक अतिरिक्त सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

जटिल पित्ताशय सर्जरी में रोबोटिक तकनीक बनी सहायक

एजेंसी ,नई दिल्ली

पित्ताशय यानी गाल ब्लैडर की सर्जरी सामान्य तौर पर नियमित प्रक्रिया मानी जाती है, लेकिन कुछ मरीजों में ऑपरेशन के दौरान जटिलताएं बढ़ सकती हैं। अधिक सूजन, पहले हुए संक्रमण के कारण अंदरूनी चिपकाव, पुराने रोग के निशान अथवा आसपास के अंगों की बनावट सामान्य से अलग होने पर सर्जनों के लिए प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण हो जाती है। ऐसी परिस्थितियों में रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी उपयोगी साबित हो सकती है। एम्स के सर्जनों के अनुसार, रोबोटिक तकनीक ऑपरेशन के दौरान शरीर के अंदर के हिस्सों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और उपकरणों को बेहतर नियंत्रण के साथ संचालित करने में मदद करती है। इससे जटिल बनावट वाले क्षेत्रों में सर्जन को अधिक सटीकता से काम करने में सहायता मिल सकती है। एम्स के सर्जिकल विभाग को विभिन्न विशेषज्ञताओं में 1500 से अधिक रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी का अनुभव है।

प्रयागराज में छात्रा की मौत पर हंगामा, प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी ,नई दिल्ली

नैनी स्थित यूनाइटेड इंजीनियरिंग कॉलेज की एक छात्रा की मौत के बाद गुरुवार को कॉलेज परिसर में छात्र-छात्राओं का आक्रोश सामने आया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कक्षाओं का बहिष्कार कर विरोध-प्रदर्शन किया और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने मामले को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की और संबंधित मांगों को पूरा करने की मांग उठाई। जानकारी के अनुसार, कंप्यूटर साइंस की तृतीय सेमेस्टर की छात्रा गुन गुप्ता की तबीयत खराब थी।

बताया जा रहा है कि वह पीलिया से गंभीर रूप से पीड़ित थी और इलाज के लिए अवकाश मांग रही थी। छात्रों की ओर से आरोप लगाया गया कि विभागाध्यक्ष ने उसे अवकाश नहीं दिया। इसके बाद



मौत के बाद छात्रों ने किया प्रदर्शन

छात्रा की मौत हो गई। इसी मामले को लेकर कॉलेज के विद्यार्थियों में नाराजगी फैल गई और उन्होंने कक्षाओं का बहिष्कार करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रदर्शन के दौरान छात्र-छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारे लगाए। उनका कहना था कि गंभीर रूप से बीमार छात्रा की स्थिति को देखते हुए उसे इलाज के लिए पर्याप्त अवकाश मिलना चाहिए था। छात्रों ने मामले में जिम्मेदारी तय करने और उनकी मांगों पर कार्रवाई की मांग की। विरोध-प्रदर्शन की जानकारी मिलने के बाद कॉलेज प्रबंधन ने विद्यार्थियों से वार्ता की। प्रबंधन की ओर से छात्रों की मांगों पर विचार करने और उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया गया। बातचीत के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राएं शांत हुए और स्थिति सामान्य हुई।

ग्रेटर नोएडा के विकास को मिलेगी नई रफ्तार 95 सेक्टरों और 124 गांवों पर रहेगी नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में तेजी से बढ़ते विकास कार्यों की निगरानी और उनकी बेहतर योजना के लिए प्राधिकरण अब स्मार्ट सिटी की तर्ज पर प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का गठन करेगा। इस यूनिट के माध्यम से शहर में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की सघन निगरानी की जाएगी और उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा कराने में विशेषज्ञ सहायता ली जाएगी। प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रवि कुमार एनजी की मंजूरी के बाद एजेंसी के माध्यम से विशेषज्ञों की तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

प्रस्तावित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट ग्रेटर नोएडा के 95 सेक्टरों और 124 गांवों में चल रहे तथा प्रस्तावित विकास कार्यों पर नजर रखेगी। यूनिट में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा, जो परियोजनाओं की योजना, क्रियान्वयन, गुणवत्ता और प्रगति की नियमित निगरानी करेंगे।



इसका उद्देश्य विकास कार्यों में बेहतर समन्वय स्थापित करना और किसी भी स्तर पर होने वाली देरी को कम करना है।

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वायु प्रदूषण नियंत्रण, सड़क, जल निकासी, हरित क्षेत्र, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं में प्राधिकरण को पेशेवर सहायता उपलब्ध कराएगी। विशेषज्ञों की मदद से परियोजनाओं की प्राथमिकताएं तय करने, तकनीकी पहलुओं की समीक्षा करने और कार्यों की प्रगति का आकलन करने में भी सुविधा होगी।

गांधी जयंती पर दिल्ली में यातायात व्यवस्था बदली, सुबह 5 से 11 बजे तक रहेगा असर

2 अक्टूबर को राजघाट-रिंग रोड की ओर जाने से पहले पढ़ें यातायात सलाह

एजेंसी, नई दिल्ली

गांधी जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को राजधानी दिल्ली में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजघाट में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती और विजय घाट में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने विशेष यातायात व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था शुक्रवार सुबह 5 बजे से 11 बजे तक प्रभावी रहेगी।

दिल्ली यातायात पुलिस के अनुसार, दोनों स्मारकों पर बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों, आमंत्रित अतिथियों और आम लोगों के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए राजघाट, विजय घाट और आसपास की प्रमुख सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित



2 अक्टूबर को दिल्ली में छह घंटे यातायात डायवर्जन रहेग

किया जाएगा। यात्रियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय के दौरान इन मार्गों पर जाने से बचें और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें। विशेष यातायात व्यवस्था के तहत राजघाट और रिंग रोड की ओर जाने वाले मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रह सकती है। यातायात पुलिस आवश्यकता के अनुसार वाहनों को वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ सकती है।

कार्यक्रम स्थलों के आसपास सुरक्षा कारणों से कुछ सड़कों पर अस्थायी प्रतिबंध और यातायात डायवर्जन भी लागू किया जा सकता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि 2 अक्टूबर की सुबह राजघाट और विजय घाट की ओर यात्रा करने से पहले यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखें। जिन लोगों को इन इलाकों से होकर गुजरना जरूरी है, वे निर्धारित समय से पहले अपनी यात्रा की योजना बनाएं या वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। इससे कार्यक्रम स्थलों के आसपास अनावश्यक यातायात दबाव को कम करने में मदद मिलेगी।

मेरठ में जाम से मिलेगी राहत कंकरखेड़ा-बाईपास मार्ग होगा छह लेन

एजेंसी ,नई दिल्ली

शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और प्रमुख सड़कों को आधुनिक रूप देने की दिशा में सीएम ग्रिड योजना के तहत एक और महत्वपूर्ण परियोजना की तैयारी पूरी कर ली गई है। नगर निगम ने कंकरखेड़ा फ्लाईओवर से मेरठ बाईपास इंटरसेक्शन तक सड़क के चौड़ीकरण की डिजाइन को अंतिम रूप दे दिया है। करीब 48 करोड़ रुपये की लागत से इस सड़क को सर्विस लेन समेत छह लेन में विकसित किया जाएगा।

यह मार्ग मेरठ के प्रमुख प्रवेश मार्गों में शामिल है और दिल्ली-दून हाईवे से शहर को जोड़ता है। परियोजना के तहत मुख्य सड़क को चार लेन का बनाया जाएगा, जबकि दोनों ओर आबादी वाले क्षेत्रों की आवाजाही के लिए सर्विस लेन विकसित की जाएगी। इससे मुख्य मार्ग पर स्थानीय यातायात का दबाव कम होने और वाहनों की आवाजाही अधिक सुगम होने की उम्मीद है। सड़क के चौड़ीकरण के साथ क्षेत्र को आधुनिक सुविधाओं से भी लैस किया जाएगा। परियोजना में बेहतर फुटपाथ, नई और आधुनिक रोशनी की व्यवस्था, लोगों के बैठने के लिए बेंच तथा सड़क किनारे हरियाली विकसित करने की योजना है। इसके अलावा मार्ग को आकर्षक रूप देने के लिए सौंदर्यीकरण पर भी ध्यान दिया जाएगा। इससे मेरठ में प्रवेश करने वाले लोगों को शहर का आधुनिक और व्यवस्थित स्वरूप नजर आएगा। नगर निगम ने हाल ही में मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी के सामने परियोजना की डिजाइन प्रस्तुत की थी। डिजाइन को लेकर जरूरी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, सड़क के चौड़ीकरण से कंकरखेड़ा फ्लाईओवर से बाईपास चौराहे के बीच यातायात संचालन में सुधार होगा।

न्यूज ब्रीफ

अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण बिलासपुर और रेड क्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में उपायुक्त कार्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने स्वयं रक्तदान कर किया। कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान कर सहभागिता निभाई। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। रक्त की एक यूनिट गंभीर रूप से बीमार, घायल या आपात स्थिति में जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में सहायक हो सकती है। उन्होंने युवाओं सहित आमजन से नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।

19 कृषि अधिकारियों ने सीखा आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक उपयोग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। कृषक प्रशिक्षण केंद्र सुंदरनगर में कृषि विभाग हिमाचल प्रदेश के सौजन्य से 'कृषि में रिमोट सेंसिंग एवं ड्रोन तकनीक का उपयोग' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 19 कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर डॉ. नरेश कुमार रहे। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना तथा फसल निगरानी और संसाधन प्रबंधन में उनकी क्षमता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ. ओम प्रकाश बंसल और उप-प्रधानाचार्य डॉ. जगदीश जंजीहा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। विशेषज्ञों ने रिमोट सेंसिंग, गूगल अर्थ, जीपीएस और ड्रोन तकनीक के कृषि क्षेत्र में उपयोग की जानकारी दी। ईफ्फको के सहयोग से बीज गुणक फार्म औहर, बिलासपुर का भ्रमण करवाकर ड्रोन संचालन का व्यावहारिक प्रदर्शन और अभ्यास भी कराया गया। अभिलाषी विश्वविद्यालय के कुनाल सूद ने आंकड़ों के विश्लेषण एवं कृषि में जीपीएस के अनुप्रयोग समझाए। समापन पर डॉ. बंसल ने आधुनिक तकनीकों को कृषि विभाग में प्रभावी रूप से अपनाने पर जोर दिया।

टांडा मेडिकल कॉलेज में कथित यौन उत्पीड़न मामले पर रेजिडेंट डॉक्टरों की कार्रवाई की मांग

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा महाविद्यालय व अस्पताल टांडा में ब्लड बैंक में रेजिडेंट डॉक्टर के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना को लेकर रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने प्रधानाचार्य डॉ. मिलाप शर्मा के माध्यम से प्रदेश सरकार और प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। आरडीए ने कथित रूप से आरोपी व्यक्ति जॉनी धीमान को तत्काल निलंबित करने की मांग रखी है। साथ ही भारतीय न्याय संहिता की धारा 75 और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम (POSH Act) के तहत कानूनी कार्रवाई करने और गिरफ्तारी की मांग की गई है। एसोसिएशन ने कहा कि चिकित्सकों की सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना आवश्यक है। आरडीए ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच करवाने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने का आग्रह किया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर 3 अक्तूबर 2026 तक उचित और तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो रेजिडेंट डॉक्टर 3 अक्तूबर से प्रतिदिन दो घंटे की पेन-डाउन हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं को लेकर व्यवस्था बनाए रखने की बात कही गई है। आरडीए अध्यक्ष डॉ. क्रांति और डॉ. आर्यन ने प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर उचित एवं कड़ी कार्रवाई करने का अनुरोध किया। एसोसिएशन ने कहा कि कार्यस्थल पर चिकित्सकों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

बिलासपुर में स्वच्छता व जागरूकता अभियान चलाया

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। गांधी जयंती के पूर्व जिला प्रशासन और रेड क्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में बिलासपुर शहर और आसपास की ग्राम पंचायतों के 15 प्रमुख स्थानों पर विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में करीब 650 स्वयंसेवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान किया। नगर परिषद के 11 वार्डों सहित ओयल, नौनी, रघुनाथपुरा और बामटा में पार्कों, शिक्षण संस्थानों के आसपास, राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गई। प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को एकत्र कर उचित निस्तारण किया गया। उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की दैनिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और कचरे का उचित निस्तारण करने का आह्वान किया। अभियान में रोटरी क्लब, ज्ञान-विज्ञान समिति, एनएसएस, यूथ रेड क्रॉस और एनसीसी सहित विभिन्न संस्थाओं ने भाग लिया। अतिरिक्त उपायुक्त रूपिंदर कौर ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताया।

प्रो. प्रेम कुमार धूमल से विधायक गांधी सहित विभिन्न भाजपा नेताओं ने की शिष्टाचार भेंट



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो. प्रेम कुमार धूमल से समीरपुर स्थित उनके निवास स्थान पर जिला मंडी के बल्ह विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंद्र सिंह गांधी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न संगठनात्मक एवं समसामयिक विषयों पर चर्चा की। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री एवं जिला परिषद सदस्य वंदना गुलेरिया ने भी प्रो. धूमल से मुलाकात की। उन्होंने 11 से 20 अक्तूबर तक अवाह देवी मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले शारदीय दुर्गा पूजा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उन्हें आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त, जिला बिलासपुर के तलाई मंडल अध्यक्ष डॉ. राम प्रकाश, किसान मोर्चा तलाई मंडल अध्यक्ष मुख्तार पटियाल तथा किसान मोर्चा तलाई मंडल महामंत्री राजेश गौतम ने अपने सहयोगियों सहित प्रो. धूमल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत संगठनात्मक व्यवस्था है। कार्यकर्ताओं के परिश्रम, जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता और आपसी समन्वय से ही संगठन निरंतर मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए समाज के सभी वर्गों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखना चाहिए। उन्होंने सभी से संगठन की विचारधारा और जनकल्याणकारी उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

राज्य स्तरीय स्काउट एडवांस कोर्स में सोलन के 16 स्काउट मास्टर प्रशिक्षित

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हिमाचल प्रदेश की ओर से मंडी जिले के रिवालसर स्थित राज्य प्रशिक्षण केंद्र में राज्य स्तरीय स्काउट एडवांस कोर्स आयोजित किया गया। इसमें सोलन जिले के 16 स्काउट मास्टरों सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्काउट मास्टर भूपेन्द्र कुमार ने बताया कि डीओसी मोहिंद्र पाल व डीटीसी आशीष कुमार के मार्गदर्शन में सोलन के विभिन्न स्कूलों के अध्यापकों ने एडवांस स्काउट मास्टर कोर्स पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान स्काउटिंग की उन्नत गतिविधियों, नेतृत्व क्षमता, कैंप क्राफ्ट, गांठ एवं बंधन, प्राथमिक उपचार, हाइकिंग, शिविर प्रबंधन और अनुशासन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने रिवालसर से नैना देवी मंदिर तक हाइक भी की। इस दौरान काला सरोवर व कुंदभयो सरोवर के दर्शन किए। भूपेंद्र कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव विद्यालयों में स्काउटिंग गतिविधियों को और प्रभावी बनाने में सहायक होगा। उन्होंने प्रशिक्षकों व आयोजकों का आभार जताया।

स्वयं सहायता समूहों की उपलब्धियों पर हुई चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। लक्ष्मीबाई मॉडल क्लस्टर लेवल फेडरेशन (एमसीएलएफ) बातल की वार्षिक आम सभा अंबेडकर भवन अर्की में आयोजित हुई। इसमें विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने भाग लिया। खंड विकास अधिकारी कुनिहार तन्मय कंवर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने महिलाओं के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में समूहों की उपलब्धियों, भविष्य की योजनाओं और गतिविधियों को विस्तार देने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर अनिल कुमार चौहान, अमित गौतम, वंदना ठाकुर, रोशनी भारद्वाज, रीता देवी, चंचल, यशोदा, ज्योति ठाकुर, चेतना सहित ग्राम संगठन एवं स्वयं सहायता समूहों के सदस्य मौजूद रहे।

हिमाचल में नशे के कारोबार के लिए कोई जगह नहीं : मुख्यमंत्री सुक्खू

सीएम ने कहा- एंटी-चिट्टा अभियान की सफलता में युवाओं की भूमिका अहम

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रोहड़ू की सड़कों पर वीरवार को जब सैकड़ों विद्यार्थियों की आवाज एक साथ गूंजी तो पूरा शहर नशे के खिलाफ जनजागरण का सशक्त संदेश देता नजर आया।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रोहड़ू से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने एंटी-चिट्टा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं विद्यार्थियों के साथ कदम मिलाते हुए रैली का नेतृत्व किया। 'नशा छोड़ो, जिंदगी से नाता जोड़ो' जैसे नारों से गूंजते रोहड़ू बाजार ने युवाओं को नशे से दूर रखने के संकल्प को जनअभियान का रूप दे दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी



कार्रवाई कर रही है और हिमाचल में नशे के कारोबार के लिए कोई जगह नहीं है।

उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार या पुलिस तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग को इसमें अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रदेशभर में आयोजित की जा रही एंटी-चिट्टा रैलियों और जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं और आम लोगों को चिट्टा समेत अन्य नशीले पदार्थों के गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है।

छात्रा की मांग पर सीएम ने रोहड़ू स्कूल भवन के लिए दिए दो करोड़

रोहड़ू के पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वीरवार को मुख्यमंत्री सुक्खू और विद्यार्थियों के बीच हुआ संवाद उस समय खास बन गया, जब एक छात्रा ने स्कूल के बढ़ते विद्यार्थियों के अनुरूप नए भवन की जरूरत सामने रखी। छात्रा की मांग पर मुख्यमंत्री ने विद्यालय के नए भवन के निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण के लिए यह राशि पर्याप्त नहीं हुई तो सरकार आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध करवाएगी।

एनईपी 2020 से शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव : अनुराग ठाकुर



भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि नीति के तहत विद्यार्थियों को विषय चयन में अधिक लचीलापन, कौशल आधारित शिक्षा और आधुनिक तकनीक से जुड़ने के अवसर मिल रहे हैं।

उन्होंने अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स और व्यावसायिक शिक्षा जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे उच्च शिक्षा में लचीलापन और कौशल विकास को बढ़ावा मिला है। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को भी शिक्षा में स्थान दिया गया है।

अनुराग ठाकुर ने प्रस्तावित विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 (वीबीएसए) का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा में समन्वय, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। विधेयक पर संसदीय संयुक्त समिति विभिन्न विशेषज्ञों और हितधारकों के विचार सुन रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से युवाओं की क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करें अधिकारी : भवानी सिंह पठानिया

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। संयुक्त कार्यालय भवन नूरपुर के मीटिंग हॉल में उपमंडल स्तरीय योजना, विकास एवं 20-सूत्रीय कार्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।



बैठक की अध्यक्षता राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष व फतेहपुर विधायक भवानी सिंह पठानिया ने की। पूर्व विधायक अजय महाजन भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में नूरपुर उपमंडल में विभिन्न विभागों के माध्यम से चल रही विकास योजनाओं, कार्यक्रमों तथा कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान 20-सूत्रीय कार्यक्रम के तहत विभागों की उपलब्धियों और निर्धारित लक्ष्यों की भी जानकारी ली गई। भवानी सिंह पठानिया ने अधिकारियों से लंबित विकास कार्यों की स्थिति और कार्यों में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाए। स्वीकृत योजनाओं का लाभ निर्धारित समय में पात्र लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि भूमि, बजट, तकनीकी स्वीकृति या विभागीय अनुमति जैसी किसी भी समस्या के कारण कार्य लंबित है तो संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर उसका शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने विकास कार्यों की नियमित निगरानी और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्णता पर भी जोर दिया। बैठक में एसपी नूरपुर इल्मा अफरोज, एसडीएम अरुण शर्मा सहित लोक निर्माण, जल शक्ति, बिजली, खनन तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निशू मोंगरा ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। एपीएमसी जिला अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग अध्यक्ष एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम जिला अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशू मोंगरा ने ढूगियारी, समीरपुर और भंगवार पंचायतों का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनीं।

ढूगियारी व भंगवार में लो वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को अतिरिक्त बिजली पोल लगाने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों ने भी पोल लगाने पर सहमति जताई। समीरपुर पंचायत में जेसीबी के माध्यम से रास्ता खुलवाया गया। इस दौरान कांगड़ा टोल प्लाजा की बढ़ी फीस को लेकर लोगों और जनप्रतिनिधियों ने रोष जताया। मोंगरा ने कहा कि अधूरे फोरलेन पर टोल फीस बढ़ाना लोगों पर अतिरिक्त बोझ है। उन्होंने अधिकारियों को मामले में जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए।

बुजुर्गों से संबंधित सेवाओं व कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें अधिकारी : बिट्टू

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य पर वीरवार को एनजीओ भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने मुख्यातिथि के रूप में भाग लिया।



इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को बधाई देते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि बुजुर्ग किसी भी समाज व परिवार के आधार होते हैं। उनके परिश्रम, त्याग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही हम जीवन में आगे बढ़ते हैं। इनके पास जीवन का अनुभव होता है और जो व्यक्ति बुजुर्गों का अनुसरण करता है, वह जीवन में कभी भी पीछे नहीं रहता है। सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि घर में बुजुर्गों का साया और आशीर्वाद हमें एक ऐसा अदृश्य कवच प्रदान करता है, जिसका पता हमें बुजुर्गों के इस संसार से चले जाने के बाद होता है। इसलिए, बुजुर्गों का सम्मान करना और उम्र के आखिरी पड़ाव में उनकी हर जरूरत का ख्याल रखना हमारा प्रथम कर्तव्य है। सुनील शर्मा बिट्टू ने सभी चिकित्सकों, प्रशासनिक, पुलिस और अन्य सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे बुजुर्गों से संबंधित सभी सेवाओं एवं कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि वे अपने सुझाव अवश्य साझा करें। उनके महत्वपूर्ण सुझावों को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हमेशा वरिष्ठ नागरिकों के सुझावों को सरकारी व्यवस्था में शामिल करने का प्रयास करते हैं। सुनील शर्मा बिट्टू ने कार्यक्रम में उपस्थित सबसे उम्रदराज वरिष्ठ नागरिकों 102 वर्षीय रोशन लाल पहलवान, 101 वर्षीय ख्याली राम, 94 वर्षीय रोशन लाल 'उदास' और 91 वर्षीय प्रेम दास सोनी को सम्मानित भी किया। उन्होंने सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वरिष्ठ नागरिकों प्रकाश चंद सेन, जुगल किशोर, आरसी डोगरा और हेमराज को भी सम्मानित किया। इससे पहले, जिला कल्याण अधिकारी चमन लाल शर्मा ने सभी का स्वागत किया तथा अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के इतिहास व विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। एसपी बलवीर सिंह ने बुजुर्गों से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ-साथ साईबर अपराध और नशे की समस्या पर कई अहम जानकारियां साझा कीं।

तृप्ता पब्लिक स्कूल चलवाड़ा में भव्य एडवेंचर कैंप आयोजित

रोमांचक गतिविधियों में बच्चों ने दिखाया उत्साह

भारतेन्दु संवाददाता, चलवाड़ा। तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा में विद्यार्थियों को मनोरंजन, मानसिक प्रसन्नता व तनावमुक्त वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से भव्य एडवेंचर कैंप का आयोजन किया गया।



कैंप में नर्सरी से कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न साहसिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया। कैंप का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन वरिंद्र नरियाल, प्रधानाचार्य राकेश राणा और समस्त स्टाफ ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पूजा-अर्चना के साथ किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ मनोरंजन, शारीरिक गतिविधियों और साहसिक अनुभव भी जरूरी हैं।कैंप में विद्यार्थियों के लिए स्विमिंग पूल, झूले, बुल राइड, मेल्टडाउन, आर्मी कैंप, प्रेशर रैकेट, मिकी माउस बाउंसी, जंगल बाउंसी, एंग्री बर्ड बाउंसी, आर्मी ऑप्टिकल, वॉल क्लाइंबिंग, वाटर रोलर, बॉडी रोल, नैनो कार, शिप, ट्रेन, सिक्स-सीट झूला, आर्चरी, ट्रैंपोलिन और जिप लाइन जैसी अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों के लिए मैजिक शो भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। विद्यार्थियों ने अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और रोमांच के साथ खूब मनोरंजन किया। कैंप के दौरान बच्चों के लिए भोजन की भी उचित व्यवस्था की गई। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। विद्यार्थियों ने कैंप को यादगार अनुभव बताया। चेयरमैन वरिंद्र नरियाल और प्रधानाचार्य राकेश राणा ने कैंप के सफल एवं सुचारू आयोजन के लिए आयोजकों और संबंधित टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी रचनात्मक, मनोरंजक और साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहेगा।

भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी रेललाइन को लेकर विधायक जम्वाल ने उठाए सवाल

◆ कहा- भूमि अधिग्रहण में देरी से प्रभावित हुआ प्रोजेक्ट

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी ब्रॉडगेज रेल परियोजना के भूमि अधिग्रहण को लेकर सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल ने प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए हैं। हाईकोर्ट ने बध्यात से बरमाणा तक 11.1 किलोमीटर हिस्से के लिए करीब 538 बीघा निजी भूमि से संबंधित प्रारंभिक अधिसूचना और समय-सीमा बढ़ाने वाली तीन अधिसूचनाओं को रद्द कर दिया है।



अदालत के अनुसार समय-विस्तार के लिए पर्याप्त लिखित कारण दर्ज नहीं किए गए थे। विधायक त्रिलोक जम्वाल ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया समय पर पूरी न होने से परियोजना प्रभावित हुई है। उन्होंने दावा किया कि बिलासपुर तक रेललाइन का करीब 50 किलोमीटर हिस्सा लगभग पूरा हो चुका है, जबकि बिलासपुर से बैरी तक के हिस्से के लिए भूमि अधिग्रहण लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार की ओर से समयसीमा तीन बार बढ़ाई गई, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उनका कहना है कि इससे परियोजना में देरी और लागत बढ़ने की आशंका है। हालांकि, इन अतिरिक्त देरी और लागत के आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध स्रोतों में नहीं मिली है।

त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि यह परियोजना सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और इसे आगे लेह तक विस्तार देने की योजना से जोड़ा जाता रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार से भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाने की मांग की।

बिलासपुर पुलिस ने दर्ज किए पांच मामल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने सार्वजनिक मार्ग बाधित करने, मारपीट और सड़क दुर्घटना के मामलों में पांच अलग-अलग अभियोग दर्ज किए हैं।

बरमाणा पुलिस ने सड़क पर गोलगप्पे की रेहड़ी लगाने, फुटपाथ पर सामान रखकर रास्ता रोकने तथा सड़क पर रेत के ढेर लगाकर यातायात बाधित करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 285 के तहत मामले दर्ज किए हैं। वहीं, सुंई सुराहड़ निवासी शैलेंद्र ठाकुर की शिकायत पर रास्ता रोककर मारपीट और गाली-गलौज के आरोप में तरुण कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। स्वारघाट पुलिस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर घायल करने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सभी मामलों में आगामी कानूनी कार्रवाई जारी है।

कहलूर वॉलीबाल चैंपियनशिप से बिलासपुर की प्रतिभाओं को मिला मंच

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। चेतना संस्था के सचिव एवं समाजसेवी हरीश नड्डा के प्रयासों से आयोजित 'कहलूर वॉलीबॉल चैंपियनशिप' जिले की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान कर रही है। प्रतियोगिता के माध्यम से झंडूत्ता के प्रतिभावान खिलाड़ी शब्द गौतम का चयन हुआ है, जो जिले के लिए गौरव की बात है। इसके अलावा बिलासपुर के उभरते खिलाड़ी प्रणव और अब्दुल भी भारतीय वॉलीबॉल टीम के चयन शिविर में हिस्सा लेंगे। दोनों खिलाड़ियों के पास शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम में स्थान बनाने का अवसर है। हरीश नड्डा ने शब्द गौतम को बधाई देते हुए प्रणव और अब्दुल को आगामी चयन शिविर के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को मंच, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देना है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही।

विद्यार्थियों ने रचनात्मक पोस्टरों से दिया सत्य-अहिंसा का संदेश



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती की पूर्व संध्या पर एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजनीति शास्त्र विभाग की ओर से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, स्वावलंबन और सामाजिक सद्भाव जैसे विचारों को रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किया। पोस्टरों में गांधी जी के जीवन-मूल्यों और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता को भी दर्शाया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो. दिनेश शर्मा और प्रो. शुभम आहलुवालिया रहे। उन्होंने विषयवस्तु, रचनात्मकता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर पोस्टरों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में रुद्रांशी ने प्रथम, निहारिका और स्नेहा ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा आस्था बजाज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन को सफल बनाने में राजनीति शास्त्र विभाग की सहायक आचार्या डॉ. शैलजा ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. पटियाल ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को महापुरुषों के आदर्शों और जीवन-मूल्यों से जोड़ने के साथ उनकी रचनात्मकता एवं सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा देते हैं।

ट्रक के स्पेयर टायर से 20 किलो भुक्की बरामद, चालक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नशे के खिलाफ अभियान के तहत हमीरपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक के स्पेयर टायर से 20.020 किलोग्राम भुक्की बरामद की है। थाना सदर हमीरपुर की पुलिस टीम ने बुधवार को सौर ठमाणी में नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक की जांच की। तलाशी लेने पर स्पेयर टायर में छिपाकर रखी गई भुक्की बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ट्रक चालक राजेश कुमार निवासी बस्सी, तहसील भोरंज को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ थाना सदर हमीरपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक बलवीर सिंह ने बताया कि नशे की तस्करी और आपूर्ति श्रृंखला पर रोक लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं और आमजन को जागरूक भी किया जा रहा है। पुलिस की यह कार्रवाई नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के प्रयासों का हिस्सा है।

विद्यार्थियों व स्टाफ ने लिया स्वच्छ वातावरण का संकल्प



भारतेन्दु संवाददाता, रैत। द्रोणाचार्य शिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रैत के धौलाधार ईको क्लब ने रोट्रैक्ट क्लब और एनएसएस के सहयोग से महात्मा गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा की मौजूदगी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता की शपथ ली। प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा ने कहा कि अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के महत्व का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी के स्वच्छता संबंधी विचारों को याद किया गया। विद्यार्थियों और स्टाफ ने महाविद्यालय परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान कचरे को एकत्र कर उचित स्थान पर निस्तारित किया गया और स्थ

न्यूज ब्रीफ

चित्रकार संजय कुमार को राष्ट्रीय गौरव 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में मिला सम्मान

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जमनी के ड्राइंग मास्टर एवं चित्रकार संजय कुमार को ललित कला अकादमी, नई दिल्ली की 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में प्रतिष्ठित 'नेशनल ललित कला अकादमी अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार उनकी उत्कृष्ट मिक्स मीडिया कलाकृति 'व्हेन मेमोरीज कम बैक-7' के लिए मिला। राजकीय कॉलेज ऑफ आर्ट, चंडीगढ़ से कला शिक्षा प्राप्त संजय कुमार पिछले दो दशकों से कला के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी कृतियों में अनुभवों, संवेदनाओं और आंतरिक भावों की अभिव्यक्ति दिखाई देती है। वर्ष 2012 में उनकी एक पेंटिंग गवर्नमेंट आर्ट म्यूजियम एंड गैलरी, सेक्टर-10, चंडीगढ़ के स्थायी संग्रह में शामिल हुई थी और उनका चयन 54वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए भी हुआ था। नई दिल्ली के रवींद्र भवन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में उन्हें सम्मान प्रदान किया गया। संजय कुमार ने सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनकी दो दशकों की निरंतर कला-साधना और समर्पण का परिणाम है।

भाकपा का जिला सम्मेलन 21 अक्तूबर को

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का जिला सम्मेलन 21 **अक्तूबर** को आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन की तैयारियों और रूपरेखा को लेकर मंडी जिला मुख्यालय में पार्टी की बैठक वरिष्ठ नेता कामरेड राज सिंह मंडयाल की अध्यक्षता में हुई। जिला सचिव मेघ सिंह पालसरा ने बताया कि सम्मेलन में आगामी तीन वर्षों के लिए नए जिला नेतृत्व का चुनाव किया जाएगा। बैठक में पार्टी और उससे जुड़े जनसंगठनों को मजबूत करने के लिए रणनीति तय करने के साथ देश और प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हुई। इप्टा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड शैलेंद्र ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से भविष्य में उत्पन्न होने वाले संभावित सामाजिक खतरों और इसके दुष्प्रभावों को लेकर सावधान रहने का आह्वान किया। भाकपा उत्तराखंड के पूर्व प्रदेश सचिव कामरेड समर भंडारी ने पार्टी के इतिहास और गरीब, पिछड़े तथा वंचित वर्गों के संघर्ष में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। बैठक में कामरेड देशराज, श्याम सिंह चौहान, प्रशांत मोहन, हरदेव सिंह, सुरेश सहित अन्य नेताओं ने विचार रखे।

श्री साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन का एमएड द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम रहा 100 प्रतिशत



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बढ़ानी पठानकोट कैंपस के एमएड द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर संस्थान के चेयरमैन एसके पुंज, एमडी तृप्ता पुंज और सीएमडी कंवर तुषार पुंज ने विद्यार्थियों को बधाई दी। परिणाम में अमनजीत ने 8.91 एसजीपीए प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। साक्षी और गुरमीत कौर ने 8.82 एसजीपीए के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि तान्या ने 8.55 एसजीपीए के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से कॉलेज का नाम रोशन हुआ। चेयरमैन एसके पुंज ने कहा कि शिक्षा के बिना व्यक्ति का मानसिक विकास संभव नहीं है। एमडी तृप्ता पुंज ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. नवदीप सांवल, विभागाध्यक्ष जसवंत कौर सहित कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा।

सहकारिता प्रकोष्ठ मंडल दाड़लाघाट की कार्यकारिणी का विस्तार

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। सहकारिता प्रकोष्ठ मंडल दाड़लाघाट, अर्की विधानसभा क्षेत्र की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। मंडल संयोजक परस



राम ठाकुर ने बताया कि शीर्ष नेतृत्व से चर्चा के बाद कार्यकारिणी में चार सह संयोजकों की नियुक्ति की गई है। नवनियुक्त सह संयोजकों में रतन चंद पुत्र देवीराम, गांव एवं ग्राम पंचायत मांगू; शुभम ठाकुर पुत्र नंदलाल चौहान, गांव भलग, पंचायत बुड्डा/मांगल; राकेश कुमार पुत्र जगत पाल, उपप्रधान ग्राम पंचायत कशलोग तथा प्रवीण कुमार पुत्र भूप सिंह, गांव छामला, डाकघर नवगांव शामिल हैं। परस राम ठाकुर ने कहा कि नई नियुक्तियों से सहकारिता प्रकोष्ठ के संगठनात्मक कार्यों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से सहकारिता से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने और केंद्र सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रकोष्ठ सक्रिय रूप से कार्य करेगा।

स्वरोजगार व आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के बताए गुर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में आरएएमपी योजना के तहत 'वित्तीय साक्षरता एवं केंद्र सरकार की योजनाएं' विषय पर एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता, आधुनिक बैंकिंग सेवाओं, स्वरोजगार तथा केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी एवं रोजगारोन्मुखी योजनाओं की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में आरसीईडी चंडीगढ़ से निदेशक परमजीत, सतविंदर और अनिल शर्मा ने बतौर विशेषज्ञ भाग लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता योजनाओं की जानकारी देने के साथ स्वरोजगार शुरू करने के गुर बताए। यूको बैंक घुमारवीं शाखा के प्रबंधक ने वित्तीय प्रबंधन, ऋण सुविधाओं और बैंकिंग सेवाओं के उचित उपयोग की जानकारी दी। जिला उद्योग केंद्र बिलासपुर से संगीता सोनी ने एमएसएमई क्षेत्र, सरकारी सब्सिडी और विभागीय योजनाओं के बारे में बताया तथा विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को रोजगार योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर प्राध्यापक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बिलासपुर महाविद्यालय ने युवा उत्सव में मचाया धमाल, जीता तीसरा स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला की ओर से 26 से 29 सितंबर 2026 तक राजकीय महाविद्यालय सीमा, रोहडू में अंतर महाविद्यालय युवा उत्सव ग्रुप-3 आयोजित किया गया। इसमें शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य और क्रिएटिव कोरियोग्राफी प्रतियोगिताओं में प्रदेश के 35 महाविद्यालयों के करीब एक हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के 20 विद्यार्थियों ने डॉ. मनोहर लाल, डॉ. रवि प्रकाश और प्रो. रोहिणी कांता के नेतृत्व में लोक नृत्य प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने लोक नृत्य के माध्यम से बिलासपुर की लोक संस्कृति, रीति-रिवाज, मेलों और त्योहारों की आकर्षक झलक प्रस्तुत की। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों और निर्णायक मंडल ने खूब सराहा। 32 महाविद्यालयों की टीमों के बीच बिलासपुर महाविद्यालय ने तीसरा स्थान हासिल किया। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. पी.एस. कटवाल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों का मिठाई खिलाकर स्वागत किया। उन्होंने उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत को दिया। इस अवसर पर प्रो. प्रेमजीत, प्रो. श्रवण, डॉ. रितु शर्मा, डॉ. नम्रता पठानिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

क्विज प्रतियोगिता में 'टीम-बी' रही प्रथम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल ने निम्बस अकादमी के सहयोग से 30 सितंबर और 1 अक्तूबर को दो दिवसीय करियर मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित की। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सिविल सेवा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर अवसरों की जानकारी देना रहा। निम्बस अकादमी के विशेषज्ञ दिनेश वर्मा और जीवेश ने परीक्षा पद्धति, पाठ्यक्रम, अध्ययन सामग्री और समय प्रबंधन के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध एवं निरंतर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। संवादात्मक सत्र में विद्यार्थियों ने करियर विकल्पों से जुड़े सवाल पूछे। प्राचार्य डॉ. पी.एस. कटवाल ने कहा कि सही करियर विकल्प का चयन और समय रहते तैयारी शुरू करना जरूरी है। कार्यशाला में प्रतियोगी परीक्षाओं एवं सामान्य जागरूकता पर क्विज भी आयोजित हुई, जिसमें 'टीम-बी' विजेता रही। कार्यक्रम का आयोजन समन्वयक डॉ. नम्रता पठानिया के नेतृत्व में हुआ। समापन पर उन्होंने सभी सहयोगियों का आभार जताया।

प्रस्तावित पांच मंजिल से बढ़कर अब नौ मंजिल तक बनेगा हमीरपुर का बस अड्डा

बजट बढ़कर पहुंचा 197 करोड़, 72 कनाल भूमि पर बन रहा बस अड्डा आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर के लिए प्रस्तावित नए बस अड्डे के लिए वर्तमान सरकार ने बजट को बढ़ाकर अब न केवल 197 करोड़ कर दिया है, बल्कि इसे पांच मंजिल से बढ़ाकर अब नौ मंजिल तक बनाया जा रहा है।



इससे पहले इसे पांच मंजिल तक बनाना स्वीकृत कर करीब 70 करोड़ के बजट का प्रावधान किया था। बतातें चलें कि 72 कनाल की भूमि पर बनने वाले इस बस अड्डे का निर्माण मुख्यमंत्री के आदेशों पर डेढ़ वर्ष में पूरा किया जा रहा है। काबिलेगौर है कि हमीरपुर में प्रस्तावित नए बस अड्डे के निर्माण को लेकर पिछले करीब 14 वर्षों से हर सरकार निर्माण को लेकर अपने हाथ पिछे खींचती आई, लेकिन वर्तमान सरकार ने आते ही इसे बनाने को हाथ बढाए। वर्ष 2004 में टाऊन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने आने वाले अगले बीस वर्षो में बसों के आवागमन की अधिकतता बढ़ने को लेकर नए बस अड्डे के निर्माण करने का तर्क सरकार को दिया था। इसके बाद वर्ष 2011 में नए बस अड्डे के निर्माण के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने इसका शिलान्यास किया। धूमल क ` शिलान्यास के बाद प्रदेश में कांग्रेस सरकार आ गई और ये काम पांच साल खटाई में पड़ा रहा। यहीं नहीं वर्ष 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार भी रही, लेकिन इसके निर्माण पर कोई कार्यवाही न हो पाई। हर बार तर्क दिया जा रहा कि इस स्थान पर पहले से स्थित गहरी खाई को भरने के लिए खासा खर्चा आएगा। नतीजतन न तो किसी कंपनी ने यहां निर्माण करने को लेकर हामी भरी न ही इसे पीपी मोड पर बनाया जा सका। इस बार मुख्यमंत्री बनने के बाद सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इसे बनाने पर जोर दिया है।

चर्चाओं में रहा शिलान्यास, 771 मदर्स ट्री की ली गई बली

इससे पहले वर्ष 2011 में इस बस अड्डे का निर्माण पक्का भरों के साथ लगती भूमि पर करना निश्चित हुआ, लेकिन कुछ राजनीतिक महत्वकांक्षाओं के कथित व्यवसाय को साधने के लिए इसे कृष्णा नगर की तरफ मोड़ दिया गया। अब जिस स्थान को चुना गया, वहां उस समय 771 ऐसे चील के पेड़ों की बली ले ली गई, जो मदर्स ट्री थे। यहां करीब छोटे बड़े 12 सौ पेड़ वर्ष 2011 में काट दिए गए। पेड़ों को करीब 14 वर्ष पूर्व ही काट कर अब जाकर बस अड्डे का निर्माण शुरू हुआ है।

पहले तीन मंजिल के निर्माण में ये सुविधाएं रहेगी उपलब्ध

बस अड्डे के निर्माण के दौरान पहले तीन मंजिल तक का निर्माण होगा। तीन मंजिल तक बनने वाले इस बस अड्डा में बेसमेंट से लेकर एक मंजिल तक कार पार्किंग, अगली दो मंजिल में बसें खड़ी करने की व्यवस्था सहित परिवहन निगम के कार्यालय, विश्राम गृह एवं दुकानों के लिए स्थान बनेगा।

लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता दीपक कपिल ने बताया कि अब इस बस अड्डे का बजट बढ़ाकर 197 करोड़ कर दिया गया है, जिसे तय समय के भीतर पांच से बढ़ाकर नौ मंजिल तक बनाया जाएगा।

जिला स्तरीय एकीकृत खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू

भारतेन्दु, संवाददाता, मंडी। जिला स्तरीय एकीकृत खेलकूद प्रतियोगिता-2026 का दो दिवसीय आयोजन पड्डल मैदान में शुरू हुआ। प्रतियोगिता में विशेष आवश्यकता वाले 77 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया है। इसका उद्देश्य बच्चों को खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ नए अनुभव और व्यापक अवसर प्रदान करना है। पड्डल मैदान में खिलाड़ियों और शिक्षकों का भारतीय संस्कृति के अनुरूप तिलक लगाकर एवं मिष्ठान खिलाकर स्वागत किया गया। बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

जिला कल्याण अधिकारी समीर ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के बाद विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक मार्च-पास्ट किया और खेल भावना की शपथ ली। प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन और बोच्चिया सहित विभिन्न खेल आयोजित किए जा रहे हैं।

भव्य शोभायात्रा के साथ शुरू होगा दो दिवसीय जिला स्तरीय सीर उत्सव

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। प्राकृतिक, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण को समर्पित दो दिवसीय जिला स्तरीय सीर उत्सव का शुभारंभ भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री एवं स्थानीय विधायक राजेश धर्माणी उत्सव का शुभारंभ करेंगे।



उत्सव के तहत 2 अक्तूबर को सुबह 6 बजे घुमारवीं पुल के पास मैराथन आयोजित होगी। इसका उद्देश्य युवाओं व आमजन को स्वस्थ जीवनशैली तथा खेल गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना है। इसके बाद ऐतिहासिक रुक्मणी कुंड में पूजा-अर्चना कर पवित्र जल को सीर खड्डु में प्रवाहित किया जाएगा। इसके उपरांत भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें क्षेत्र की लोक संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी। उत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महिलाओं और युवाओं के लिए खेल प्रतियोगिताएं भी होंगी। पहली बार रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें करीब 15 से 20 प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। कंपनियां युवाओं की योग्यता और कौशल के आधार पर रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निशुल्क बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। इसके अलावा सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने के लिए रक्तदान शिविर भी आयोजित होगा। राजेश धर्माणी ने क्षेत्रवासियों से उत्सव में अधिक से अधिक भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विरासत संरक्षण के साथ युवाओं, महिलाओं और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देते हैं।

बायोमेडिकल कचरे के उचित प्रबंधन को लेकर आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। आयुष विभाग, उपमंडल पुराना कांगड़ा के अंतर्गत आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों के लिए बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में बायोमेडिकल कचरे के उचित प्रबंधन, सुरक्षित निस्तारण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रशिक्षण में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, धर्मशाला से वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. रमाकांत अवस्थी और कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी पूजा कौंडल ने विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को बायोमेडिकल कचरे के सुरक्षित प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस दौरान कचरे का सही पृथक्करण, रंग-कोडित कूड़ेदान का उपयोग, सुरक्षित संग्रहण एवं निस्तारण, संक्रमण से बचाव तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के पालन के बारे में विस्तार से बताया गया। चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने स्वास्थ्य संस्थानों में बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन के नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के साथ नगर निगम कांगड़ा के सहयोग से स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य संस्थानों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई की गई तथा कचरे के उचित निस्तारण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम उपमंडल आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. बबिता गौतम के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता और सुरक्षित अपशिष्ट प्रबंधन संक्रमण की रोकथाम के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जरूरी है।

अर्की में बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

एसपी सोलन और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जुटाए साक्ष्य

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत दधोगी के कड़याह गांव में चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया।



चोरी की वारदात का पता बुधवार को घर लौटने पर चला। पीड़ित परिवार ने तत्काल पुलिस को सूचना देकर शिकायत दर्ज करवाई। बाबूराम मेहता ने पुलिस को बताया कि वह और उनकी पत्नी शीला देवी 26 सितंबर की शाम करीब पांच बजे घर पर ताला लगाकर शिमला में अपने बेटे-बहू के पास गए थे। बुधवार को वापस लौटने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के ताले तथा ट्रंक के कुंडे भी टूटे हुए थे। परिवार ने घटना की सूचना अर्की थाना पुलिस के साथ ग्राम पंचायत दधोगी के प्रधान भूपेंद्र शर्मा को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी हरिचंद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिवार के अनुसार चोर सोने का मंगलसूत्र, अंगूठियां, झुमके व टॉप्स, चांदी की पायलें सहित अन्य आभूषण और नकदी ले गए हैं। चोरी हुए सामान का विवरण पुलिस को सौंप दिया गया है। वीरवार को एसपी सोलन, डीएसपी दाड़लाघाट नवीन झालटा, फोरेंसिक टीम और पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने टूटे ताले, अलमारियों, ट्रंक और अन्य स्थानों की बारीकी से जांच कर संभावित साक्ष्य जुटाए। साक्ष्यों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। एसपी सोलन ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रही है। पीड़ित परिवार ने चोरी हुआ सामान जल्द बरामद करने की मांग की है।

जयसिंहपुर के पूर्व विधायक रविंद्र धीमान ने सादगी व आत्मीयता के साथ मनाया जन्मदिन



भारतेन्दु संवाददाता, जयसिंहपुर। जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रविंद्र धीमान ने वीरवार को आलमपुर के जांगल स्थित अपने पैतृक निवास पर सादगी व आत्मीयता के साथ जन्मदिन मनाया।

इस अवसर पर भाजपा मंडल पंचरुखी, जयसिंहपुर व आलमपुर की ओर से उनके निवास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडलों व मोर्चों के अध्यक्ष, महामंत्रियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर रविंद्र धीमान को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान केक काटा गया और कार्यकर्ताओं ने उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर रविंद्र धीमान ने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, शुभचिंतकों व क्षेत्रवासियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता और कार्यकर्ताओं का स्नेह, विश्वास व अपनापन उनके लिए जीवन का सबसे बड़ा उपहार है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं का स्नेह व विश्वास उन्हें सदैव जनसेवा के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के साथ उनका यह आत्मीय जुड़ाव निरंतर बना रहेगा। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं व क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे आयोजन में आत्मीयता एवं पारिवारिक अपनत्व का माहौल रहा।

गांधी जयंती पर प्रताप वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाली भव्य शांति मार्च

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर प्रताप वर्ल्ड स्कूल, इंदौरा चनौर में विद्यार्थियों ने शांति, अहिंसा, स्वच्छता व सामाजिक सद्भावना का संदेश देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया।



विद्यालय की प्रधानाचार्य रेणु परमार और एमडी डॉ. रिचा महाजन के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने भव्य शांति मार्च निकालकर लोगों को गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिसर से शुरू हुई शांति मार्च में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उनके हाथों में सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, शांति व सद्भावना से जुड़े संदेशों वाली तख्तियां थीं। विद्यार्थियों ने 'सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाएं', 'शांति व सद्भाव बनाए रखें' तथा 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' जैसे नारों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। मार्च ने स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

मार्च के समापन पर विद्यार्थियों ने इंदौरा के एसडीएम सुरेंद्र ठाकुर को शांति व सद्भावना से संबंधित अपना संदेश सौंपा। विद्यार्थियों ने गांधी जी के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा समाज में भाईचारा और आपसी सद्भाव मजबूत करने का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य रेणु परमार ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा, अनुशासन और मानवता के मूल्यों की प्रेरणा देता है। वहीं, एमडी डॉ. रिचा महाजन ने कहा कि नई पीढ़ी को गांधी जी के विचारों से परिचित करवाना आवश्यक है।

उन्होंने विद्यार्थियों की पहल की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और स्टाफ ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, शांति तथा सामाजिक सद्भावना को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हर वर्ग ने दी मेजर विजय सिंह मनकोटिया को श्रद्धांजलि : कमल कुमार शर्मा

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। पूर्व मंत्री व शाहपुर के वरिष्ठ नेता मेजर विजय सिंह मनकोटिया की अंतिम यात्रा में विभिन्न राजनीतिक दलों और विचारधाराओं से जुड़े लोगों समेत समाज के हर वर्ग ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम यात्रा में उमड़ी भीड़ उनके व्यापक जनसंपर्क व लंबे सार्वजनिक जीवन में लोगों से बने जुड़ाव को दर्शाती रही। भाजपा जनजाति मोर्चा हिमाचल प्रदेश के प्रदेश महामंत्री कमल कुमार शर्मा ने कहा कि मेजर विजय सिंह मनकोटिया का निधन शाहपुर के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि मेजर साहब ने पांच बार विधानसभा में शाहपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए क्षेत्र की आवाज को मजबूती से उठाया। उनका राजनीतिक जीवन संघर्ष, स्पष्टवादिता और जनमुद्दों को प्रमुखता से रखने के लिए याद किया जाएगा। शर्मा ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि वे बचपन से ही मेजर साहब को देखते और उनके कार्यक्रमों में उनसे मिलने का अवसर पाते रहे। उन्होंने कहा कि राजनीति और सामाजिक विषयों पर उनसे बातचीत के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा कि मेजर साहब आम लोगों से सहजता और आत्मीयता से मिलते थे तथा छोटे-बड़े सभी को सम्मान देते थे। शर्मा ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर बिलासपुर में सुरक्षा चाक चौबंद, 500 से अधिक पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 6 अक्तूबर को प्रस्तावित बिलासपुर दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा, यातायात तथा अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है।

डीसी राहुल कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने बिलासपुर सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रपति के दौरे की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्लान की जानकारी दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आनंदपुर साहिब होते हुए श्री नयना देवी जी पहुंचकर माता के दर्शन करेंगी। इसके बाद वे आनंदपुर साहिब जाएंगी और वहां से एम्स बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। कार्यक्रम के दौरान मातानयना देवी मंदिर में जाएगी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति मनाली के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे क्षेत्र को विभिन्न सेक्टरों में बांटा गया है। सुरक्षा व्यवस्था में 500 से अधिक पुलिसकर्मी एवं अधिकारी तैनात रहेंगे। इसके अलावा होमगार्ड, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी आवश्यक स्थानों पर तैनात रहेंगी। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे क्षेत्र को नो-ड्रोन जोन घोषित किया गया है। निर्धारित सुरक्षा क्षेत्र में हथियार लेकर जाने तथा पांच या उससे अधिक लोगों के एक स्थान पर एकत्रित होने पर प्रतिबंध रहेगा। पुलिस और प्रशासन ने लोगों से सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।



घागस व नौणी से लागू होगा ट्रैफिक डायवर्जन

आम जनता और मरीजों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन ने विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। सुबह 10 बजे के बाद घागस और नौणी से डायवर्जन प्लान लागू रहेगा। इस दौरान भारी वाहनों, ट्रकों और निर्माण कार्य से जुड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी। हालांकि, एंबुलेंस, मरीजों को ले जाने वाले वाहनों तथा निजी वाहनों को आवश्यकतानुसार आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। प्रशासन ने लोगों से निर्धारित ट्रैफिक प्लान का पालन करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की ।

आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन का समय निर्धारित

राष्ट्रपति के श्री नयना देवी जी मंदिर दौरे के चलते 6 अक्तूबर को आम श्रद्धालुओं के लिए सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक दर्शन की व्यवस्था रहेगी। इसके बाद दोपहर 1 बजे से मंदिर में दर्शन सामान्य रूटीन के अनुसार फिर शुरू कर दिए जाएंगे।

4 से 6 अक्तूबर तक ड्रोन और पैराग्लाइडिंग पर रहेगा प्रतिबंध

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राष्ट्रपति के 6 अक्तूबर 2026 को प्रस्तावित बिलासपुर दौरे के मद्देनजर जिला प्रशासन ने कानून एवं व्यवस्था तथा मानव सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की है। जिला दंडाधिकारी बिलासपुर राहुल कुमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार जिले में 4 अक्तूबर से 6 अक्तूबर शाम 5 बजे तक ड्रोन, पैराग्लाइडर और पैरासेलिंग के उड़ान एवं संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

इस अवधि में अस्त्र-शस्त्र, गोला-बारूद, दूर से मार करने वाले हथियार, तेजधार हथियार अथवा अन्य ऐसे हथियार लेकर चलने पर भी रोक रहेगी, जिनसे कानून-व्यवस्था और मानव सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका हो। आदेश पुलिस बल और अधिकृत सुरक्षा कर्मियों पर लागू नहीं होगा। प्रशासन ने सभी संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थानों से आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

बुजुर्ग हमारे परिवार व समाज की जीवंत विरासत : कुलपति

खूबसूरत एथलीट एंड्रिया वर्गास

एंड्रिया वर्गास कोस्टा रिका की प्रसिद्ध एथलीट हैं, जो 100 मीटर बाधा दौड़ में विशेषज्ञ हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में कोस्टा रिका का प्रतिनिधित्व किया है।



स्पोर्ट्स विंडो

एशियन गेम्स में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने जीता कांस्य पदक

एजेंसी, नागोया। भारतीय महिला स्क्वैश टीम को एशियाई खेल 2026 के सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। रोमांचक मुकाबले में हांगकांग ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। पहले मुकाबले में अनाहत सिंह ने शानदार शुरुआत करते हुए हांगकांग की सिन युक चान के खिलाफ पहला गेम 11-9 से अपने नाम किया। स्कोर 8-7 होने के बाद अनाहत ने दबाव में संयम बनाए रखा। दूसरे गेम में 8-8 की बराबरी के बाद उन्होंने लगातार तीन अंक लेकर गेम 11-8 से जीत लिया और मुकाबले में 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद सिन युक चान ने वापसी की। तीसरे गेम में अनाहत की लय थोड़ी प्रभावित हुई और चान ने 8-4 की बढ़त बनाने के बाद गेम 11-6 से जीत लिया। चौथे गेम में अनाहत ने फिर अच्छी शुरुआत की और 6-3 की बढ़त बनाई। उनके पास तीन मैच प्वाइंट भी आए, लेकिन चान ने शानदार खेल दिखाते हुए तीनों बचा लिए और स्कोर 10-10 कर दिया। इसके बाद अनाहत एक और मैच प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सकीं और चान को स्ट्रोक मिलने के बाद मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंच गया। भारत ने इसके बाद तन्वी खन्ना की शानदार वापसी से सेमीफाइनल में बराबरी हासिल की। तान्वी ने अपने से 33 स्थान ऊपर रैंकिंग वाली हांगकांग की ली का यी को 3-1 से हराया।

भारतीय तीरंदाज गणेश थिरुमुरु ने कंपाउंड व्यक्तिगत में जीता कांस्य

एजेंसी, नागोया। भारतीय तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने वीरवार को एशियाई खेल 2026 की पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत तीरंदाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया। कांस्य पदक मुकाबले में गणेश ने वियतनाम के कोंग डुक डांग को 149-144 से हराकर पोडियम पर जगह बनाई। गणेश ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। पहले सेट में उन्होंने लगातार तीन 10 अंक हासिल किए, जबकि डांग ने 10, 9 और 10 अंक जुटाए। इसके साथ गणेश ने 30-29 की बढ़त बनाई। दूसरे सेट में भी भारतीय तीरंदाज ने तीनों तीरों पर 10 अंक हासिल किए, जबकि डांग के खाते में 10, 9 और 10 अंक आए। गणेश ने अपनी बढ़त बढ़ाकर 60-58 कर ली। तीसरे सेट में दोनों तीरंदाजों ने तीनों प्रयासों में 10-10 अंक हासिल किए। इसके बावजूद गणेश की कुल बढ़त बरकरार रही और स्कोर 90-88 रहा। चौथे सेट में गणेश ने 10, 9 और 10 अंक जुटाए, जबकि डांग ने 9, 10 और 9 अंक हासिल किए। गणेश ने 119-116 की बढ़त के साथ अंतिम सेट में प्रवेश किया। पांचवें और अंतिम सेट में गणेश ने लगातार तीन 10 अंक लगाए। वहीं डांग 8, 10 और 10 अंक ही हासिल कर सके। गणेश ने कुल 149 अंक जुटाए, जबकि डांग 144 अंक हासिल कर सके।

एशियाई खेल: मानसी, अमन, यामिनी मौर्या कुश्ती के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, नागोया। भारतीय पहलवान मानसी और अमन ने गुरुवार को एशियाई खेल 2026 में अपने-अपने वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्या ने भी शानदार जीत के साथ अंतिम आठ में प्रवेश किया। महिलाओं के 62 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में मानसी ने कजाकिस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 6-1 से हराया। 59 किग्रा वर्ग की पूर्व विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता मानसी ने पूरे मुकाबले में नियंत्रण बनाए रखा और आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने इस साल बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज में भी कुजनेत्सोवा को हराया था।

एशियन गेम्स: भारत-पाक में होगा क्रिकेट का फाइनल

टीम इंडिया ने श्रीलंका को 124 रन से हराया, ईशान ने बनाए 80 रन

एजेंसी, निशिन

भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमें एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत ने जापान के निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट झटके। 3 बल्लेबाज रनआउट हुए। ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की पारी खेली। वैभव सूर्यवंशी ने भी 21 गेंदों पर 38 रन बनाए।

10वें ओवर में श्रीलंका की पारी 45 रन पर ऑलआउट हो गई।



भारत ने यह मुकाबला 134 रन से जीत लिया है। 10वें ओवर में भारत ने लगातार तीन विकेट लिए। 9.3 पर तिलक वर्मा ने थारिंदु रत्नायके को 5 रन पर रन आउट किया। 9.4 पर अभिषेक शर्मा ने चमिका करुणारत्ने को 4 रन पर स्टंपिंग कराया, जबकि अगली गेंद पर बिनुरा फर्नांडो को बोल्ड कर दिया। यह अभिषेक का दूसरा विकेट रहा। बता दें कि एशियन गेम्स 2026 पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 3 अक्टूबर को कोरोगी एथलेटिक पार्क, आइची में खेला जाएगा।

बुमराह को पहले ओवर में 2 विकेट

बुमराह ने पहले ही ओवर में 2 विकेट लिए। उन्होंने 0.2 ओवर में सिनेत जयवर्धना को एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद 0.5 ओवर में सोहान डी लिवेरा का विकेट लिया। लिवेरा का कैच संजू सैमसन ने एक हाथ से शानदार डाइव लगाकर पकड़ा। ओवर की आखिरी गेंद पर नुवानिडु फर्नांडो ने अंदरूनी किनारा लगाकर एक रन लिया।

पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया

पाकिस्तान ने मेंस क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। यह मैच बारिश से प्रभावित हुआ। इसे 13-13 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट पर 111 रन बनाए। पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में 4 विकेट पर जीत हासिल कर ली। बांग्लादेशी गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट तो चटकाए लेकिन वे पाकिस्तानी बल्लेबाजों की रन गति पर लगाम लगाने में पूरी तरह नाकाम रहे।

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम फाइनल में पहुंची

आखिरी मिनट में गोलकर पाकिस्तान को 4-3 से हराया



एजेंसी, नागोया

भारत ने बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन गेम्स मेंस हॉकी के फाइनल में जगह बना ली है। अभिषेक ने मैच के आखिरी मिनट में गोल कर भारत को जीत दिलाई। पाकिस्तान के गोलकीपर ने उसे रोक दिया और रिबाउंड भी बचा लिया। इसके तुरंत बाद भारत ने गोल कर दिया। अभिषेक के शॉट पर पाकिस्तान की स्टिक से गेंद डिफ्लेक्ट होकर गोल में चली गई। गोल्ड मेडल के लिए 3 अक्तूबर को भारत का सामना कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

23 मिनट में ही 3-0 से आगे हो गया था भारत

भारत ने मैच के 23वें मिनट तक 3-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद पाकिस्तान ने अगले 26 मिनट में तीन गोल कर मैच 3-3 से बराकर कर दिया। 59 मिनट तक मैच बराबरी पर था। फाइनल हूटर बजने से करीब 50 सेकेंड पहले अभिषेक ने फील्ड गोल कर भारत को जीत दिला दी।

विश्वकप जीतने का एहसास फिर से चाहता हूं: रोहित शर्मा

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की नजरें 2027 में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप पर टिकी हैं। टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा आज रात 8:30 बजे से जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर की जाएगी। जियोस्टार से बातचीत में रोहित ने



कप्तान शुभमन गिल, 2027 विश्वकप की तैयारियों और भारत के लिए एक और विश्वकप जीतने की अपनी इच्छा पर बात की। शुभमन गिल की कप्तानी के बारे में रोहित ने कहा कि गिल का क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है और कप्तान के तौर पर अभी उनके प्रदर्शन का आकलन करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल का क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है, इसमें कोई शक नहीं। वह करीब एक साल से कप्तानी कर रहे हैं इसलिए इतनी जल्दी उनके कप्तान के रूप में आकलन करना उचित नहीं होगा। लेकिन मैंने उन्हें जितना देखा है, वह प्रभावशाली रहे हैं। वह जो चाहते हैं, उसे लेकर बहुत स्पष्ट हैं। कप्तान के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। अगर कप्तान स्पष्ट है तो उसके आसपास के खिलाड़ी भी स्पष्ट रहेंगे। शुभमन के साथ मुझे यही नजर आता है। वह जानता है कि उसे क्या चाहिए और सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। निश्चित तौर पर किसी भी कप्तान को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के समर्थन की जरूरत होती है। मुझे यकीन है कि मैं जिस भी तरह उसकी मदद कर सकता हूं, करूंगा।

नौकायन में मनु और प्रिंस ने जीता रजत

चीन की टीम ने स्वर्ण पदक और हांगकांग ने कांस्य पदक हासिल किया

एजेंसी, नागोया

भारत के मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने एशियाई खेल 2026 में नौकायन की पुरुष स्किफ 49er (फॉर्टिनाइनर) स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत को इस संस्करण का पहला नौकायन पदक दिलाया। चीन के वेन जैडिंग और लियू तान ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि हांगकांग ने कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय जोड़ी ने नौ रेस की प्रतियोगिता में कुल 23 नेट अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की जोड़ी 16 अंक के साथ पहले और हांगकांग की जोड़ी 24 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत को मुश्किल शुरुआत का सामना करना पड़ा और आठवीं रेस के बाद टीम चौथे स्थान पर खिसक गई थी। हालांकि, मनु और प्रिंस ने अंतिम यानी नौवीं रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए जोरदार वापसी की और कुल तालिका में दूसरा स्थान हासिल



कर रजत पदक पक्का किया। भारतीय जोड़ी ने प्रतियोगिता के दौरान लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और एक रेस में जीत भी दर्ज की। मनु फ्रांसिस और प्रिंस नोबल के लिए यह पदक 49er वर्ग में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन का परिणाम है। दोनों ने जनवरी 2026 में मुंबई में आयोजित यॉटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की एशियाई खेल चयन ट्रायल-2 में पहला स्थान हासिल किया था। इससे पहले दोनों ने 2023 एशियाई नौकायन चैंपियनशिप और 2023 यॉटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया सीनियर राष्ट्रीय नौकायन चैंपियनशिप में 49er वर्ग में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2022 में अबू धाबी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता में भी 49er/स्किफ वर्ग का कांस्य पदक हासिल किया था। केरल के प्रिंस नोबल 49er वर्ग में मनु फ्रांसिस के साथ जोड़ी बनाकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

देवीदत्त तनवर बने भारतीय खो-खो संघ की टूर्नामेंट रिकॉर्ड कमेटी के चेयरमैन

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन के खो-खो से जुड़े देवीदत्त तनवर को भारतीय खो-खो संघ में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संघ की ओर से 30 सितंबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार देवीदत्त तनवर को टूर्नामेंट रिकॉर्ड कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। भारतीय खो-खो संघ ने 2025-29 कार्यकाल के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया है। इनमें टूर्नामेंट रिकॉर्ड कमेटी में देवीदत्त तनवर को हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए चेयरमैन बनाया गया है। कमेटी में संजय इंगले को कन्वीनर और जितेंद्र त्यागी को को-कन्वीनर नियुक्त किया गया है। देवीदत्त तनवर की नियुक्ति को सोलन और हिमाचल के खो-खो खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस जिम्मेदारी के तहत टूर्नामेंट से जुड़े रिकॉर्ड और संबंधित कार्यों में उनकी भूमिका रहेगी। भारतीय खो-खो संघ की राष्ट्रीय समिति में हिमाचल से देवीदत्त तनवर को चेयरमैन की जिम्मेदारी मिलना प्रदेश के लिए भी उल्लेखनीय है। उनकी नियुक्ति की जानकारी सामने आने के बाद खेल जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई दी है।



सेंसेक्स 570 और निफ्टी 198 अंक फिसला

एफआईआई की बिकवाली और कमजोर रुपए से शेयर बाजार धड़ाम

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में 1 अक्टूबर को लगातार चौथे दिन गिरावट रही। सेंसेक्स 570 अंक यानी 0.79 प्रतिशत टूटकर 71,910 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 198 अंक यानी 0.88 प्रतिशत गिरकर 22,422 पर आ गया। बाजार में ऑटो और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी बाजार पर दबाव का प्रमुख कारण रही। इस सप्ताह बुधवार तक विदेशी निवेशक करीब 29 हजार करोड़ रुपये के शेयर बेच चुके थे।

इसके अलावा अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी ने भी भारतीय बाजार



को प्रभावित किया। 10 साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 5.33 प्रतिशत और 30 साल के बॉन्ड की यील्ड 5.67 प्रतिशत तक पहुंच गई।

सुरक्षित सरकारी प्रतिभूतियों में अधिक रिटर्न मिलने से विदेशी निवेशकों का रुझान शेयरों से हटकर बॉन्ड की ओर बढ़ा। वहीं, डॉलर के मजबूत होने से भारतीय रुपया भी कमजोर होकर 95.98 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आ गया। इससे बाजार में दबाव और बढ़ा।

हालांकि, डिजिटल ऋण मंच मनीव्यू के शेयरों ने शानदार शुरुआत की। 34 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले शेयर 61.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 55 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। इस आईपीओ को 98.46 गुना अभिदान मिला था। उधर, एशियाई बाजारों में तेजी रही, जबकि अमेरिकी बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला।

अक्टूबर की शुरुआत में सोने में तेजी, चांदी की कीमतों में गिरावट जारी

एजेंसी, मुंबई। अक्टूबर महीने की शुरुआत सोने की कीमतों में तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के भाव में गिरावट दर्ज की गई। एक अक्टूबर की सुबह राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,48,930 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई। वहीं 22 कैरेट सोना 1,37,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर रहा। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु में 24 कैरेट सोने का भाव 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। इन शहरों में 22 कैरेट सोना 1,37,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर रहा। घरेलू बाजार में सोने की कीमतों को स्थानीय मांग के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार के रुझानों से भी सहारा मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोने का भाव 4,152.86 डॉलर प्रति औंस रहा। इसके विपरीत चांदी की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है।

ब्रॉडबैंड में बीएसएनएल का शानदार प्रदर्शन

स्पीड, लेटेंसी और स्ट्रीमिंग में बीएसएनएल का प्रदर्शन निजी कंपनियों से बेहतर

एजेंसी, नई दिल्ली

कभी भारी वित्तीय संकट और बढ़ते कर्ज के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच चुकी भारत संचार निगम लिमिटेड ने स्थिर इंटरनेट सेवाओं में उल्लेखनीय वापसी दर्ज की है। फ्रांसीसी नेटवर्क परीक्षण संस्था 'एनपरफ' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत संचार निगम लिमिटेड ने स्थिर इंटरनेट सेवाओं के प्रदर्शन में देश की निजी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। कंपनी ने 89,174 अंक का प्रदर्शन दर्ज किया, जबकि भारती एयरटेल को 74,975 और रिलायंस जियो को 73,957 अंक मिले।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत संचार निगम लिमिटेड की डाउनलोड गति में सालाना 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 78.5 मेगाबिट प्रति सेकंड तक पहुंच गई। कंपनी ने अपलोड गति, इंटरनेट पर पन्ने खोलने, विलंबता और वीडियो देखने के अनुभव के मामले में भी



◆ रिवाइवल पैकेज के बाद बीएसएनएल ने ब्रॉडबैंड क्षेत्र में शानदार वापसी दर्ज की

बेहतर प्रदर्शन किया। वर्तमान में कंपनी के पास देश के इंटरनेट बाजार में करीब 15.45 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

कंपनी के प्रदर्शन में सुधार के पीछे जुलाई 2022 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से मंजूर किया गया 1.64 लाख करोड़ रुपये का पुनरुद्धार पैकेज और भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड के साथ विलय प्रमुख कदम माने जा रहे हैं। भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड के 5.67 लाख किलोमीटर लंबे प्रकाश तंतु नेटवर्क के नियंत्रण से कंपनी के बुनियादी ढांचे को भी मजबूती मिली है।

भारत संचार निगम लिमिटेड की जड़ें 1851 के ईस्ट इंडिया कंपनी के तार नेटवर्क से जुड़ी हैं। वर्ष 2000 में गठन के बाद कंपनी ने देशभर में संचार सेवाओं का विस्तार किया। हालांकि, वित्तीय संकट और करीब 20,000 करोड़ रुपये के कर्ज के बीच इसकी तार सेवा जुलाई 2015 में बंद हो गई थी। अब तकनीकी सुधारों के बाद कंपनी तेज इंटरनेट सेवाओं में फिर अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

अनूप साहा होंगे कोटक महिंद्रा बैंक के नए प्रबंध निदेशक और सीईओ

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कोटक महिंद्रा बैंक के अगले प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में अनूप कुमार साहा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। बैंक ने गुरुवार को बताया कि उनकी नियुक्ति एक जनवरी 2027 से प्रभावी होगी और कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा। वर्तमान में अशोक वासवानी बैंक के एमडी एवं सीईओ हैं। अब बैंक का निदेशक मंडल नियुक्ति को औपचारिक रूप देने और इसके लिए सदस्यों की मंजूरी लेने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा। साहा फिलहाल बैंक के पूर्णकालिक निदेशक हैं। वह जनवरी 2026 में कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े थे और मार्च से खुदरा बैंकिंग, आंकड़ा विश्लेषण तथा विपणन का दायित्व संभाल रहे हैं। इससे पहले वह बजाज फाइनेंस में कई वरिष्ठ पदों पर रहे और अंतत: प्रबंध निदेशक एवं सीईओ बने। उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक में भी 14 वर्ष तक विभिन्न पदों पर काम किया। साहा आईआईटी खड़गपुर से बीटेक और आईआईएम लखनऊ से एमबीए हैं। बैंक के अध्यक्ष सीएस राजन और वर्तमान सीईओ अशोक वासवानी ने उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया।

◆ तीन साल के लिए कोटक बैंक के एमडी-सीईओ होंगे अनूप कुमार साहा

राजस्व रिफंड घटाने के बाद सितंबर में शुद्ध जीएसटी राजस्व 18.1 प्रतिशत बढ़ा

जीएसटी संग्रह 14.7 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली

सितंबर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में 14.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार सितंबर में कुल जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़कर 2,03,521 करोड़ रुपये हो गया। इसमें घरेलू स्तर पर प्राप्त जीएसटी और आयातित माल एवं सेवाओं से मिले कर राजस्व दोनों का योगदान रहा। घरेलू जीएसटी संग्रह सितंबर में 10.1 प्रतिशत बढ़कर 1,37,996 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि आयातित माल एवं सेवाओं पर कर से प्राप्त राजस्व में 25.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 65,525 करोड़ रुपये रहा। घरेलू स्तर पर केंद्रीय जीएसटी संग्रह 37,762 करोड़ रुपये तथा राज्यों का जीएसटी संग्रह 45,363 करोड़ रुपये रहा। वहीं, एकीकृत जीएसटी से सरकार को 54,871 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

सितंबर के दौरान सरकार ने कारोबारियों को कुल 27,001 करोड़



रुपये का जीएसटी रिफंड भी जारी किया। यह राशि पिछले वर्ष सितंबर की तुलना में तीन प्रतिशत कम रही। इसमें देश में बने उत्पादों पर जीएसटी रिफंड 13.5 प्रतिशत घटकर 13,504 करोड़ रुपये रह गया, जबकि आयातित माल पर जीएसटी रिफंड में 10.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 13,497 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिफंड की राशि को घटाने के बाद सितंबर में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 18.1 प्रतिशत बढ़कर 1,76,520 करोड़ रुपये रहा। इसमें घरेलू जीएसटी का योगदान 1,24,491 करोड़ रुपये तथा आयातित उत्पादों से प्राप्त जीएसटी का योगदान 52,028 करोड़ रुपये रहा। घरेलू और आयातित उत्पादों से प्राप्त शुद्ध राजस्व में क्रमश: 13.5 प्रतिशत और 30.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भी जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहा।

◆ पहली छमाही में 10.66 लाख करोड़ जीएसटी राजस्व

जीएसटी रिफंड 19.8 प्रतिशत बढ़ा

इस दौरान सरकार की ओर से कुल 1,80,163 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड जारी किया गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 18.8 प्रतिशत अधिक है। रिफंड के बाद चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में शुद्ध जीएसटी राजस्व 10.4 प्रतिशत बढ़कर 10,66,116 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह आंकड़ा 9,65,455 करोड़ रुपये रहा था।

अक्टूबर से बदले कई नियम, एलपीजी से बैंकिंग तक पड़ेगा सीधा असर

एजेंसी, नई दिल्ली। नए महीने की शुरुआत के साथ देशभर में कई महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव लागू हुए हैं, जिनका असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और आर्थिक मामलों पर पड़ सकता है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी का लाभ लेने के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण यानी ई-केवाईसी को अनिवार्य किया गया है। जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक ई-केवाईसी पूरी नहीं की है, उन्हें सिलेंडर बाजार मूल्य पर खरीदना पड़ सकता है। वहीं, बैंकिंग क्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। नए नियमों के तहत बैंकों की शाखाओं में सावधि जमा पर ब्याज दरों में एकरूपता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नागरिक डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकेंगे, जिससे पेंशन भुगतान की प्रक्रिया सुचारू बनी रहेगी। जन्म और मृत्यु के पंजीकरण से जुड़े नियमों में भी सख्ती की गई है। दो वर्ष से अधिक की देरी से पंजीकरण कराने के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी। वहीं, अनिवासी भारतीयों से संपत्ति खरीदने के मामलों में टीडीएस काटने के लिए अलग से टैन लेने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। डिजिटल बैंकिंग को मजबूत करने के लिए नया बैंकर्स बुक्स एविडेंस कानून भी लागू किया गया है। इसके तहत बैंकों के डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक और क्लाउड आधारित अभिलेखों को अदालतों में कानूनी साक्ष्य के रूप में मान्यता मिलेगी।